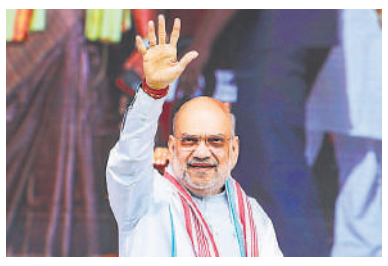

- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बोले- बंगाल में भाजपा का सत्ता में आना तय घुसपैठियों को वापस भेजेंगे - 12

- शेयर बाजार में चौथे दिन भी तेजी सेंसेक्स 510 अंक चढ़ा, निफ्टी हुआ 23 हजारी - 12

- मणिपुर में सीआरपीएफ शिविर पर भीड़ का हमला, गोलीबारी में दो लोगों की मौत - 13

- जम्मू-कश्मीर में लश्कर के अंतर्राज्यीय आतंकी माड्यूल का खुलासा, पांच गिरफ्तार- 13

आज का मौसम

29.0° अधिकतम तापमान

18.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.53

सूर्यास्त 06.29

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

बैशाख कृष्ण पक्ष षष्ठी 07:01 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2083

बुधवार, 8 अप्रैल 2026, वर्ष 36, अंक 60, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

ईडी ने अल फलाह के चेयरमैन की 39 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली। ईडी ने अल फलाह समूह के अध्यक्ष जवाद अहमद सिद्दीकी और उनके धर्मार्थ ट्रस्ट के खिलाफ धनशोधन जांच के तहत दिल्ली के जामिया नगर में एक मकान, फरीदाबाद में खेती की जमीन और कई बैंक खातों में जमा राशि कुर्क की है, जिनकी कुल कीमत 39 करोड़ रुपये से ज्यादा है। हरियाणा के फरीदाबाद स्थित अल फलाह यूनिवर्सिटी 10 नवंबर 2025 को दिल्ली के लाल किला क्षेत्र में हुए विस्फोट से जुड़े एक 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल की जांच के दौरान जांच एजेंसियों के रडार पर आई थी। इस विस्फोट में 15 लोग मारे गए थे। सिद्दीकी (61) अभी जेल में बंद है।

एयर इंडिया समूह घरेलू अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों पर ईंधन अधिभार लगाएगा

मुंबई। एयर इंडिया समूह 8 अप्रैल से घरेलू उड़ानों के लिए 299 रुपये से 899 रुपये तक और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के लिए 24 डॉलर से 280 डॉलर तक का ईंधन अधिभार लगाने जा रही है। हालांकि, कुछ मार्गों पर ईंधन अधिभार नहीं लगाया जाएगा। यह अधिभार अनुषंगी कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस द्वारा संचालित उड़ानों पर भी लागू होगा। बांग्लादेश और जापान, हांगकांग और दक्षिण कोरिया जैसे सुदूर पूर्व गंतव्यों के लिए आने-जाने वाली उड़ानों पर ईंधन अधिभार में संशोधन की जानकारी आवश्यक नियामकीय अनुमोदनों के अधीन उचित समय पर दी जाएगी।

आज रात पूरी सभ्यता खत्म होगी : ट्रंप ऐसा जवाब देंगे, भूल नहीं पाओगे : ईरान

होर्मुज खोलने की चेतावनी के चंद घंटे शेष, ईरान के खर्ग द्वीप पर ताबड़तोड़ हमले

वाशिंगटन/तेहरान, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर ईरान उनकी ओर से दी गई मंगलवार की नवीनतम समय-सीमा तक होर्मुज को फिर से खोलने समेत समझौते पर सहमत नहीं होता है, तो मंगलवार रात (भारतीय समयानुसार बुधवार सुबह) एक पूरी सभ्यता का अंत हो जाएगा। ट्रंप की यह चेतावनी ऐसे समय में आई है, जब ईरान में हवाई हमलों में खर्ग द्वीप के अलावा दो पुल और एक रेलवे स्टेशन को निशाना बनाया गया। इस बीच, ईरान ने पलटवार करते हुए कहा कि अगर हमला हुआ तो ऐसा जवाब देंगे, जिसे भूल नहीं पाओगे। ईरानी अधिकारियों ने युवाओं से बिजली संयंत्रों की रक्षा के लिए उनके चारों ओर मानव शृंखला बनाने की अपील की है।

ट्रंप ने पहले भी समयसीमा बढ़ाई थी, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि वाशिंगटन में मंगलवार रात आठ बजे तक की समयसीमा अंतिम है। इसी के साथ दोनों पक्षों की ओर से बयानबाजी चरम पर पहुंच गई, जिससे ईरानी नागरिकों की चिंता बढ़ गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने धमकी दी है कि यदि ईरान होर्मुज को पूरी तरह से नहीं खोलता, तो उसके सभी बिजली संयंत्रों और पुलों को नष्ट कर दिया जाएगा। इस जलडमरूमध्य के रास्ते शांति काल में दुनिया के करीब 20 प्रतिशत तेल का परिवहन होता है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने मंगलवार को कहा कि उनके समेत 1.4 करोड़ ईरानी स्वयंसेवक युद्ध में अपनी जान देने के लिए तैयार हैं। वहीं, इजराइल ने ईरान की अर्थव्यवस्था को झटका देने के उद्देश्य से किए जा रहे हमलों की संख्या में लगातार वृद्धि की है। जिसमें 18 की मौत हो गई। ईरान ने भी इजराइल व सऊदी अरब पर मिसाइलें और ड्रोन दागे हैं, जिसमें एक प्रमुख पुल को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। ईरान हालांकि, उन्नत अमेरिकी और इजराइली हथियारों या हवाई प्रभुत्व का मुकाबला नहीं कर सकता, लेकिन होर्मुज पर उसकी पकड़ विश्व अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचा रही है, जिससे ट्रंप पर देश और विदेश दोनों जगह से इस गतिरोध से बाहर निकलने का रास्ता खोजने का दबाव बढ़ रहा है। कूटनीति से संकट को सुलझाने की प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों ने कहा कि बातचीत जारी है - लेकिन ईरान ने नवीनतम अमेरिकी प्रस्ताव को खारिज कर दिया है, और यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप के संभावित हमलों को रोकने के लिए समय पर कोई समझौता हो पाएगा या नहीं।

अपने ऊर्जा ठिकानों के बचाव को लेकर ईरान के लोगों ने मानव शृंखला बनाई।

- ईरानी राष्ट्रपति बोले- मेरे समेत 1.4 करोड़ ईरानी युद्ध में अपनी जान देने के लिए तैयार
- युवाओं से बिजली संयंत्रों की रक्षा के लिए उनके चारों ओर मानव शृंखला बनाने की अपील
- इजराइल की ईरान पर एयरस्ट्राइक, 18 की मौत ईरान बोला- अमेरिका के दोस्तों पर अटैक करेंगे

ईरान में अपने नागरिकों से भारत ने कहा- जहां हैं, वहीं रहें...48 घंटे संवेदनशील

नई दिल्ली। वाशिंगटन द्वारा तेहरान को दी गई चेतावनी के बाद पश्चिम एशिया संकट के एक गंभीर मोड़ पर पहुंचने के बीच भारत ने मंगलवार को ईरान में मौजूद अपने नागरिकों को अगले 48 घंटों तक जहां हैं, वहीं रहने की सलाह दी। आपातकालीन परामर्श में, ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने भारतीयों से घर के भीतर रहने तथा सैन्य ठिकानों, ऊर्जा ढांचों और बहुमंजिला इमारतों की ऊपरी मंजिलों से पूरी तरह दूर रहने का आग्रह किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी खत्म करने के लिए उनके द्वारा दी गई रात 8 बजे (पूर्वी समय) तक की समयसीमा (भारतीय समय के अनुसार बुधवार सुबह 5:30 बजे) का पालन नहीं करता है, तो पूरी की पूरी सभ्यता आज रात खत्म हो जाएगी।

शिक्षामित्र को 18 और अनुदेशकों को 17 हजार रुपये का मानदेय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में 22 प्रस्तावों को मंजूरी देते हुए शिक्षामित्रों और अंशकालिक अनुदेशकों के मानदेय में 80 फीसदी की ऐतिहासिक बढ़ोतरी की गई। साथ ही चार हजार करोड़ रुपये से 25 लाख उच्चशिक्षा के विद्यार्थियों को बांटने के लिए टैबलेट और स्मार्टफोन खरीद की स्वीकृति दी गई।

मंत्रिपरिषद की बैठक में शिक्षा के अलावा उद्योग, इंफ्रास्ट्रक्चर, परिवहन, शहरी विकास और स्वास्थ्य से जुड़े कई अहम प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई, जिससे विकास परियोजनाओं को गति मिलने की उम्मीद है। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने बताया कि प्रदेश में 1,42,929 शिक्षामित्र कार्यरत हैं, जिनमें से 1,29,332 का मानदेय समग्र शिक्षा अभियान के तहत केंद्र व राज्य के 60-40 फीसदी के साझा अंश से दिया जाता है। यदि केंद्रांश स्वीकृत नहीं होता है तो राज्य सरकार अतिरिक्त भार वहन करेगी। वहीं, 24,717 अंशकालिक अनुदेशकों को भी इस फैसले से बड़ी राहत मिली है। अब शिक्षामित्रों को 10,000 की जगह 18,000 और अंशकालिक अनुदेशकों को 9,000 के स्थान पर 17,000 प्रतिमाह मानदेय मिलेगा। यह वृद्धि 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगी और मई माह के भुगतान में शामिल की जाएगी। इस फैसले से प्रदेश के 1.6 लाख से अधिक शिक्षा कर्मियों को सीधा लाभ मिलेगा, जबकि सरकार पर 1475.27 करोड़ का अतिरिक्त वित्तीय भार आएगा।

- मंत्रिपरिषद से 22 प्रस्तावों को मंजूरी, 25 लाख युवाओं को मिलेंगे टैबलेट-स्मार्टफोन
- शिक्षामित्रों को लेकर सीएम की घोषणा पर मुहर, 1475.27 करोड़ का अतिरिक्त बोझ

कैबिनेट के अन्य बड़े फैसले

- पीपीपी मॉडल पर 49 बस स्टेशनों का एयरपोर्ट जैसा कायाकल्प।
- ग्रेटर नोएडा में 'मेट्रो विश्वविद्यालय' की मंजूरी।
- सामाजिक न्याय के प्रणेताओं के स्मारकों का सरकार करेगी संरक्षण।
- हर विधानसभा में 10 स्मारकों का विकास।
- 'डॉ. बीआर आंबेडकर मूर्ति विकास योजना' को किया स्वीकृत।
- गोरखपुर में उप्र वनिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय अध्यादेश।
- बलिया में स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना।
- शहरी विकास व औद्योगिक निवेश को बढ़ावा।
- मेट्रो, बस स्टेशन और सड़क-पुल की कई परियोजनाओं को हरी झंडी।
- औद्योगिक विकास को 24,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी।
- शाहजहांपुर, गोरखपुर, ग्रे. नोएडा, प्रयागराज, हाथरस, यमुना, मुरादाबाद में औद्योगिक इकाई मंजूर।
- हिंदू बांग्लादेशी विस्थापित परिवारों के पुनर्वास और भूमि आवंटन से जुड़े निर्णय।

चूल्हे की आग बनी काल, गैस रिसाव ने छीना दंपति का जीवन

सरेनी, रायबरेली

- सरेनी थाना क्षेत्र के लाला खेड़ा मजरे चहोतर गांव का मामला

अमृत विचार। एक साधारण सी रसोई, जहां हर रोज परिवार के लिए भोजन बनता था, वही बीती रात एक भयावह त्रासदी का कारण बन गई। गैस सिलेंडर से हुए रिसाव ने ऐसी आग पकड़ी कि उसने एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियां हमेशा के लिए छीन लीं। इस दर्दनाक हादसे में दंपति की मौत हो गई, जिससे पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

थाना क्षेत्र के लाला खेड़ा मजरे चहोतर गांव निवासी छेदीलाल की पत्नी मालती देवी (50) मंगलवार की रात करीब आठ बजे घर में खाना बना रही थीं। इस दौरान अचानक गैस सिलेंडर से रिसाव हुआ और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। आग की लपटों में घिरी मालती देवी की चीखें सुनकर उनके पति छेदीलाल उन्हें बचाने दौड़े, लेकिन वह भी इस हादसे का शिकार हो गए। ग्रामीणों ने किसी तरह आग पर काबू पाया और दोनों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। आग से झुलसे दोनों को जलन ज्यादा होने के कारण डॉक्टर ने उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया। लखनऊ ले जाते समय रास्ते में देर रात करीब 12 बजे दोनों ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

आपूर्ति निरीक्षक प्रदीप मिश्रा ने कहा कि पीड़ित परिवार को प्रशासन की ओर हर संभव मदद उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही लीकेज के कारण का भी पता लगाया जा रहा है। इसके बाद संबंधित पर कार्रवाई की जाएगी।

वहीं सरेनी थानाध्यक्ष रमेश चंद्र यादव ने कहा कि शार्ट-सर्किट से आग लगी है। मामले की मौके पर पहुंच कर जांच की गई है। कोई सिलेंडर फटने की खबर नहीं है। पोस्टमार्ट रिपोर्ट आने के बाद शासन से आर्थिक मदद दिलाई जाएगी।

मानव संपदा पोर्टल पर दर्ज होगा कर्मियों का पूरा रिकॉर्ड

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विभागीय कार्रवाई व सतर्कता जांच की जानकारी ऑनलाइन करना अनिवार्य

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने कार्मिक प्रबंधन को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए बड़ा निर्णय लेते हुए अब सभी कर्मचारियों के खिलाफ लंबित या संचालित विभागीय कार्रवाई और सतर्कता जांच का विवरण मानव संपदा पोर्टल पर दर्ज करना अनिवार्य कर दिया है। इस संबंध में प्रमुख सचिव कार्मिक एम. देवराज ने मंगलवार को सभी विभागों, मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं।

यह व्यवस्था इसलिए लागू की गई है ताकि कर्मचारियों से संबंधित समस्त सूचनाएं एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध रहें और विभागीय कार्यवाहियां पारदर्शी, समयबद्ध और प्रभावी ढंग से संचालित हो सकें। निर्देशों के मुताबिक, प्रत्येक कार्यालय का ऑफिस एडमिन लॉगिन के माध्यम से अपने अधीन कार्यरत सभी कर्मचारियों की विभागीय कार्यवाही (नियम-7, 10(2)) और सतर्कता जांच की स्थिति पोर्टल पर अपडेट करेगा। नोडल अधिकारी फिल डीपी स्टेटस विकल्प के जरिए संबंधित कर्मचारियों का पूरा विवरण दर्ज करेंगे।

सेवा पुस्तिका से भी जोड़ा जाएगा विवरण

यदि किसी कर्मचारी के खिलाफ विभागीय या सतर्कता जांच का इतिहास है, तो उसकी पूरी जानकारी मानव संपदा पोर्टल के सर्विस बुक मॉड्यूल में भी अपडेट करनी होगी, जिससे भविष्य में रिकॉर्ड ट्रैकिंग आसान हो सके।

अहम है यह फैसला

कार्मिक प्रबंधन में पारदर्शिता बढ़ेगी। विभागीय कार्रवाई की निगरानी आसान होगी। डिजिटल रिकॉर्ड से जवाबदेही तय होगी। भ्रष्टाचार पर लगेगा अंकुश।

ADMISSIONS OPEN · SESSION 2026-27

India s Most Advanced Photography and Film Making Degrees. Now in Bareilly.

Diploma · BFA · MFA · UGC-Recognised · NEP 2020 Aligned

33000+ STUDENTS TRAINED | 40+ COUNTRIES WORLDWIDE | 16 YEARS OF EXCELLENCE | 100% PLACEMENT RECORD | 60 ACRES MODERN CAMPUS - BIU

ABOUT THE FACULTY

The Faculty of Fine Arts (FFA) is the result of a landmark academic collaboration between IIP Academy, India's most respected photography institution, and Bareilly International University, a UGC-recognised university on a 60-acre modern campus in Bareilly, Uttar Pradesh. For the first time in North India, students can pursue structured, industry-facing degree programmes in Photography and Film Making within a full university ecosystem, combining creative practice with academic progression.

All programmes are full-time, credit-based, and NEP 2020 compliant. BFA Honours (4-year) pathway available. MFA entry open to BFA graduates and working professionals.

Photography & Visual Arts — DIPLOMA · 2 YRS | BFA · 3–4 YRS | MFA · 1–2 YRS
Studio photography, documentary, commercial, fashion, product, photojournalism, and visual research.

Film Making & Moving Image — DIPLOMA · 2 YRS | BFA · 3–4 YRS
Cinematography, direction, screenwriting, editing, sound design, documentary filmmaking, production management.

TEACHING METHODOLOGY
- Studio-First. Industry-Integrated.
- Every semester is structured around real projects, 80% practical. Students work alongside mentors on media & advertising campaigns, cultural documentation, participation in government events
- Guru–Shishya mentor-ship model
- Credit-based project assessments
- Mandatory internship semesters
- Portfolio-led evaluation
- Interdisciplinary learning: art, tech, culture, entrepreneurship

CAMPUS & INFRASTRUCTURE
- A University Built for Creative Practice
- 60-acre modern BIU campus, Bareilly
- Professional photography studios
- Analog darkroom facility, Digital editing & post-production labs, Film set and production spaces, Art studios and critique galleries, Library & visual research center
- On-campus hostels and student facilities,
- Noida campus: Advanced/ industrial training

PLACEMENTS & CAREERS
- 100% Placement. Every Batch
- IIP Academy maintains an unbroken placement record across all graduating batches. The dedicated industry connect cell works with media houses, production studios, advertising agencies, and cultural organisations
- Career counselling from Year 1, Live brief industry assignments
- National & international exhibitions

www.sepiaadvertising.com/04/26

ADMISSIONS NOW OPEN

Pre-Register Today | Limited Seats per Batch
Entrance test and academic counselling for all programmes.
UGC-recognised degrees · Education loan facility · Hostel available
CAMPUS: PILIBHIT BYPASS ROAD BAREILLY-243006

9015 422 322
ADMISSIONS HELPLINE

सुप्रीम सुनवाई | नौ जजों की संविधान पीठ ने महिलाओं को एंट्री मामले में 5 घंटें की सुनवाई, केंद्र ने अपना पक्ष रखते हुए कहा

2018 का सबरीमाला फैसला त्रुटिपूर्ण था, पुनर्विचार जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा कि 2018 का सबरीमाला फैसला त्रुटिपूर्ण था और इस पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। फैसले में केरल के सबरीमाला मंदिर में 10 से 50 वर्ष की महिलाओं के प्रवेश पर लगे प्रतिबंध को हटाया गया था। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि उन्हें 2018 के सबरीमाला फैसले में की गई उस टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति है जिसमें कहा गया कि 10-50 वर्ष की आयु वर्ग की महिलाओं को मंदिर से बाहर रखना 'अस्पृश्यता' का एक रूप है, जो अनुच्छेद 17 का उल्लंघन है।

सबरीमाला मामले में, न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ का मत था कि उम्र या मासिक धर्म की स्थिति के आधार पर महिलाओं को केरल के सबरीमाला मंदिर में प्रवेश से रोकना अस्पृश्यता का एक रूप है जो उन्हें अधीनस्थ स्थिति में रखता है, पितृसत्ता को कायम रखता है और उनकी गरिमा के लिए अपमानजनक है। मेहता ने कहा, भारत उतना पितृसत्तात्मक या लैंगिक रूढ़ियों से ग्रस्त नहीं है जितना पश्चिम समझता है। मेहता ने कहा कि अनिवार्य धार्मिक प्रथाओं का अनावश्यक सिद्धांत पेश किया गया है, लेकिन सवाल यह है कि अनिवार्य क्या है, इसका निर्णय कैसे किया जाए। यह आस्था, विश्वास का विषय है। किसी बात को आवश्यक मानने या न मानने के लिए, सबसे पहले धार्मिक ग्रंथों का न्यायिक विश्लेषण करना होगा। ग्रंथों को उसी तरह समझना होगा जिस तरह उन्हें समझा जाना चाहिए। मेरा विनम्र निवेदन है कि यह तभी संभव है जब व्यक्ति आध्यात्मिक समझ के उस स्तर को प्राप्त कर ले। मेहता ने कहा, भारत ने हमेशा से महिलाओं के साथ समान व्यवहार किया है। मेहता ने अदालत से कहा, हम शायद एकमात्र ऐसे समाज हैं जो महिलाओं की पूजा करते हैं। राष्ट्रपति से लेकर प्रधानमंत्री और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों तक, हम देवियों के सामने नतमस्तक होते हैं। इसलिए, हमें इस चर्चा में पितृसत्ता और लैंगिक रूढ़ियों की अवधारणाओं को शामिल नहीं करना चाहिए।

गुण-दोष पर विचार के बजाय 7 प्रश्नों तक पीठ सीमित

पीठ ने कहा कि वह सबरीमाला फैसले के गुण-दोष पर विचार नहीं करेगी और मामले में निर्धारित सात प्रश्नों तक ही सीमित रहेगी। सितंबर 2018 में, पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने एक के मुकाबले चार के बहुमत से फैसला सुनाते हुए उस प्रतिबंध को हटा दिया था जो 10 से 50 वर्ष की आयु की महिलाओं को सबरीमाला अयप्पा मंदिर में प्रवेश करने से रोकता था। इसके बाद, 14 नवंबर, 2019 को, तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की एक अन्य पीठ ने दो के मुकाबले तीन के बहुमत से, विभिन्न पूजा स्थलों पर महिलाओं के खिलाफ भेदभाव के मुद्दे को एक बड़ी पीठ के पास भेज दिया।

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 8 अप्रैल 2026

अन्य फैसले

गोरखपुर में बनेगा वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय

अमृत विचार, लखनऊ : कैबिनेट बैठक में गोरखपुर में उप्र वानिकी एवं औद्यानिकी विवि की स्थापना को मंजूरी दे दी गई। इसके लिए "उत्तर प्रदेश वानिकी एवं औद्यानिकी विवि अध्यादेश-2026" के प्रख्यापन को स्वीकृति प्रदान की गई है। वन, पर्यावरण, जंतु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने बताया कि यह विवि गोरखपुर के कैम्पियरगंज क्षेत्र में लगभग 50 हेक्टेयर भूमि पर स्थापित किया जाएगा। प्रस्तावित विवि में वानिकी, औद्यानिकी, वन्य जीव संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, एग्रोफॉरेस्ट्री, फल व बागवानी सहित कई आधुनिक विषयों में बीएससी, एमएससी और डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे।

मोबाइल टॉवर में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

संग्रामगढ़, प्रतापगढ़ : संग्रामगढ़ बाजार के करीब निजी मोबाइल कम्पनी का टॉवर लगा है। परिसर में स्थित जनरेटर में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। टॉवर से धुआं और आग की लपटें उठती देख बाजार वासी डर गए। लोगों ने सजगता दिखाते हुए संबंधित कर्मचारी एवं फायर ब्रिगेड को सूचित किया। फायरब्रिग्रेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। संयोग रहा कि कोई अनहोनी नहीं हुई। वहां मौजूद क्षेत्र के लोगों ने टॉवर प्रबंधन द्वारा तैनाती पर लापरवाही और बिजली चोरी के आरोप लगाये। चर्चा रही कि जनता पर बकाया बिल को लेकर विभाग सख्त कार्रवाई करता है, वहीं इन बड़ी कंपनियों की सरेआम चल रही धांधली पर चुप्पी क्यों रहती है। जेई विनय जायसवाल ने बताया कि जांच की जाएगी। दोषी मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

बीमार युवती की अस्पताल में मौत

प्रतापगढ़, अमृत विचार : लालगंज थाना क्षेत्र के बेलहा निवासी 22 वर्षीय कली विश्वकर्मा पुत्री शिवराम विश्वकर्मा कई दिनों से बीमार चल रही थी। सोमवार को उसकी हालत बिगड़ने पर परिजन उसे लालगंज ट्रामा सेंटर ले गए। ट्रामा सेंटर में हालत में सुधार नहीं होने पर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज में मंगलवार को इलाज के दौरान युवती की मौत हो गई।

महापुरुषों के स्मारकों का सरकार करेगी संरक्षण

डॉ. बीआर आंबेडकर मूर्ति विकास योजना को मंजूरी, 403 करोड़ रुपये से हर विधानसभा क्षेत्र में 10 स्मारकों का होगा विकास

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

कैबिनेट के निर्णय

- **स्मारकों को जनोपयोगी केंद्र के रूप में भी विकसित किया जाएगा**

अमृत विचार: प्रदेश में महापुरुषों की विरासत को सहेजने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए योगी सरकार ने हर विधानसभा क्षेत्र में 10 स्मारकों के विकास का निर्णय लिया है। कैबिनेट बैठक में 'डॉ. बीआर आंबेडकर मूर्ति विकास योजना' को स्वीकृति दी गई। इसके तहत महापुरुषों, समाज सुधारकों और सांस्कृतिक विभूतियों की मूर्तियों का संरक्षण व सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

योगी सरकार बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के साथ-साथ संत रविदास, कबीर, ज्योतिबा फुले, महर्षि वाल्मीकि समेत अन्य महापुरुषों की मूर्तियों का व्यापक सौंदर्यीकरण करेगी। इसके साथ ही आगामी 14 अप्रैल को प्रदेश की सभी विधानसभा क्षेत्रों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यहां स्थानीय जनप्रतिनिधि (सांसद, विधायक, एमएलसी) जनता को इस योजना और चयनित स्थलों के बारे में जानकारी भी देंगे।

समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने बताया कि योजना के तहत प्रदेश के सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में 10-10 स्मारकों का विकास किया जाएगा। प्रति स्मारक 10 लाख रुपये की लागत तय की गई है। इसके अंतर्गत कुल 403 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इन स्मारकों के आसपास बाउंड्रीवॉल, छत्र निर्माण, सौंदर्यीकरण, हरियाली का विकास और प्रकाश व्यवस्था की जाएगी। यह पहल न केवल ऐतिहासिक धरोहरों को सुरक्षित करेगी, बल्कि उन्हें जनोपयोगी केंद्र के रूप में भी विकसित करेगी।

योजना का उद्देश्य सिर्फ मूर्तियों की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके आसपास के क्षेत्रों को विकसित कर स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित करना है। निर्माण कार्यों के जरिए ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते मंत्री सुरेश खन्ना, संदीप सिंह, असीम अरुण, डॉ. अरुण कुमार सक्सेना और दयाशंकर सिंह। अमृत विचार

विस्थापित परिवारों को भूमिधर का मिलेगा अधिकार

अमृत विचार, लखनऊ : योगी सरकार ने कैबिनेट बैठक में एक अहम निर्णय लेते हुए जनपद पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, रामपुर और बिजनौर में भारत-पाकिस्तान विभाजन के समय विस्थापित होकर आए हजारों परिवारों को भूमिधर अधिकार प्रदान करने की मंजूरी दी। इसके लिए उप्र. राजस्व संहिता (द्वितीय संशोधन) अध्यादेश, 2026 के माध्यम से उप्र. राजस्व संहिता, 2006 में संशोधन किया गया है, जिसके तहत पात्र परिवारों को असंक्रमणीय अधिकार दिए जाएंगे। दशकों से स्वामित्व के अभाव में ये परिवार खेती के लिए बैंक ऋण लेने और सरकारी खरीद केंद्रों पर उपज बेचने में कठिनाइयों का सामना कर रहे थे। अब इस निर्णय से उन्हें अपनी जमीन का कानूनी मालिकाना हक मिलेगा, जिससे वे आसानी से ऋण प्राप्त कर सकेंगे और सम्मानजनक तरीके से अपनी फसल बेच पाएंगे। यह कदम न केवल इन परिवारों को कानूनी सुरक्षा देगा, बल्कि उनके आर्थिक सशक्तीकरण और सामाजिक सम्मान को भी सुनिश्चित करेगा।

समाजसेवी ने वृद्धजनों को किया सम्मानित

बुजुर्ग को सम्मानित करते समाजसेवी।

प्रतापगढ़, अमृत विचार : शहर के महुली स्थित वृद्धाश्रम में मंगलवार को सम्मान समारोह समाजसेवी रामचंदर उमरवैश्य के नेतृत्व में हुआ। एलायंस क्लब के इंटरनेशनल डायरेक्टर समाजसेवी रोशनलाल उमरवैश्य ने कहा कि बुजुर्गों की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। जिला उमरवैश्य समाज के सामूहिक विवाह के संयोजक जवाहरलाल बच्चा, वृद्धाश्रम के प्रबंधक अंबिका प्रसाद ने बुजुर्गों को भोजन वितरित करने के बाद अंगवस्त्र दिया। इस दौरान शिवकुमार, बब्बू उमरवैश्य, सूरज कुमार उमरवैश्य, जवाहरलाल बच्चा, दादा जयराम, शिव बाबू, आशिक अली, धर्मेंद्र, अमित, पंकज आदि मौजूद रहे।

पीपीपी मॉडल पर 49 बस अड्डों का होगा कायाकल्प

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **एयरपोर्ट जैसी सुविधाओं से लैस होंगे बस स्टेशन, 4000 करोड़ निवेश का अनुमान**

अमृत विचार: प्रदेश में बस अड्डों को आधुनिक स्वरूप देने की दिशा में बड़ा फैसला लेते हुए कैबिनेट ने पीपीपी मॉडल पर 49 बस स्टेशनों के विकास को मंजूरी दे दी है।

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि इन बस स्टेशनों को एयरपोर्ट की तर्ज पर विकसित किया जाएगा, जहां यात्रियों को शॉपिंग मॉल, सिनेमाघर, वीआईपी लाउंज और आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि यह परियोजना डीबीएफओटी मॉडल पर लागू होगी, जिससे राज्य सरकार पर कोई वित्तीय बोझ नहीं आएगा। निवेशकों को आकर्षित करने के लिए पात्रता शर्तों में भी बदलाव किए गए हैं, जिससे अधिक से अधिक निजी भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

परिवहन मंत्री ने बताया कि परियोजना को पूरा करने की समय सीमा 5 से बढ़ाकर 8 वर्ष कर दी गई है, जबकि कार्य प्रारंभ करने की अवधि 6 माह से बढ़ाकर 12 माह कर दी गई है। साथ ही तकनीकी पात्रता और नेटवर्थ से जुड़े मानकों को भी निवेशक अनुकूल बनाया गया है। पहले चरण में 23 बस स्टेशन पहले ही स्वीकृत किये जा चुके हैं। कुल 52 जनपद योजना से आच्छादित होंगे।

अन्य अहम फैसले

- हाथरस, बुलंदशहर और बलरामपुर में नए बस अड्डों के लिए भूमि हस्तांतरण
- नरौरा में डिपो वर्कशॉप और तुलसीपुर में देवीपाटन मंदिर क्षेत्र में आधुनिक बस स्टेशन
- बस अड्डों को विकसित किया जाएगा आर्थिक गतिविधि केंद्र के रूप में

गंभीर अपराधों में अब नहीं मिलेगी राहत, अध्यादेश को मिली मंजूरी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में उप्र. दंड विधि (अपराधों का शमन और विचारणों का उपशमन) संशोधन अध्यादेश-2026 को मंजूरी दे दी गई। इस फैसले के तहत अब गंभीर अपराधों में राहत या स्वतः समाप्ति (एबेट) की व्यवस्था पर रोक लगेगी। कैबिनेट के निर्णय के अनुसार, अधिनियम 1979 की धारा-9 में संशोधन करते हुए यह स्पष्ट किया गया है कि गैर-समझौता योग्य (नॉन-कंपाउंडेबल) अपराध, अनिवार्य कारावास वाले अपराध और दोहराए गए (सब्सीक्वेंट) अपराध अब स्वतः समाप्त नहीं होंगे। यह निर्णय उच्चतम न्यायालय में लंबित मामले के निर्देशों के अनुरूप लिया गया है, जिससे कानून व्यवस्था को और सख्त बनाया जा सके।

वहीं अब तक मोटर वाहन अधिनियम के तहत कई मामलों में समय बीतने पर कार्रवाई स्वतः समाप्त हो जाती थी, लेकिन नए संशोधन के बाद ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों को भी राहत नहीं मिलेगी और उनके खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

25 लाख युवाओं को मिलेंगे फ्री टैबलेट

कैबिनेट ने खरीद को दी मंजूरी, डिजिटल शिक्षा को मिलेगा बल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में युवाओं के लिए बड़ी सौगात का फैसला लिया गया। स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के तहत प्रदेश के छात्र-छात्राओं को निःशुल्क वितरण के लिए 25 लाख टैबलेट खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है।

सरकार जल्द ही खरीद प्रक्रिया पूरी कर वितरण शुरू करेगी। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए इस योजना में 2000 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जबकि अनुमानित कुल खर्च करीब 3000 करोड़ तक पहुंच सकता है, जिसका पूरा भार राज्य सरकार उठाएगी। औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी ने बताया कि इस योजना का लाभ स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, तकनीकी शिक्षा, स्वास्थ्य शिक्षा, आईटीआई और कौशल विकास कार्यक्रमों से जुड़े छात्रों व प्रशिक्षुओं को मिलेगा। इससे युवाओं को डिजिटल पढ़ाई में मदद मिलेगी और वे रोजगार, स्वरोजगार व ऑनलाइन सेवाओं से बेहतर तरीके से जुड़ सकेंगे।

60 लाख युवाओं को पहले ही मिल चुका लाभ : सरकार के मुताबिक, वर्ष 2021-22 में शुरू हुई इस योजना के तहत अब तक 60 लाख से अधिक युवाओं को टैबलेट और स्मार्टफोन वितरित किए जा चुके हैं। इस बार भी एक टैबलेट की अनुमानित कीमत करीब 12,000 रखी गई है, जिसके आधार पर बड़े स्तर पर खरीद की तैयारी है।

इन युवाओं को मिलेगा लाभ

- स्नातक व स्नातकोत्तर छात्र
- पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग व मेडिकल विद्यार्थी
- आईटीआई व कौशल विकास प्रशिक्षु
- स्वास्थ्य व तकनीकी शिक्षा से जुड़े छात्र
- सेवामित्र पोर्टल पर पंजीकृत युवा

21 प्रशिक्षु आईएएस अफसरों की तैनाती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में 2025 बैच के 21 प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों को विभिन्न जिलों में तैनाती दे दी गई है। ये अधिकारी 17 अप्रैल 2026 के बाद संबंधित जनपदों में असिस्टेंट कलेक्टर/प्रशिक्षु मजिस्ट्रेट के रूप में कार्यभार ग्रहण करेंगे।

जिन अधिकारियों को तैनाती दी गई है, उनमें शक्ति दुबे को लखनऊ, आदित्य सिंह को वाराणसी, अर्पित गुप्ता को कानपुर नगर, श्रेयांश मिश्रा को प्रयागराज, अनन्या सिंह को गोरखपुर, आयुषी वर्मा को मेरठ, अभिषेक यादव को आगरा, साक्षी श्रीवास्तव को अयोध्या, रोहित सिंह को बरेली, प्रिया चौहान को झांसी, विवेक कुमार को मुरादाबाद, हिमांशु तिवारी को सहारनपुर, नेहा गुप्ता को अलीगढ़, शुभम सिंह को गाजियाबाद, रितिका मिश्रा को बलिया, राहुल पांडेय को जौनपुर, अंकित त्रिपाठी को आजमगढ़, पूजा सिंह को प्रतापगढ़, सौरभ यादव को फतेहपुर, गौरव शुक्ला को सीतापुर तथा निशा यादव को देवरिया में तैनात किया गया है।

आशीष गोयल और सुंदरम को अतिरिक्त प्रभार

प्रदेश सरकार ने वरिष्ठ आईएएस डॉ. आशीष कुमार गोयल को उनके वर्तमान दायित्वों के साथ अपर मुख्य सचिव, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग, उत्तर प्रदेश शासन का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। डॉ. गोयल वर्तमान में यूपी पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड, पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन, यूपीएसएलडीसी और राज्य विद्युत उत्पादन निगम समेत कई अहम पदों की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। वहीं, प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन विभाग डॉ. एमकेएस सुंदरम को भी अतिरिक्त जिम्मेदारी देते हुए प्रमुख सचिव, प्राविधिक शिक्षा विभाग का प्रभार सौंपा गया है।

अब एआई की निगरानी में होंगी भर्ती परीक्षाएं, इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम शुरू

अमृत विचार, लखनऊ/ प्रयागराज : उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने परीक्षाओं को पूरी तरह नकलविहीन और पारदर्शी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए प्रयागराज स्थित कार्यालय में अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल रूम की स्थापना की है। इसका उद्घाटन आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने किया। इस कंट्रोल रूम के जरिए अब प्रदेश भर के परीक्षा केंद्रों की रियल टाइम निगरानी की जाएगी। प्रत्येक परीक्षा कक्ष और वहां मौजूद अभ्यर्थियों पर एआई आधारित कैमरों से नजर रखी जाएगी, जिससे किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि को तुरंत चिन्हित किया जा सके। नई व्यवस्था के तहत अभ्यर्थियों की उपस्थिति और सत्यापन बायोमैट्रिक सिस्टम से होगा, जिसका सीधा डेटा कंट्रोल रूम में उपलब्ध रहेगा। इससे फर्जीवाड़े और डमी कैंडिडेट की आशंका लगभग खत्म हो जाएगी।

6466 करोड़ की 325 परियोजनाओं से चमकेगा आगरा

मुख्यमंत्री बोले-'ग्रेटर आगरा' बनेगा नया आर्थिक केंद्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को आगरा को 6466.37 करोड़ रुपये की 325 विकास परियोजनाओं की बड़ी सौगात दी। आगरा इनर रिंग रोड के समीप रहनकलां में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया तथा 'ग्रेटर आगरा' टाउनशिप का भूमिपूजन भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'ग्रेटर आगरा' प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होगा और यह शहर जल्द ही दूसरे नोएडा के रूप में उभरेगा। यहां बड़ी औद्योगिक इकाइयां स्थापित होंगी, जिससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार आगरा को केवल पर्यटन तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि इसे एक आधुनिक, सांस्कृतिक और आर्थिक हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। 'नए शहर प्रोत्साहन योजना' के तहत आगरा विकास प्राधिकरण द्वारा 5142 करोड़ रुपये की लागत से रायपुर और रहनकलां में 449.65 हेक्टेयर क्षेत्र में टाउनशिप विकसित की जाएगी। इसमें 10 हजार से अधिक परिवारों के लिए मल्टीस्टोरी फ्लैट्स, ग्रुप हाउसिंग, प्लॉट, चौड़ी सड़कें, सीवरेज, हरित क्षेत्र और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। टाउनशिप के सेक्टरों का नाम गंगा, यमुना, सरस्वती, गोदावरी सहित 10 पवित्र नदियों के नाम पर रखा जाएगा।

आगरा में नई परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करते मुख्यमंत्री योगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बेहतर कानून व्यवस्था, निवेश और आधारभूत ढांचे के कारण आज उत्तर प्रदेश निवेशकों की पहली पसंद बन रहा है। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, बेबी रानी मौर्य, योगेंद्र उपाध्याय सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

सनातन एकजुटता से विफल होंगे हिंदू विरोधी षड्यंत्रः योगी

- **वृंदावन में संत श्रीमद् जगद्गुरु द्वाराचार्य मलूकदास जी महाराज की 452वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री**

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि यदि सनातन समाज एकजुट हो जाए तो हिंदू विरोधी षड्यंत्र करने वालों की कोई ताकत भारत का बाल भी बांका नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि संतों की एकता और मार्गदर्शन से ही देश ने ऐतिहासिक परिवर्तन देखे हैं और यही भारत की शक्ति है।

मथुरा के वृंदावन में संत श्रीमद् जगद्गुरु द्वाराचार्य श्री मलूकदास जी महाराज की 452वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में 500 वर्षों का संघर्ष संतों की एकता से समाप्त हुआ और भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण संभव हुआ। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर राष्ट्र और सनातन के लिए कार्य करना ही भारत की परंपरा है। सीएम योगी ने काशी का उल्लेख करते हुए महात्मा गांधी के 1916 के वक्तव्य का हवाला दिया और कहा कि आज काशी विश्वनाथ धाम में एक साथ 50 हजार श्रद्धालु दर्शन कर सकते हैं, जो बदलाव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि संत परंपरा ने हमेशा समाज को जोड़ने और दिशा देने का कार्य किया है। सरकार भी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और विकास के लिए प्रतिबद्ध है। संतों के एक मंच पर आने और समाज के एकजुट होने से सदियों पुराना विवाद समाप्त हुआ और श्रीराम मंदिर का निर्माण संभव हुआ।

पहल | प्रदेश के 20 शहरों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 172 मार्ग चिन्हित

सी-आरटीसी योजना शुरू, जाम से मिलेगी निजात

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में बढ़ती ट्रैफिक जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर यातायात निदेशालय ने "सिटी रिड्यूसिंग ट्रैफिक कंजेशन" (सी-आरटीसी) यानी "शहरी ट्रैफिक जाम कम करना" योजना लागू कर दी है। इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 20 शहरों में शुरू किया गया है, जहां 172 प्रमुख मार्गों को चिन्हित कर यातायात को सुगम बनाने की रणनीति तैयार की गई है।

बढ़ते शहरीकरण, जनसंख्या और वाहनों की संख्या के चलते शहरों में जाम की समस्या गंभीर हो चुकी है। इससे समय की बर्बादी के साथ ईंधन खपत और वायु प्रदूषण भी बढ़ रहा है। कई बार एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड जैसी आपात सेवाएं भी प्रभावित होती हैं। इन्हीं चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए यह योजना लागू की गई है, जिसका मुख्य उद्देश्य पीक आवर्स में यात्रा समय को कम करना है।

योजना के तहत सात पुलिस कमिश्नरेट और 13 जिलों को शामिल किया गया है। कमिश्नरेट क्षेत्रों के 74 और अन्य जिलों के 98 मार्गों को चिन्हित किया गया है। लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज, आगरा, गाजियाबाद और नोएडा जैसे बड़े शहरों में प्रमुख सड़कों को प्राथमिकता दी गई है।

एक रूट-एक मार्शल व्यवस्था

योजना में 'एक रूट-एक मार्शल' व्यवस्था लागू की गई है। प्रत्येक चिन्हित मार्ग के लिए एक जिम्मेदार अधिकारी (रूट मार्शल) तैनात किया जाएगा, जो ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए जवाबदेह होगा। ये अधिकारी निरीक्षक या उपनिरीक्षक स्तर के होंगे और जरूरत पड़ने पर एक से अधिक मार्गों की जिम्मेदारी भी संभाल सकते हैं।

एआई तकनीक का उपयोग

योजना में एआई आधारित तकनीक का उपयोग किया जाएगा। इसके जरिए रियल टाइम में जाम की स्थिति, ट्रैवल टाइम और यातायात के पैटर्न का विश्लेषण किया जाएगा। अधिकारियों को मोबाइल के माध्यम से तत्काल जानकारी मिलेगी और उसी आधार पर सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। लक्ष्य है कि पीक आवर्स में अधिकतम ट्रैवल टाइम को कम से कम 20 प्रतिशत तक घटाया जाए।

पांच 'ई' मॉडल पर अमल

जाम से निपटने के लिए 'पांच ई' मॉडल अपनाया गया है, जिसमें- जागरूकता, सख्त प्रवर्तन, तकनीकी सुधार, अतिक्रमण हटाना और ई-रिक्शा संचालन का सुव्यवस्थित प्रबंधन शामिल हैं। इस योजना की एक महीने बाद समीक्षा की जाएगी और जरूरत के अनुसार इसमें सुधार कर इसे प्रदेश के अन्य शहरों में भी लागू किया जाएगा।

राजकमल लेखपाल से बने समीक्षा अधिकारी

प्रतापगढ़, अमृत विचार : उप्र लोक सेवा आयोग ने समीक्षा अधिकारी (आरओ)/सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) मुख्य परीक्षा-2023 के रिजल्ट जारी कर दिया है। मानधाता ब्लॉक के पूरे पंगुल सराय मेदीराय (शिवरा) गांव निवासी राजकमल पांडेय का चयन समीक्षा अधिकारी के पद पर हुआ है। इस समय वह सदर तहसील में लेखपाल के पद पर कार्यरत हैं। उनके पिता रमेश प्रसाद पांडेय प्राइवेट कॉलेज में बतौर शिक्षक कार्यरत है, जबकि मां नीता पांडेय आशा संगिनी हैं। राजकमल के चयन पर परिवार में खुशी का माहौल है। मंगलवार को सामाजिक कार्यकर्ता व पत्रकार रवि प्रकाश सिंह चन्दन ने माल्यार्पण एवं अंगवस्त्र भेंट कर राजकमल को सम्मानित किया। परिजनों का मुंह मीठा कराकर बधाई दी। चन्दन ने कहा कि ग्रामीण परिवेश में राजस्व विभाग में नौकरी के साथ समीक्षा अधिकारी के पद पर चयनित होकर राजकमल ने स्वयं को साबित किया है। राजकमल का चयन ग्रामीण परिवेश के युवाओं के लिए प्रेरणादायक एवं क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। राजकमल ने बताया कि इंटर तक की पढ़ाई बाबा सर्वजीत इंटर कॉलेज कटरा गुलाब सिंह से इसके बाद गाजियाबाद से कंप्यूटर साइंस से बीटेक किया। वर्ष 2024 में लेखपाल पद पर चयन के बाद तैयारी में जुट गए। अभी लक्ष्य की ओर अग्रसर हूं। इस दौरान दादी चंद्रावती, सुखराजी देवी, भाई नील कमल पांडेय, चाचा राजेंद्र प्रसाद पांडेय, अखिलेश पांडेय, मनोज पांडेय, चाची कमलेश पांडेय, कंचन पांडेय, ऊषा पांडेय, मामा सोम द्विवेदी रिंकू, बहन आरती पांडेय, बुआ साधना पांडेय के सहित परिजन मौजूद रहे।

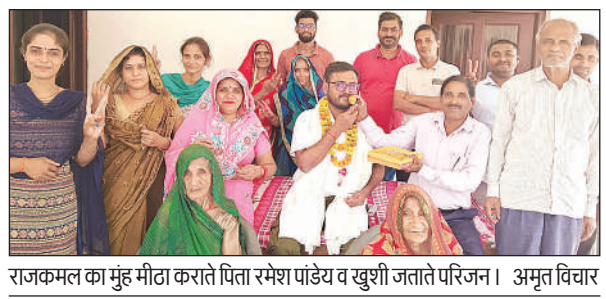

राजकमल का मुंह मीठा कराते पिता रमेश पांडेय व खुशी जताते परिजन। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

मिट्टी खनन को लेकर ट्रैक्टर-ट्रॉली और लोडर किया जब्त

रामसनेहीघाट, बाराबंकी : तहसील रामसनेहीघाट क्षेत्र में प्रशासन ने अवैध मिट्टी खनन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली और एक लोडर को कब्जे में लिया। यह कार्रवाई असन्दरा थाना क्षेत्र के हाजीपुर गांव में बीती रात मुखबिर की सूचना पर की गई। नायब तहसीलदार उमेश द्विवेदी ने बताया कि जांच के दौरान वाहन चालकों से वैध दस्तावेज मांगे गए, लेकिन कोई कागजात प्रस्तुत नहीं किए गए। दस्तावेज न मिलने पर दोनों वाहन जब्त कर संबंधित पुलिस चौकी दिलावरपुर को सौंपे गए। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि अवैध खनन के खिलाफ अभियान इसी तरह जारी रहेगा और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

रेलवे स्टेशन से सरेआम बाइक चोरी

फतेहपुर, बाराबंकी : थाना क्षेत्र में मोटरसाइकिल चोरी का मामला सामने आया है। ग्राम फिरोजपुर मजरे पकरियापुर निवासी रामशंकर ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि वह 27 मार्च की शाम अपनी हीरो होंडा स्प्लेंडर प्लस से रेलवे स्टेशन फतेहपुर पहुंचे थे। पीड़ित के अनुसार, वह अपनी बाइक स्टेशन गेट के पास खड़ी कर अंदर चले गए थे। करीब 10 मिनट बाद वापस लौटने पर देखा कि उनकी मोटरसाइकिल गायब थी। आरोप है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने बाइक का लॉक तोड़कर उसे चोरी कर लिया। घटना की सूचना तत्काल यूपी-112 पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं पर एक पुरानी मोटरसाइकिल लावारिस हालत में खड़ी मिली, जिसे पुलिस अपने साथ ले गई है। पीड़ित ने थाना फतेहपुर में मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

एसपी ने ट्रैफिक कंट्रोल रूम का किया निरीक्षण

बाराबंकी, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक द्वारा ट्रैफिक कंट्रोल रूम कार्यालय का निरीक्षण किया गया। एसपी अर्पित विजयवर्गीय द्वारा पुलिस लाइन स्थित ट्रैफिक कंट्रोल रूम कार्यालय का निरीक्षण किया गया तथा जनपद के सभी प्रमुख चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरों से चौराहों के यातायात को चेक कर सम्बन्धित को दिशा-निर्देश दिए गये। इस मौके पर एएसपी उत्तरी विकास चन्द्र त्रिपाठी, सीओ नगर संगम कुमार, यातायात प्रभारी रामयतन यादव आदि रहे।

सड़क हादसे में पिता पुत्र घायल, एक रेफर

फतेहपुर, बाराबंकी : कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार शाम नंदनाखुर्द मोड़ के पास अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल बाइक सवार को जिला अस्पताल भेजा गया है। क्षेत्र के ग्राम सैनवसी निवासी सुधीर यादव 28 शाम को पिता देशराज के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। शेखपुर नन्दनाकलां मार्ग पर नंदनाखुर्द मोड़ के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आकर पिता पुत्र सड़क पर जा गिरे। सुधीर के सिर में गंभीर चोट आई। परिजन इन्हें सीएचसी ले गए, जहां सुधीर को रेफर कर दिया गया।

रास्ता भटकी बालिका परिजनों के सुपुर्द

बाराबंकी, अमृत विचार : रास्ता भटक कर आयी बच्ची के परिजनों का सी प्लान एप के माध्यम में पता लगाकर उनके सुपुर्द किया गया। पीआरवी 5492 को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम बहादुरपुर के पास 9 वर्षीय बच्ची रास्ता भटक कर आ गयी है। सूचना पर पीआरवी कर्मचारियों द्वारा बच्ची को संरक्षण में लेकर महिला थाना के सुपुर्द किया गया। पुलिस द्वारा अथक प्रयास कर उक्त बच्ची के परिजनों का पता लगाया गया तो ज्ञात हुआ कि उक्त बच्ची थाना शिवरतनगंज जनपद अमेठी की रहने वाली है। महिला थाना व पीआरवी के कर्मचारियों द्वारा एप के माध्यम से बच्ची के परिजनों से सम्पर्क कर परिजनों के सुपुर्द किया गया।

मायके गयी पत्नी लापता, गुमशुदगी दर्ज

निन्दूरा, बाराबंकी : कुर्सी थाना क्षेत्र से एक महिला संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। पति ने पुलिस में गुमशुदगी दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार ग्राम न्यामतपुर निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी पत्नी 20 मार्च को अपने मायके लखनऊ अपनी बहन के पुत्र को बीमार होने के कारण देखने के लिए गई थी। पति के अनुसार, छह दिन बाद जब वह अपनी पत्नी को वापस लाने मायके पहुंचा तो पता चला कि उसकी पत्नी वहां पहुंची ही नहीं थी। इसके बाद से ही वह लगातार अपनी पत्नी की तलाश कर रहा है, लेकिन अब तक उसका कोई सुराग नहीं मिल सका है। उसके मोबाइल पर भी संपर्क किया गया।

लंबित वादों का जल्द करें निस्तारण: डीएम

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

बैठक में दिशा-निर्देश देते जिलाधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार: जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी की अध्यक्षता में जनपद के चकबंदी कार्यों एवं लंबित वादों की अद्यतन समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट परिसर स्थित लोकसभागार में आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि विगत एक वर्ष में जनपद के छह ग्राम कुड़ीन, बछराजमऊ, बाबुआपुर, खंडसरा, ओदार और खुज्जी में धारा-52 का प्रकाशन कराया गया है। यह चकबंदी प्रक्रिया का अंतिम और महत्वपूर्ण चरण है, जिसके बाद ग्राम के अंतिम अभिलेख व खतौनी विधिवत प्रकाशित होकर नवीन अभिलेख प्रभावी हो जाते हैं। इस उपलब्धि पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों की सराहना की और निर्देश दिए कि अन्य ग्रामों में भी चकबंदी कार्यों को इसी गति से पूरा किया जाए। जिलाधिकारी ने प्रत्येक पीठासीन अधिकारीवार लंबित वादों की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि 3 से 5 वर्ष तथा 5 से 10 वर्ष तक लंबित मुकदमों की साप्ताहिक सुनवाई सुनिश्चित की जाए और उनका गुण-दोष के आधार पर शीघ्र निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में पुराने वाद अनावश्यक रूप से लंबित न रहें। उन्होंने यह भी कहा कि चकबंदी से जुड़े मामलों का समयबद्ध एवं पारदर्शी निस्तारण कास्तकारों को त्वरित न्याय प्रदान करेगा और प्रशासन के प्रति जनविश्वास को मजबूत करेगा। इसके अतिरिक्त, जिलाधिकारी ने चकबंदी प्रक्रिया से आच्छादित ग्रामों की धारावार प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के अनुसार पूर्ण कराने और नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी स्तर पर विलंब न हो।

अतिक्रमण के खिलाफ चलाएं सघन अभियान

बाराबंकी, अमृत विचार : जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में डीएम ने निर्देश दिए कि सड़कों की नियमित देखभाल, आरओडब्ल्यू क्षेत्र की सफाई एवं कटाई-छंटाई समय पर कराई जाए और अवैध कट एवं अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया जाए। बैठक में एनएचएआई पेट्रोलिंग वैन और एम्बुलेंस के प्रभावी संचालन की समीक्षा की गई। स्वास्थ्य विभाग की एम्बुलेंसों के दुर्घटना स्थल पहुंचने के समय की रिपोर्ट सत्यापन हेतु समिति गठित करने के निर्देश दिए गए। डीएम ने क्षेत्र के राष्ट्रीय/राज्य मार्गों के पास आपातकालीन चिकित्सा सुविधाओं वाले अस्पतालों की जानकारी और मैपिंग सुनिश्चित करने के लिए कहा। पूर्व में चिन्हित 29 ब्लैक स्पॉट्स पर संकेतक, चेतावनी बोर्ड, रेडियम मार्किंग एवं प्रकाश व्यवस्था को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए गए।

एसडीएम को मांगपत्र सौंपते किसान नेता। अमृत विचार

मुआवजे की मांग को लेकर डीएम को भेजा मांगपत्र

हैदरगढ़, बाराबंकी : भारतीय किसान यूनियन टिकैत तहसील इकाई हैदरगढ़ ने बे मौसम बरसात और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान की जांच कर किसानों को मुआवजा दिलाने की मांग करते हुए जिलाधिकारी को पत्र भेजा। किसानों ने कहा कि गेहूं और अन्य फसलों का लगभग 80% नुकसान हुआ है और बीमा राशि कटने के बावजूद मुआवजा नहीं मिला। उन्होंने प्रशासन से अनुरोध किया कि सेटेलाइट तकनीक का उपयोग कर फसल नुकसान की सही जानकारी प्राप्त की जाए ताकि समय पर मुआवजा दिया जा सके। यूनियन ने चेतावनी दी कि अगर उचित कार्रवाई नहीं हुई तो जोरदार प्रदर्शन किया जाएगा। इस अवसर पर अशोक सिंह, डॉ. हरी रामपाल, माता प्रसाद चौधरी, महेंद्र प्रताप सिंह, संतोष सिंह आदि मौजूद रहे।

डीएम ने स्कूली वाहन सुरक्षा पर की बैठक

बाराबंकी, अमृत विचार : कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय परिवहन यान सुरक्षा समिति के साथ विशेष बैठक की। बैठक में सड़क सुरक्षा और स्कूली वाहनों के संचालन से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने सभी विद्यालय प्रबंधकों और प्रधानाचार्यों को स्कूली वाहनों के सुरक्षा मानक, फिटनेस और शासन द्वारा विकसित स्कूल वाहन निगरानी पोर्टल पर डेटा अपलोड करने के निर्देश दिए। साथ ही परिवहन विभाग अधिकारियों को बिना फिटनेस, बिना परमिट या नियमों के विरुद्ध संचालित वाहनों के खिलाफ 1-15 अप्रैल तक विशेष जांच अभियान चलाने के कड़े निर्देश दिए। बैठक में सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन अंकिता शुक्ला, जिला विद्यालय निरीक्षक और जिला विद्यालय परिवहन यान सुरक्षा समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम का निर्देश, शत-प्रतिशत की जाए गैस सिलेंडरों की होम डिलेवरी

बाराबंकी, अमृत विचार: डीएम शशांक त्रिपाठी ने डीएसओ व ऑयल कंपनियों के विक्रय प्रबंधकों संग बैठक कर जनपद में घरेलू, कॉमर्शियल व औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए गैस की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीएम ने स्पष्ट किया कि सभी गैस एजेंसियां सौ फीसदी होम डिलीवरी सुनिश्चित करें और गोदाम या एजेंसी से सीधे वितरण न करें। गैस बुकिंग के बाद अधिकतम 4 दिनों के भीतर सिलेंडर की आपूर्ति अनिवार्य होगी। शिकायतों के समाधान के लिए जिला पूर्ति कार्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा, जहां उपभोक्ता शिकायत दर्ज करा सकेंगे। उपभोक्ता स्मार्टफोन के माध्यम से घर बैठे भी ई-केवाईसी कर सकेंगे। इसके अलावा टोरेन्ट गैस लिमिटेड के माध्यम से नगर पालिका परिषद नवाबगंज क्षेत्र में पाइपलाइन के पास रहने वाले उपभोक्ताओं को पीएनजी कनेक्शन लेने या एलपीजी से पीएनजी में बदलाव का विकल्प दिया गया है। इच्छुक उपभोक्ता सुमेरगंज स्थित कार्यालय या टोल फ्री नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। प्रवासी मजदूर, छात्र और छोटे व्यवसायी बिना आवास प्रमाण पत्र के केवल पहचान पत्र के आधार पर नजदीकी एजेंसी से पांच किग्रा फ्री-ट्रेड एलपीजी सिलेंडर भी प्राप्त कर सकेंगे।

महापंचायत की तैयारियों पर चर्चा

हैदरगढ़, बाराबंकी: भाकियू आराजनैतिक की मासिक बैठक ब्लॉक परिसर स्थित शिव मंदिर में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष आदिल खान ने की और तहसील अध्यक्ष कुंवर बहादुर सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। संचालन युवा ब्लॉक अध्यक्ष फूल चन्द्र रावत ने किया। बैठक में तहसील अध्यक्ष ने आगामी 9 अप्रैल को बाराबंकी गन्ना दफ्तर में होने वाली महापंचायत में सभी ग्राम अध्यक्षों और कार्यकर्ताओं की अधिकतम उपस्थिति सुनिश्चित करने का आह्वान किया। बैठक में तेज प्रताप यादव, शिव शंकर, गुरदेई, ओम प्रकाश, सुरेश चंद, शिवमोहन, बृजमोहन आदि रहे।

ससुराल में विवाहिता से की मारपीट, गर्म चिमटे से दागा

मसौली, बाराबंकी: दहेज उत्पीड़न के पुराने मामले में सुलह के बावजूद ससुराल आई विवाहिता के साथ न सिर्फ मारपीट की गई बल्कि उसे गर्म चिमटे से जलाया गया। यही नहीं उसे ससुराल से भगा दिया गया। मायके में रह रही विवाहिता ने ससुरालियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। थाना क्षेत्र के ग्राम बांसा की रहने वाली सीमा देवी के अनुसार, उसका विवाह करीब दो साल पहले लखनऊ के मड़ियांव थाना क्षेत्र के फैजुल्लागंज निवासी रमेश चंद्र कश्यप के साथ हुआ था। शादी के बाद से ही पति, सास, जेठ और ननद द्वारा दहेज में एसी और 10 लाख रुपये की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित किया जाता था। पहले भी महिला थाना में दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया गया, जो वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है। इस बीच सुलह-समझौते व पति के आश्वासन पर 21 जनवरी को पीड़िता ससुराल लौट गई लेकिन आरोप है कि 3 अप्रैल को उसके पति रमेश चंद्र, सास कृष्णा कुमारी, जेठ उमेश चंद्र और ननद माया देवी ने पुरानी रंजिश को लेकर उसकी बेरहमी से पिटाई की।

गेहूं चोरी के आरोप में पेड़ से बांधकर युवक को पीटा

कोठी, बाराबंकी: थाना क्षेत्र के बुधनई चौराहा पर मंगलवार सुबह एक बोरी गेहूं चोरी के आरोप में युवक को पकड़कर लोगों ने पेड़ से बांध दिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद इलाके में चर्चा का विषय बन गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को भीड़ के चंगुल से छुड़ाकर हिरासत में ले लिया। जानकारी के अनुसार हैदरगढ़-बाराबंकी मार्ग स्थित बुधनई चौराहा पर अमन पुत्र अशोक कुमार द्वारा संचालित गेहूं खरीद बाड़े में किसानों से खरीदा गया अनाज टीनशेड के नीचे रखा था। मंगलवार सुबह एक युवक पैडल रिक्शा लेकर वहां पहुंचा और एक बोरी गेहूं लादने लगा। इस दौरान स्थानीय लोगों की नजर पड़ते ही हड़कंप मच गया। आरोप है कि युवक भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन चौराहे पर मौजूद लोगों ने उसे घेरकर पकड़ लिया। गुस्साए लोगों ने उसे रस्सी से पेड़ से बांध दिया और लात-घूसों से पिटाई कर दी।

मुंबई का शातिर साइबर ठग हुआ गिरफ्तार

बाराबंकी, अमृत विचार : मुंबई से मोबाइल में एपीके फाइल भेजने के बाद रिमोटली हैक कर साइबर धोखाधड़ी करने वाला शातिर पुलिस ने दबोचा है। इसके पास से दो मोबाइल बरामद किए गए हैं। मंगलवार को साइबर क्राइम थाना, साइबर सेल द्वारा साइबर थाना पर बीएनएस व आइटी एक्ट के तहत पंजीकृत मामले से संबंधी अभियुक्त यश चन्द्रकान्त ढोकले पुत्र चिन्तामनि ढोकले को गिरफ्तार किया गया। इसके कब्जे से एक मोबाइल आईफोन 17 प्रो मैक्स व एक मोबाइल फोन वन प्लस बरामद किया गया। पूछताछ से पता चला कि अभियुक्त द्वारा पीड़ित के मोबाइल फोन में एपीके फाइल्स इंस्टाल कराकर उनके मोबाइल फोन को रिमोर्ली कन्ट्रोल करके सम्पूर्ण मोबाइल फोन हैक कर लिया जाता है, इसके बाद कांटेक्ट, गैलरी, मैसेजेज आदि स्टोर कर साइबर धोखाधडी को अंजाम दिया जाता है।

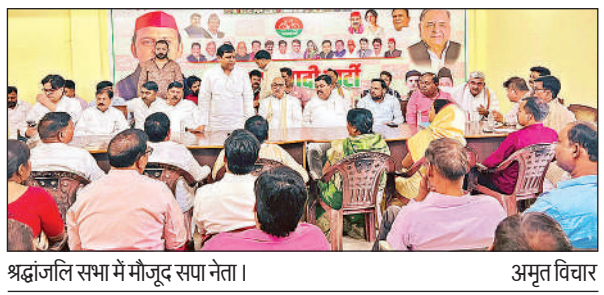

श्रद्धांजलि सभा में मौजूद सपा नेता। अमृत विचार

गोप लगवाएंगे संग्राम सिंह की आदमकद प्रतिमा

बाराबंकी, अमृत विचार : सपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व कैबिनेट मंत्री स्व .दादा संग्राम सिंह वर्मा को जिला कार्यालय पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में याद किया गया। आयोजन जिला अध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद की अध्यक्षता और जिला महासचिव हिमांशु यादव के संचालन में हुआ। राष्ट्रीय सचिव और पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद कुमार सिंह गोप ने कहा दादा संग्राम सिंह वर्मा गरीब, किसान, नौजवान और महिलाओं के सच्चे सेवक थे और उनका सपना था कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव एक बार फिर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। उन्होंने नगर पालिका परिषद में उनकी आदमकद प्रतिमा लगाने का संकल्प भी लिया। पूर्व मंत्री राकेश वर्मा, सदर विधायक धर्मराज सिंह, सुरेश यादव, पूर्व एमएलसी राजेश यादव राजू और पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुरेंद्र सिंह वर्मा ने उनके योगदान और गरीबों, छात्रों व नौजवानों की सेवा की याद करते हुए उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। सभा में फैजान किदवाई, राम गोपाल रावत, डॉ. कुलदीप सिंह, सुरेश चंद्र गौतम, आशीष सिंह आर्यन, वीरेंद्र प्रधान आदि रहे।

प्रेरणा दिवस: महिलाओं के सशक्तिकरण और आजीविका पर चर्चा

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी : ब्लॉक सभागार सिरौलीगौसपुर में मंगलवार को प्रेरणा दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वयं सहायता समूह की समूह सखी और फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर्स के साथ राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के सशक्तिकरण और उनकी आजीविका में सुधार लाना था। मिशन कर्मयोगी से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई। सहायक विकास अधिकारी आइएसबी जयराम वाल्मीकि ने समूह खातों और बैंकिंग से जुड़ी जानकारी देते हुए कुशल संचालन के सुझाव दिए। ब्लॉक मिशन प्रबंधक मोहम्मद इमरान ने महिलाओं को ऐप इंस्टॉल करने और उसके संचालन की प्रक्रिया समझाई।

बैठक में मौजूद उमेश द्विवेदी, अवनीश पटेल व अंगद सिंह। अमृत विचार

वित्तविहीन शिक्षकों के जल्द बनेंगे कैशलेस कार्ड

बाराबंकी, अमृत विचार : माध्यमिक वित्तविहीन शिक्षक महासभा की बैठक आनंद विहार कान्वेंट इंटर कॉलेज के डायरेक्टर शैलेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में हुई। मुख्य अतिथि शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी, जिला प्रभारी अवनीश पटेल तथा एमएलसी अंगद सिंह उपस्थित रहे। बैठक में उमेश द्विवेदी ने कहा वित्तविहीन शिक्षकों के हितों को ध्यान में रखते हुए जल्द ही जिला विद्यालय निरीक्षक के माध्यम से उनके कैशलेस कार्ड बनवाए जाएंगे। जिलाध्यक्ष सतीश यादव ने कहा कि जिले के सभी शिक्षक एकजुट होकर संगठन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करेंगे। इस अवसर पर बाबा गुरुकुल एकेडमी के प्रबंधक हरपाल सिंह, अवधेश वर्मा, रमेश, बीरबल, अजय सिंह, विनय वर्मा, शिव हरी, सुनील सिंह, विश्वास, अफाक अली, विकास पाण्डेय, चंद्रशेखर कांडपाल, पंकज द्विवेदी, अरुण शर्मा, रुपेश शुक्ला, चंद्रभान वर्मा, ओमकार वर्मा सहित सैकड़ों शिक्षक मौजूद रहे।

शिविर में 185 बच्चों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

स्वास्थ्य परीक्षण करते चिकित्सक।

बाराबंकी, अमृत विचार : स्वयंसेवी संस्था बेसिक उत्थान एवं ग्रामीण सेवा संस्थान द्वारा बनीकोडर ब्लॉक के ग्राम छन्दवल में संचालित चाइल्ड फ्रेंडली स्कूल में छात्रों व अभिभावकों के लिए स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। इसमें केजीएमयू हीलिंक अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. गोविंद पांडेय एवं डॉ. गौरव सिंह ने बच्चों की जांच की। स्कूल में अध्ययनरत 185 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। डॉ. गौरव सिंह ने बच्चों को संतुलित आहार और व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। शिविर में कई अभिभावकों ने भी डॉक्टरों से परामर्श प्राप्त किया। इस मौके पर विनोद कुमार, वंदना वर्मा, शारदा रावत, प्रिया मौर्य, सरिता यादव, इला देवी, अर्चना, पलक कनौजिया तथा जियालाल, सरोज व सरस्वती आदि मौजूद रहीं।

रैली निकालकर लोगों को किया जागरूक

रैली को हरी झंडी दिखाते चेयरमैन रामशरण पाठक। अमृत विचार

रामनगर, बाराबंकी : कस्बा स्थित सरकारी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने मंगलवार को स्कूल चलो अभियान के तहत जागरुकता रैली निकाली। रैली को नपं चेयरमैन राम शरण पाठक ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बच्चों ने कस्बे के विभिन्न मार्गों पर भ्रमण कर शिक्षा के महत्व से जुड़े नारे लगाए जिससे माहौल उत्साह से भर गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीईओ रमेश चंद्रा ने की। उन्होंने कहा शिक्षा बेहतर भविष्य की आधारशिला है। रैली में कन्या पूर्व मावि, पूर्व मावि, कंपोजिट विद्यालय, प्रावि किला रामनगर, प्रावि रामनगर प्रथम व द्वितीय के बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में देवेन्द्र सिंह, छविराम, लोकेश शुक्ला, नितेश त्रिपाठी, दीपिका सिंह, आशीष पाठक, राधा रानी मिश्रा, लक्ष्मी देवी सहित अन्य का सराहनीय योगदान रहा।

प्रांतीय अधिवेशन का राज्यपाल करेंगे उद्घाटन

बाराबंकी, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट्स (उपज) का एक दिवसीय प्रांतीय अधिवेशन 11 अप्रैल को मुरादाबाद-दिल्ली मार्ग स्थित उप्र पर्यटन निगम के होटल राही में आयोजित होगा। इसकी जानकारी बाराबंकी जिला संयोजक दिलीप कुमार श्रीवास्तव ने दी। उन्होंने बताया कि अधिवेशन का उद्घाटन झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार करेंगे। उद्घाटन समारोह में पूर्व मंत्री एवं पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, वरिष्ठ पत्रकार एवं पूर्व कुलपति बल्देव भाई शर्मा, विधान परिषद सदस्य डॉ जय पाल सिंह व्यस्त तथा एनयूजे के राष्ट्रीय महासचिव त्रियुग नारायण तिवारी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। जिला संयोजक दिलीप श्रीवास्तव ने बताया कि मुरादाबाद में होने वाले इस अधिवेशन में बाराबंकी सहित प्रदेश के सभी जनपदों से डेलीगेट भाग लेंगे।

एसडीएम ने दिया स्कूल बैग

बच्ची को स्कूल बैग देते एसडीम।

फतेहपुर, बाराबंकी : एसडीएम कार्तिकेय सिंह ने दो साल की बालिका तान्या सोनी द्वारा सुनाई गई कविता व राष्ट्रगान से प्रभावित होकर उसे स्कूल बैग दिया। तान्या ने अपने इस छोटें उम्र में ही रचनात्मक गतिविधियों में गहरी रुचि दिखाई। उसकी कविता और राष्ट्रगान की प्रस्तुति देखकर एसडीएम कार्यालय में उपस्थित लोग भी उसकी तारीफ करने से नहीं चूके। बालिका के पिता व्यवसायी हैं और उन्होंने अपनी बेटी की प्रतिभा पर गर्व व्यक्त किया।

लूट की चपेट में थीं पिछली सरकारें: राजभर

ओम प्रकाश राजभर का स्वागत करते नेता। अमृत विचार

सुबेहा, बाराबंकी : हुसैनाबाद मजरे रामपुर गांव में सुहेलदेव भासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर का उनके कार्यकर्ताओं द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर राजभर ने कहा उनकी सरकार ने गांवों में नाली, इंटरलॉकिंग, तालाब, रोडसाइड नाला और शौचालय निर्माण जैसे विकास कार्य कराए हैं। पूर्ववर्ती सरकारों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि पिछली सरकारें लूट और भ्रष्टाचार की चपेट में थीं जबकि उनकी सरकार ने गुंडा और कमीशनखोरों के खिलाफ ठोस कदम उठाए। राजभर ने पीएम मोदी के ग्रामीण विकास और योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने के विजन की सराहना की। कार्यक्रम में हैदरगढ़ विधायक दिनेश रावत ने राजभर का स्वागत किया और कहा कि गांवों का समुचित विकास सुनिश्चित किया जा रहा है।

अनियमितताओं को लेकर मरीजों में नाराजगी

बनीकोडर, बाराबंकी : सीएचसी रामसनेहीघाट इन दिनों अनियमितताओं को लेकर चर्चा में है। लोगों का आरोप है कि अस्पताल परिसर दलालों का अड्डा बन चुका है। मरीजों ने बताया कि अस्पताल के आसपास मौजूद निजी मेडिकल स्टोरों के लोग खुलेआम परिसर में घूमते हैं और उन्हें बाहर से दवाएं खरीदने के लिए प्रेरित करते हैं। क्षेत्रवासियों ने यह भी आरोप लगाया कि अस्पताल में तैनात बीयूएमएस डिग्रीधारी चिकित्सक द्वारा मरीजों को अंग्रेजी दवाएं लिखी जा रही हैं। क्षेत्रवासियों ने स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और अस्पताल परिसर में दलालों की गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाई जाए। इस संबंध में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अवधेश कुमार यादव ने कहा कि सीएचसी में दवाएं उपलब्ध हैं। अगर किसी मरीज को बाहर की दवाएं लिखी जा रही हैं तो संबंधित कार्रवाई की जाएगी।

वाहनों का ऑनलाइन डेटा पोर्टल पर करें अपलोड

वाहनों का निरीक्षण करते उप परिवहन आयुक्त। अमृत विचार

बाराबंकी, अमृत विचार : स्कूली बच्चों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए 1 से 15 अप्रैल तक चल रहे अभियान के तहत उप परिवहन आयुक्त अयोध्या राजकुमार सिंह व सहभागी अधिकारियों ने जिले के पायनियर स्कूल व रानी लक्ष्मीबाई इंटर कॉलेज का निरीक्षण किया। निरीक्षण में मोटर वाहन निरीक्षक बलवंत सिंह यादव, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी अंकिता शुक्ला, यात्री मालकर अधिकारी रवि चन्द्र त्यागी व सम्भागीय परिवहन अधिकारी अयोध्या विश्वजीत सिंह मौजूद रहे। उन्होंने वाहनों की फिटनेस, परमिट, बीमा, चालक लाइसेंस और सुरक्षा मानकों की जांच की। साथ ही यूपी इंटीग्रेटेड स्कूली व्हीकल मैनेजमेंट पोर्टल पर दस्तावेज और सुरक्षा सुविधाओं के अपलोड को लेकर निर्देश दिए। निरीक्षण में 2 बिना परमिट और 2 बिना फिटनेस वाले वाहन को थाने में सीज किया गया, जबकि अन्य 10 वाहनों के चालान किए गए।

कार्यक्रम ब्लॉक संसाधन केंद्र बड़ागांव में सेवानिवृत शिक्षक अलंकरण समारोह का आयोजन

समाज के लिए पथ प्रदर्शक होते हैं शिक्षक और शिक्षा मित्र

मसौली, बाराबंकी

कार्यक्रम में मौजूद सेवानिवृत शिक्षक, शिक्षामित्र व अतिथि। अमृत विचार

अमृत विचार: ब्लॉक संसाधन केंद्र बड़ागांव में आयोजित सेवानिवृत शिक्षक अलंकरण समारोह में छह शिक्षक और तीन शिक्षा मित्रों को खंड शिक्षा अधिकारी जैनेन्द्र कुमार एवं डायट प्रवक्ता महेंद्र कुमार ने अंगवस्त्र और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया और दीर्घायु की कामना की। खंड शिक्षा अधिकारी जैनेन्द्र कुमार ने कहा कि शिक्षक और शिक्षा मित्र समाज के लिए हमेशा मार्गदर्शक रहते हैं और उनका योगदान राष्ट्र निर्माण में अमूल्य है। डायट प्रवक्ता महेंद्र कुमार ने कहा कि शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होते और वे कनिष्ठ साथियों को मार्गदर्शन देते रहेंगे। शिक्षामित्र संघ के जिलाध्यक्ष विनोद कुमार वर्मा और जिला कोषाध्यक्ष संजय शर्मा ने शिक्षा मित्रों के वास्तविक मेहनताना और सेवानिवृत्ति आयु में समानता की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में कंपोजिट स्कूल हेतमपुर के प्रधानाध्यापक मो. तूफेल, कंपोजिट विद्यालय रजाईपुर के चक्रपाणी मिश्रा, यूपीएस अतरौली की राशिदा प्रवीन, प्राथमिक विद्यालय धरमपुर कटरा की शाबाना सिद्दीकी, कंपोजिट विद्यालय शाहपुर की विचित्रा वर्मा, यूपीएस बांसा की गायत्री जयसवाल, प्राथमिक विद्यालय भयारा द्वितीय के राज बहादुर वर्मा, कंपोजिट विद्यालय ज्योरी के मशाराम और प्राथमिक विद्यालय लाला का पुरवा के विनोद कुमार मिश्रा को सम्मानित किया गया। शिक्षा मित्र राज बहादुर व विनोद कुमार मिश्रा को संघ की ओर से साइकिल भी प्रदान की गई। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक राजेश कुमार यादव ने किया। एआरपी आदित्य कुमार, पूर्व बीआरसीसी बी सिंह, सेवानिवृत शिक्षक संघ के अध्यक्ष ओमप्रकाश वर्मा, आरती सिंह, गरिमा मिश्रा, सोनिका मिश्रा, अमृता श्रीवास्तव, पूनम गौस्वामी, ग्राम प्रधान बड़ागांव प्रतिनिधि नूर मोहम्मद, पूर्व प्रधान मेढिया राममूर्ति यादव, राघवेंद्र यादव समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 8 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

बच्चों को पुस्तक देते अध्यक्ष।

छात्रों को बांटी गईं नवीन सत्र की पुस्तकें

उन्नाव, अमृत विचार : विकासखंड बिछिया के उच्च प्राथमिक विद्यालय सराय कटियान (कंपोजिट 1 से 8) में विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष सरोजनी व इंचार्ज शिक्षिका विमला देवी ने छात्रा जाह्नवी कक्षा 6 व विद्यालय के सभी बच्चों को नवीन पाठ्य पुस्तक सत्र 2026-27 वितरित किया। इस दौरान अनुदीप श्रीवास्तव, मधु शुक्ला, पूर्णिमा तिवारी, रंजना बाजपेई, फूलमती, विप्रा भट्ट, ज्योति मिश्रा, अंतिम दीक्षित, आस्था शर्मा, कांति आदि रहे।

टीमों का चयन आज

उन्नाव, अमृत विचार : जिला क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंडर-14 जनपदीय क्रिकेट लीग के अंतर्गत टीमों का गठन 8 अप्रैल को दोपहर 3 बजे से राजा शंकर सहाय इंटर कॉलेज उन्नाव में होगा। सभी पंजीकृत खिलाड़ी समय पर कॉलेज पहुंचकर गठन की प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं।

आज 6 घंटे बाधित रहेगी बिजली

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : री-वैम्प योजना के तहत आज बिंदा नगर मेन रोड के पास जर्जर एबीसी केबिल बदलने का कार्य होगा। इससे 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र शुक्लागंज से निकलने वाले 11 केवी शुक्लागंज फीडर नंबर-4 से जुड़े क्षेत्र की आपूर्ति बाधित रहेगी। विभाग के अनुसार सुबह 11 से शाम 5 बजे तक 6 घंटे आपूर्ति बंद रहेगी।

आंधी में पेड़ गिरने से किसान की दबकर मौत, 3 घायल

तेज आंधी-बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, विद्युत व्यवस्था बाधित

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: मंगलवार शाम आई आंधी व बारिश से एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। तेज हवाओं से कई जगह पेड़ व बिजली के पोल गिरने से आवागमन व बिजली आपूर्ति ठप हो गई है।

सदर कोतवाली अंतर्गत पहली खेड़ा गांव निवासी सूर्य नारायण यादव (76) खेती करते थे। मंगलवार को वह गांव के बाहर अपने खेत में ट्यूबवेल पर गए थे। अचानक मौसम बिगड़ने से वह घर लौट रहे थे। तभी रास्ते में सड़क किनारे लगा पेड़ तेज आंधी से अचानक गिर गया। इससे वृद्ध किसान उसके नीचे दब गए। यह देख परिजन ग्रामीणों की मदद से उन्हें किसी तरह नीचे से निकालकर जिला अस्पताल की इमरजेंसी लाए। जहां ईएमओ डॉ. दिलीप अग्रवाल ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं जिले के सदर व सफीपुर तहसील क्षेत्र के मरौंदा सूचित गांव में विक्रम पुत्र सजीवन राजपूत के दरवाजे पर लगा एक नीम का पेड़ आंधी में अचानक गिर गया। पेड़ के नीचे बंधी एक गाय की दबकर मौत हो गई। इसी घटना में घर के बाहर मौजूद सजीवन की 18 वर्षीय दिव्यांग भांजी रेनू पेड़ की चपेट में आने से लहूलुहान हो गई। उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं, मरौंदा मझवारा गांव में राजू सिंह के घर के बाहर गिरा नीम का पेड़ एक ट्रैक्टर पर जा गिरा। जिससे ट्रैक्टर क्षतिग्रस्त हो गया। गांव में बिजली का पोल टूटने से मुख्य मार्ग बाधित है। वहीं सफीपुर क्षेत्र में भी आंधी का तांडव देखने को मिला। उन्नाव-हरदोई मार्ग पर डाक बंगले की पुलिया के पास वन विभाग का एक सूखा पेड़ सड़क पर गिर गया। इसकी चपेट में आने से एक ऑटो रिक्शा व साइकिल सवार गंभीर घायल हो गए। जानकारी पर प्रशिक्षु आईपीएस संचित शर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने पेड़ कटवाकर सड़क से हटवाया और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। प्रशासन ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने व सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है।

बीच रोड पर गिरा पड़ा पेड़ जिससे घंटों बाधित रहा यातायात। ● अमृत विचार

आंधी-बारिश से 43 बिजली पोल क्षतिग्रस्त, 4 दिन बाद भी कई गांव अंधेरे में

शुक्लागंज, उन्नाव : शनिवार को आई तेज आंधी-बारिश ने ऐरा भदियार सब स्टेशन क्षेत्र में भारी नुकसान पहुंचाया। एचटी लाइन के करीब 43 विद्युत पोल क्षतिग्रस्त होकर टूट गए। जिससे क्षेत्र की आपूर्ति ठप हो गई। 4 दिन बाद भी एक दर्जन से अधिक गांव अंधेरे में डूबे हैं। विद्युत विभाग द्वारा युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य कराया जा रहा है। अब तक 7 पोल खड़े किए जा चुके हैं। जिससे शुक्लागंज छोर के करीब 30 गावों की आपूर्ति बहाल कर दी गई है। हालांकि शंकरपुर, पिपरी, लंगड़ापुर, लालूपुर, सन्नी, सराय समेत करीब एक दर्जन गावों में अब भी बिजली नहीं पहुंची है। कुछ प्रभावित गांव सरोसी ब्लॉक व कोतवाली सदर क्षेत्र में भी आते हैं। जेई आशीष गुप्ता ने बताया कि एक साथ इतने पोल क्षतिग्रस्त होने से विभाग को भारी नुकसान हुआ है। मरम्मत में विभागीय व निजी मजदूर जुटे हुए हैं। बताया कि पूर्ण रूप से आपूर्ति बहाल होने में अभी 2 से 3 दिन और लग सकते हैं। लगातार 3 दिनों से बिजली न होने से ग्रामीणों का जनजीवन प्रभावित है। पेयजल संकट के साथ कृषि कार्य भी बाधित हो रहे हैं।

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की गई जान

उन्नाव, अमृत विचार : कानपुर-लखनऊ रेलमार्ग पर जैतीपुर रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत हो गई। कानपुर-लखनऊ रेलमार्ग स्थित जैतीपुर रेलवे स्टेशन के डाउन ट्रैक पर यार्ड सेक्शन में एक युवक ट्रेन की चपेट में आ गया। उसकी मौके पर मौत हो गई। मालगाड़ी के चालक की सूचना पर स्टेशन मास्टर राहुल ने जीआरपी व आरपीएफ को मेमो भेजा। रेल पुलिस ने जांच कर शव ट्रैक से हटवाकर रूट क्लियर कराया। युवक की पहचान अजगैन कोतवाली क्षेत्र के गौरा कठेरुआ गांव निवासी बसंत शर्मा (35) पुत्र रामराज के रूप में उसके भाई विमलेश ने की। चर्चा रही कि युवक वहीं पास में शराब पी रहा था। इसके बाद वह नशे में ट्रैक किनारे चला गया। इसी दौरान वह ट्रेन की चपेट में आ गया। एसओ जीआरपी धीरेंद्र सिंह ने बताया कि स्टेशन मास्टर से रनओवर का मैसेज मिला था। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

एडीएम व एएसपी ने जांची कोर्ट की सुरक्षा

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: एडीएम सुशील कुमार ने एएसपी उत्तरी अखिलेश सिंह के साथ मंगलवार को जिला न्यायालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों ने न्यायालय परिसर के मुख्य प्रवेश द्वार, पार्किंग स्थल, अधिवक्ता कक्ष, न्यायालय भवन का निरीक्षण कर वहां तैनात पुलिस बल की मौजूदगी, सुरक्षा उपकरणों व चेकिंग व्यवस्था की स्थिति को भी परखा। अधिकारियों ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों को सतर्कता से अपने दायित्व निर्वहन करने के निर्देश दिए।

एएसपी ने कहा कि परिसर में हर व्यक्ति को सुरक्षा जांच के बाद ही प्रवेश दिया जाए। संदिग्ध व्यक्तियों या गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जाए। साथ ही परिसर में अनावश्यक भीड़ न लगे इसके लिए पुलिस कर्मियों को नियमित निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए गए। सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, बैरिकेडिंग व्यवस्था व वाहन प्रवेश नियंत्रण की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बार अध्यक्ष गिरीश मिश्रा व पदाधिकारियों से भी अधिकारियों से सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में वार्ता की।

न्यायालय की सुरक्षा व्यवस्था जांचते अधिकारी। ● अमृत विचार

● जांच के बाद ही लोगों को कोर्ट परिसर में जाने देने का निर्देश

लूट करने के बाद हरियाणा भाग जाता था इरफान

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: एसओजी व सर्विलांस की मदद से पुरवा पुलिस ने बीती रात मुठभेड़ में एक इनामी लुटेरे व उसके साथी को पकड़ा था। पूछताछ में सामने आया कि वह लूट को अंजाम देकर हरियाणा के गुरुग्राम जाकर दिखावे के लिए मजदूरी करने लगता था। संयुक्त टीम ने उससे पूछताछ के बाद लूट का माल ठिकाने लगाने वाले 5 सहयोगियों को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा है। जिसमें कबाड़ी व एक ज्वैलर्स भी शामिल है।

एसएसपी जयप्रकाश सिंह ने फरवरी माह में महिला से हुई लूट के खुलासे के लिए पुरवा पुलिस, एसओजी व सर्विलांस की टीम लगाई थी। बीती देररात चेकिंग के दौरान पुरवा-अचलगंज मार्ग स्थित शारदा नहर पुलिस के पास चेकिंग के दौरान भागते समय पुलिस से हुई मुठभेड़ में कोतवाली सिंह निवासी वाहेपुर थाना जसराना जिला फिरोजाबाद को पकड़ लिया। पूछताछ में सामने आया कि इरफान शातिर लुटेरा है। उसका अपना कोई स्थाई घर नहीं है। वह साथी अब्दुल मजीद के घर रुकता था। वह लूट को अंजाम देकर हरियाणा के गुरुग्राम चला जाता था। महिला से लूट के पूर्व उसने एक बाइक चोरी की फिर उसे ठिकाने लगाने के लिये परिचित कबाड़ का काम करने वाले जमीलुद्दीन, शादाब निवासी आजाद नगर सुपासी व विपिन जायसवाल निवासी मोहल्ला श्यामनगर बाईपास थाना बिधनू कानपुर नगर को दे दी। जिन्होंने लूट में प्रयुक्त बाइक काटकर उसके पुर्जे अलग-अलग कर बेच दिया। महिला से लूटी गई हाफ पेटी गलाने के उद्देश्य से अब्दुल मजीद को दे दी। जिसे उसने ज्वैलर्स फाजिल उर्फ लकी निवासी मोतीनगर मदिना मस्जिद थाना जाजमऊ कानपुर नगर को दे दी। एसएसपी ने बताया कि सभी को जेल भेजा जा रहा है।

लुटेरों के बारे में जानकारी देते एसएसपी। ● अमृत विचार

● कबाड़ी और ज्वैलर्स सहित पांच साथी भी चढ़े पुलिस के हत्थे

पालिका की बैठक में 114 करोड़ से अधिक के प्रस्ताव पारित

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : नगर पालिका गंगाघाट के आगामी विकास कार्यों को लेकर मंगलवार को राजमार्ग स्थित एक गेस्ट हाउस में बजट बोर्ड बैठक हुई। इसमें सदर विधायक पंकज गुप्ता, पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडेय व ईओ मुकेश मिश्रा की मौजूदगी में विभिन्न विकास योजनाओं पर चर्चा हुई। इस दौरान सफाई व्यवस्था, जलापूर्ति, सड़कों के निर्माण, प्रकाश व्यवस्था व जलनिकासी जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान 28 वार्ड सदस्यों की सहमति से 1 अरब 14 करोड़ 48 लाख 88 हजार 516 रुपये 34 पैसे का बजट पारित किया गया। पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडेय ने करीब 114 करोड़ रुपये का विकास परक बजट प्रस्तुत करते हुए बताया कि वर्ष-2017 में नगर पालिका में शामिल किए गए क्षेत्रों में सड़क निर्माण को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अलावा विद्युत पोल, स्ट्रीट लाइट, जलनिकासी व पेयजल आपूर्ति को सभी वार्डों में बेहतर बनाने की योजना है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत कूड़ा पृथक्करण व डोर-टू-डोर कलेक्शन को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त वाहनों की खरीद भी प्रस्तावित है। साथ ही नगर के विभिन्न वार्डों में भूमि उपलब्ध होने पर अटल लाइब्रेरी की तर्ज पर पुस्तकालय व सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए एक पार्क विकसित करने की योजना बनाई गई है। पालिकाध्यक्ष ने कहा कि यह बजट नगर के समग्र विकास को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। जिससे शुक्लागंज को स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक बनाया जा सके।

सांसद के बयान पर कांग्रेस का प्रदर्शन

शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार: नगर कांग्रेस कमेटी गंगाघाट के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को मिश्रा कॉलोनी स्थित गांधी चौक पर जिले के सांसद साक्षी महाराज के विरुद्ध जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ता मयंक बाजपेयी के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए सांसद के इस्तीफे की मांग की।

उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल एक कथित वीडियो में सांसद द्वारा ब्राह्मण समाज के विरुद्ध आपत्तिजनक टिप्पणी की गई है। जो निंदनीय है। आरोप लगाया कि सांसद लगातार ब्राह्मणों का अपमान करते हैं और भाजपा सरकार में इस समाज को दोयम दर्जे का समझा जा रहा है। कहा कि कांग्रेस सरकारों में ब्राह्मणों को हमेशा सम्मान मिला। जबकि यह सरकार उन्हें सिर्फ वोट बैंक के रूप में देखती है। आरोप लगाया कि सांसद समाज में जातिगत दुर्भावना फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। जिसे कांग्रेस सफल नहीं होने देगी। इस दौरान ब्राह्मणों के सम्मान में कांग्रेस मैदान में और साक्षी महाराज इस्तीफा दो जैसे नारे लगाए गए। प्रदर्शन में दूधनाथ वर्मा, रामकिशोर पाल, अकबाल अवस्थी, निर्मल बाजपेई, संजय सिंह, पिंटू तिवारी, संजय बाजपेई, बाबूलाल गुप्ता, महेश मिश्रा, मो. हनीफ, विचित्र वीर सिंह, गंगाविशनु आदि मौजूद रहे।

सांसद के विरुद्ध प्रदर्शन करते कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

फर्जी दस्तावेजों से जमानत कराने वाले दो दबोचे गए

उन्नाव, अमृत विचार : सदर कोतवाली पुलिस ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमानत कराने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को पकड़कर जेल भेजा है। अचलगंज थानाक्षेत्र के रिठनई गांव निवासी संजय कुमार की तहरीर पर 30 मार्च-2026 को पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की थी। एसएसपी ने बताया कि जांच में सामने आया कि जेल में बंद गुफरान की जमानत की सोहेल अहमद ने जिम्मेदारी ली थी। इसके लिए गुफरान के पिता से उसने 22 हजार रुपये लिए थे। इसके बाद साथियों की मदद से संजय का फर्जी आधारकार्ड, निवास प्रमाणपत्र व अन्य दस्तावेज तैयार कर सिटी मजिस्ट्रेट की कोर्ट में प्रस्तुत कर जमानत करा दी थी। बीती रात कोतवाली प्रभारी ने फोर्स के साथ दबिश देकर कांशीराम मोड़ से गुफरान व सोहेल को गिरफ्तार किया। सोहेल के पास 8 फर्जी मुहर, 11 आधारकार्ड बरामद हुए है।

सीयू यूपी में पहला सीयू फेस्ट संपन्न, ध्वनि भानुशाली की प्रस्तुति ने बांधा समां

उन्नाव, अमृत विचार : नवाबगंज स्थित चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी उत्तर प्रदेश में पहला 'सीयू फेस्ट 2026' धूमधाम व उत्साह के साथ आयोजित हुआ। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों, विभिन्न प्रतियोगिताओं व म्यूजिकल नाइट ने आयोजन को यादगार बना दिया। म्यूजिकल नाइट में लोकप्रिय सिंगर ध्वनि भानुशाली की लाइव प्रस्तुति मुख्य आकर्षण रही। उनके सुपरहिट गीतों पर छात्र-छात्राएं झूम उठे और पूरा परिसर तालियों से गूंज उठा। डिबेट प्रतियोगिता में प्रज्ञा शुक्ला व शोना मरियम ने प्रथम स्थान पाया। जबकि अंकुल व जानवी द्वितीय और जया सिंह व पार्थ सनाठी तृतीय स्थान पर रहे। स्किट प्रतियोगिता में दिव्यांश एंड टीम प्रथम व यामिनी एंड टीम द्वितीय रही। मिमिक्री में प्रभलीन कौर व क्ले मॉडलिंग में रवि प्रताप ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस दौरान अंशदीप कौर को 'मिस सीयू फेस्ट' व निखिल शर्मा को 'मिस्टर सीयू यूपी फेस्ट' का खिताब मिला। प्रो. वाइस चांसलर प्रो. डॉ. टीपी सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ कला, संस्कृति व खेलों को भी समान महत्व देता है। ऐसे आयोजन छात्रों के समग्र विकास व प्रतिभा निखारने का बेहतर मंच देते हैं।

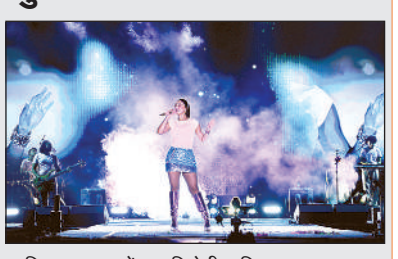

म्यूजिकल नाइट में प्रस्तुति देती गायिका।

विवेकानंद की छात्रा अदिति बनी एक दिन की डीएम

उन्नाव, अमृत विचार : मिशन शक्ति-5 अभियान के दृष्टिगत डीएम गौरांग राठी की उपस्थिति में विवेकानंद इंटर कॉलेज मोती नगर की 11वीं की छात्रा अदिति को एक दिन का डीएम बनाया गया। जिलाधिकारी के रूप में कार्य करते हुए अदिति ने फरियादियों की शिकायतें सुनीं और संबंधित अधिकारी को फोन पर समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने सोनेलाल पुत्र केशव निवासी बरौली थाना आसीवन तहसील बीघापुर के पैमाइश संबंधी प्रार्थनापत्र, रामविलास पुत्र स्व. साहबलाल निवासी पटवरगंज मजरा फतेहपुर चौरासी के रास्ता बंद होने से रास्ता को खुलवाने संबंधी व शहजादी उर्फ शायरा बानो मिर्जापुर कला मियागंज तहसील हसनगंज के पेंशन संबंधी प्रार्थनापत्र को पढ़कर संबंधित अधिकारी को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिये। डीएम गौरांग राठी ने अदिति को जिलाधिकारी के अधिकार कर्तव्य व दायित्वों के बारे में बताया। उन्होंने अदिति को प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकों, स्टेशनरी किट व मिठाई देकर उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान कई अधिकारी भी रहे।

धवन रोड पर चला प्रशासन का बुलडोजर

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: शहर के मुख्य बाजार धवन रोड पर मंगलवार को प्रशासन ने दुकानदारों द्वारा अवैध रूप से किये गए अतिक्रमण के विरुद्ध कड़ा रुख अपनाते हुए बुलडोजर अभियान चलाया। इसमें सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राज के नेतृत्व में चले अभियान से दुकानदारों में हड़कंप मच गया।

सबसे पहले भारी फोर्स की मौजूदगी में सड़क पर किए गए अस्थाई निर्माण हटाकर रास्ता साफ कराया गया। धवन रोड पर दुकानदारों द्वारा सड़क तक फैलाए गए अस्थाई अतिक्रमण से यह मार्ग बेहद संकरा हो गया था। आलम यह था कि आपातकालीन स्थिति में एंबुलेंस या दमकल का यहां से निकलना पूरी तरह नामुमकिन था। स्थानीय निवासियों व राहगीरों को आएदिन घंटों जाम से जूझना पड़ रहा था। इसकी शिकायतें लगातार उच्चाधिकारियों को मिल रही थीं। शिकायतों का संज्ञान लेते हुए मंगलवार को सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राज, ईओ नगर पालिका संजय गौतम व कोतवाली प्रभारी ने फोर्स के साथ संयुक्त रूप से अभियान चलाया। टीम ने मौके पर पहुंचकर सड़क पर रखे सामान, अवैध चबूतरे व अस्थाई छज्जों को हटवाया। प्रशासन की यह कार्रवाई देख कई दुकानदारों ने खुद ही अपना सामान समेटना शुरू कर दिया। नगर पालिका और पुलिस ने दुकानदारों को हिदायत दी कि सड़क की पटरियों पर दोबारा दुकान न सजाएं।

अतिक्रमण हटाता बुलडोजर। ● अमृत विचार

● अभियान के तहत अतिक्रमण किये गए ध्वस्त

एसडीएम ने नामित सभासदों को दिलाई शपथ

शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार: नगर पालिका गंगाघाट में मंगलवार को 5 नामित सभासदों का शपथ ग्रहण समारोह राजमार्ग स्थित एक गेस्टहाउस में हुआ। इसमें सदर विधायक पंकज गुप्ता, पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे, ईओ मुकेश मिश्रा सहित कई जन प्रतिनिधि व सभासद मौजूद रहे।

समारोह में एसडीएम सदर क्षितिज द्विवेदी ने नामित सभासद विजयराज सिंह, धीरज सिंह, सुरेंद्र गुप्ता, गीता कोरी व सुंदरलाल तिवारी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ लेने के बाद सभासदों ने ईमानदारी व निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का संकल्प लिया। विधायक पंकज गुप्ता ने नव-नियुक्त सभासदों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे जनता की समस्याओं को प्राथमिकता से हल करें और क्षेत्र के विकास कार्यों को गति दें। पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे ने भी सभासदों से अपेक्षा की कि वे टीम भावना के साथ कार्य करते हुए नगर के विकास में योगदान देंगे। नव नियुक्त सभासदों ने भरोसा दिलाया कि वे क्षेत्र की समस्याओं के समाधान व जनकल्याण के लिए प्रयासरत रहेंगे। समारोह में पालिका के सभासद व कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

नामित सभासदों को शपथ दिलाते एसडीएम सदर। ● अमृत विचार

● सदर विधायक, पालिकाध्यक्ष, ईओ व कई जनप्रतिनिधि रहे मौजूद

शिविर में युवाओं ने उत्साह से किया महादान

उन्नाव, अमृत विचार : श्री सेवार्थ फाउंडेशन की प्रथम वर्षगांठ व विश्व स्वास्थ्य दिवस पर जिला अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। इसमें युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं व आम नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और रक्तदान कर मानवता की सेवा का संदेश दिया। संरक्षक रामप्रकाश चौरसिया ने बताया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त दिलाना व समाज में जागरूकता फैलाना है। अध्यक्ष प्रथम श्रीवास्तव ने रक्तदान को 'महादान' बताया। कोषाध्यक्ष निर्भय निगम ने लोगों से अपील की कि वे नियमित अंतराल पर रक्तदान करते रहें। रक्तदाताओं को संस्था द्वारा प्रमाणपत्र व स्मृतिचिह्न देकर सम्मानित किया गया। लाइफ सेवर्स के संस्थापक अनुराग सिंह राठौर के समन्वय में आयोजित शिविर में सदर विधायक पंकज गुप्ता, नगर पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि प्रवीण मिश्रा 'भानु', व भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, निम्मी अरोरा, डॉ. मनीष सिंह सेंगर, जीएस भदौरिया, अमित मिश्रा, मोनिका सिन्हा, अखिलेश अवस्थी, केके श्रीवास्तव, वीरेश बहादुर, दिव्यांशी अवस्थी, ममता सिंह, निर्मेष पटेल आदि मौजूद रहे।

महादानी का हौसला बढ़ाते सदर विधायक व अन्य।

डीआईओएस बने स्काउट गाइड मुख्य आयुक्त

उन्नाव, अमृत विचार : भारत स्काउट गाइड के प्रादेशिक मुख्य आयुक्त प्रभात कुमार द्वारा डीआईओएस सुनील दत्त को जिले का स्काउट गाइड मुख्य आयुक्त नियुक्त किया गया। है। उनका अधिकार पत्र लखनऊ मंडल से जिला संगठन आयुक्त पूनम संधू ने उन्हें प्रदान किया। जिला मुख्य आयुक्त/डीआईओएस ने छात्रों को स्काउट गाइड की सभी सुविधाएं व प्रशिक्षण को महत्वपूर्ण बता जिले के सभी विद्यालयों तक स्काउट गाइड शाखा स्थापित करने के लिए कहा। कहा कि इसके लिए जल्द ही प्रधानाचार्यों के साथ एक मीटिंग की जाएगी। इस दौरान जीआईसी प्रधानाचार्य परमात्मा शरण, जिला आयुक्त स्काउट व प्रधानाचार्य अजब सिंह, जिला कोषाध्यक्ष प्रधानाचार्या पूजा कनौजिया, जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड नीता सिंह व जिला स्काउट गाइड सचिव रवि कुमार पांडे मौजूद रहे।

योजना

एचबीम स्लीपर डालने के काम में आई तेजी, परियोजना को समय पर पूरा करने का प्रयास जारी

छठे दिन लगे 55 स्लीपर, मजदूरों ने उठाए भोजन व सुविधाओं पर सवाल

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार: रेलवे पुल की डाउन लाइन पर चल रहे मरम्मत कार्य को गति देने के लिए मंगलवार को छठे दिन सुबह 9:50 से शाम 5:50 बजे तक मेगाब्लॉक लेकर कार्य हुआ। इस दौरान वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में एचबीम स्लीपर डालने का काम तेजी से हुआ। जिससे परियोजना को समय पर पूरा करने का प्रयास जारी है।

सीनियर डीईएन प्रवींद्र कुमार, एडीएन प्रथम उन्नाव राकेश प्रसाद व एडीएन द्वितीय आदि अधिकारियों की मौजूदगी में कार्य हुआ। अधिकारियों के अनुसार सोमवार को 55 एचबीम स्लीपर लगाए गए और करीब 26 मीटर तक ट्रैक पर काम पूरा किया गया। वहीं दूसरी ओर कार्य में लगे मजदूरों ने भोजन व बुनियादी सुविधाओं को लेकर नाराजगी जताई है। मजदूर संत लाल, प्रमोद सिंह, राजेंद्र कुमार व मीना मनोहारी आदि ने बताया कि उन्हें पौष्टिक भोजन नहीं मिल रहा है। सुबह नाश्ता व चाय तक नहीं दी जाती है। जबकि दी जाने वाली सब्जी में स्वाद व गुणवत्ता का अभाव रहता है। आरोप लगाया कि भोजन में मसाले की कमी व पानी अधिक होता है। जिससे खाना बेस्वाद रहता है। उनका कहना है कि कुछ लोग घर से खाना लाने को मजबूर हैं। इसके अलावा रहने की उचित व्यवस्था भी नहीं है और मच्छरों के कारण सोना मुश्किल है। आरोप लगाया कि अधिकारियों का इस ओर ध्यान नहीं है। जबकि उनके लिए अलग से बेहतर भोजन की व्यवस्था की जाती है।

मरहला चौराहे के पास पाइप लाइन डालने के लिये होता खोदाई का कार्य।

● अभियान के तहत अतिक्रमण किये गए ध्वस्त

रेलवे एनओसी मिलने के बाद अंडरपास पाइप लाइन का कार्य शुरू, 300 गावों को मिलेगा पेयजल

शुक्लागंज, उन्नाव : ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल दिलाने के उद्देश्य से जल निगम द्वारा अमृत पेयजल जल जीवन मिशन के तहत हो रहे कार्यों को अब गति मिल गई है। सरैयां रेलवे क्रॉसिंग पर अंडरपास से पाइप लाइन डालने के लिए रेलवे से एनओसी मिलने के बाद मंगलवार को मरहला चौराहे के पास काम शुरू किया गया। जल निगम की एजेंसी मेघा कंपनी द्वारा योजना का कार्य कराया जा रहा है। कंपनी के सुपर वाइजर सुहेल ने बताया कि रेलवे क्रॉसिंग के नीचे से पाइप लाइन निकालने के लिए अब अनुमति मिल चुकी है। इसके तहत करीब 6 फीट ऊंचाई वाले सीमेंटेड पाइप डाले जाएंगे। इसके लिए पहले खुदाई कर यह जांच की जा रही है कि शहरी क्षेत्र की मौजूदा पाइप लाइन कितनी गहराई पर है। ताकि नई ग्रामीण पाइप लाइन को उसके ऊपर सुरक्षित डाला जा सके। बताया कि इस योजना के अंतर्गत आजाद मार्ग से होते हुए बदरका चौराहा, अचलगंज की ओर मुख्य पाइप लाइन पहले ही बिछाई जा चुकी है। इस पाइप लाइन के जरिए 300 से अधिक गावों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। लोगों का कहना है कि इस योजना के पूर्ण होने से ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की समस्या काफी हद तक दूर हो जाएगी और लोगों को स्वच्छ जल उपलब्ध हो सकेगा।

न्यूज ब्रीफ

विवाहिता प्रेमी के साथ फरार, रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र निवासी विवाहिता अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई। पीड़ित पति की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर विवाहिता की तलाश शुरू कर दी है। पीड़ित पति के अनुसार 5 अप्रैल की रात उसकी पत्नी को कोतवाली शाहाबाद के ग्राम मुरीदापुर निवासी राजवीर पुत्र गंगाधर फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया। उसकी पत्नी घर में रखा ज़ेवर और 15 हजार रूपए अपने साथ ले गई। उसने काफ़ी तलाश किया लेकिन कोई पता नहीं चल सका। पुलिस ने पीड़ित पति की तहरीर के आधार पर आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर विवाहिता की तलाश शुरू कर दी है।

महिला से दुष्कर्म में सात साल का कारावास

हरदोई, अमृत विचार। घर में घुसकर दुष्कर्म करने से संबंधित मुकदमे में दोषसिद्ध पाए जाने पर अपर सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक कोर्ट भूपेंद्र प्रताप ने आरोपित मनोज को सात वर्ष की कड़ी कैद की सजा सुनाई है। न्यायाधीश ने 35 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अभियोजन पक्ष के तथ्यों के अनुसार वादिनी मुकदमा ने 20 नवम्बर 2020 को थाना पाली पर रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसमें कहा गया कि 19 नवम्बर की रात को उसका पति गन्ना लेकर रूपापुर मिल गया था। तभी रात 11.30 बजे अभियुक्त मनोज निवासी ग्राम गजियापुर थाना पाली उसके घर में घुस आया और धमका कर वादिनी के साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने जब शोर मचाने का प्रयास किया तो आरोपी ने मुंह पर कपड़ा बांध दिया। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता सत्यम तिवारी द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों एवं तर्कों को सुनने के बाद न्यायाधीश ने अभियुक्त मनोज को दोषी पाते हुए सजा सुनाई। जुर्माने की धनराशि का 75 प्रतिशत पीड़िता को दिए जाने का भी आदेश दिया।

बाग में फंदे से लटका मिला युवक का शव

परिजनों को सूचना दिए बिना दिल्ली से आया था गांव, प्रेम प्रसंग में हत्या की आशंका

संवाददाता, पिहानी, हरदोई

अतुल की फाइल फोटो।

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के ग्राम पंडरवा किला में मंगलवार सुबह युवक का शव गांव के बाहर आम के बाग में फंदे से लटका मिला। घटना की खबर फैलते ही मौके पर भारी भीड़ जुट गई। मृतक की पहचान अतुल (28) पुत्र महेंद्र के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि अतुल का गांव की ही एक युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवक दिल्ली में रहकर मजदूरी करता था। युवती की शादी हो जाने की खबर मिलने के बाद वह 6 अप्रैल को दिल्ली से गांव लौटा था। परिजनों का कहना है कि अतुल गांव तो आया था लेकिन घर नहीं पहुंचा और न ही किसी ने उसे देखा। मंगलवार सुबह तड़के जब ग्रामीण शौच के लिए सड़क की ओर गए तो उन्होंने आम के बाग में पेड़ से लटकता शव देखा। यह दृश्य देखते ही अफरा-तफरी मच गई और देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही परिजन भी मौके पर पहुंचे और कोहराम मच गया। परिजनों ने इस मामले में वाल्मीकि समाज के कुछ लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि प्रेम प्रसंग को लेकर विवाद की स्थिति थी, ऐसे में अतुल की मौत संदिग्ध है और इसकी निष्पक्ष व गहन जांच होनी चाहिए।घटना की सूचना मिलते ही थाना पिहानी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

अतुल अविवाहित था। उसके पिता महेंद्र के पांच बेटे और एक बेटी हैं। चार भाइयों और बहन की शादी हो चुकी है। बड़ा भाई संजय बाहर काम करता है, जबकि राकेश, पंकज और अमित मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। अतुल भी मजदूरी कर परिवार का सहारा था। इस घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

खेत के किनारे पड़ा मिला युवक का शव, भाई दो अंजान लोगों पर हत्या का जताया संदेह

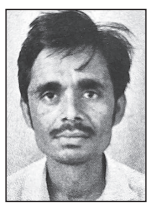

हरदोई, अमृत विचार। युवक का शव पड़ोसी गांव में खेत के किनारे पड़ा मिला। इसका पता होते ही वहां भीड़ लग गई। पुलिस ने शव कब्ज़े में लेते हुए छानबीन शुरु कर दी है। उसी बीच भाई का आरोप है कि पहले फोन आया। उसके बाद दो अंजान व्यक्ति बुलाकर ले गए और हत्या के बाद शव फेंक कर भाग निकले। हालांकि इसके पीछे अभी तक कोई रंजिश सामने नहीं आई है। कोतवाली शहर के सिब्बापुरवा में मंगलवार की दोपहर खेत के किनारे 35 वर्षीय युवक का शव पड़ा हुआ देखा गया,जिसकी पहचान अरुण निवासी किसानन पुरवा मजरा सधई बेहटा के रूप में की गई है। अरुण खेती-बाड़ी के आलावा कार की ड्राइवरी भी करता था। छोटे भाई विवेक ने बताया कि सोमवार को अरुण घर में था, उसी बीच एक फोन आया,उसके बाद दो अजनबी लोग घर पहुंचे और साथ बुला ले गए। विवेक का आरोप है कि उन्ही दोनों ने अरुण की हत्या की और शव फेंक कर भाग निकले। हालांकि उसने किसी से कोई रंजिश होने की बात नहीं कही है। पुलिस छानबीन कर रही है। अरुण के परिवार में पत्नी रीना,एक बेटा व तीन बेटियां है।

एसडीएम कार्यालय में एक दिन की एसडीएम बनकर बैठी वर्षा।

कस्तूरबा की छात्रा वर्षा बनी एक दिन की एसडीएम, जनता की फरियाद सुनी

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की कक्षा 8 की छात्रा वर्षा देवी मंगलवार को एसडीएम कार्यालय में एक दिन की एसडीएम बनकर उनकी कुर्सी पर बैठी और जनता की फरियाद सुनी। सरकार की मंशा के अनुरूप मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत नारी सशक्तिकरण को लेकर विभिन्न कार्यों में एक दिन का कार्यभार देकर छात्रा को जनता से सीधे संवाद कराया जा रहा है और उनकी समस्याएं समझने का मौका दिया जा रहा है। इस अवसर पर छात्रा वर्षा देवी ने जनता की समस्याएं सुनी और उनके निराकरण का निर्देश भी दिया। एसडीएम अंकित तिवारी ने बताया वर्षा देवी ने मंगलवार को दोपहर 10:00 से दोपहर 1:00 तक जनता की समस्याओं को सुना, समझा और उनके निराकरण का निर्देश भी दिया। वर्षा देवी ने बताया उसके लिए एसडीएम की कुर्सी पर बैठना एक अविस्मरणीय पल था। उसे काफी अच्छा लगा और जनता से रूबरू होने का मौका भी मिला।

बच्चों को वितरित किए गए उपहार

बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करती चिकित्सक। अमृत विचार

हरदोई, अमृत विचार। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर इनर व्हील क्लब ऑफ हरदोई डीओडी द्वारा अपने गोद लिए हुए प्राथमिक विद्यालय खेड़ा में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। इसमें बच्चों का वजन, लंबाई, ओरल एवं सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण करने के साथ ही उन्हें स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए साफ-सफाई के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी गई। क्लब के द्वारा विद्यालय को डस्टबिन हैंड वॉश आदि सामग्री प्रदान की गई। कार्यक्रम में डॉ. सोहिनी दीक्षित एवं उनकी सहयोगी शिवानी और गुलफरान ने बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। क्लब प्रेसिडेंट पारुल तिवारी ने बताया कि स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छता सबसे महत्वपूर्ण आधार है और बच्चों को प्रारंभ से ही व्यक्तिगत स्वच्छता अपनानी चाहिए, क्योंकि स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन का निर्माण होता है। इस अवसर पर एडिटर नीलम सिंह, रागिनी तिवारी, सोहिनी, अनीता मिश्रा, बीनू मिश्रा, श्रद्धा, प्रतिभा एवं रचना सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को गिफ्ट हैम्पर भी वितरित किए गए।

लापरवाही बरतने में एसआई निलंबित

हरदोई। यक्ष ऐप पर अपराधियों के सत्यापन की कार्यवाही में रुचि न लेते हुए अपने दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतने वाले एसआई अनुराग सिंह को निलंबित करते हुए जांच के आदेश दिए गए है। एसपी अशोक कुमार मीणा ने कोतवाली देहात में तैनात एसआई अनुराग सिंह (पीएनओ 234114838) को यक्ष ऐप पर अपराधियों के सत्यापन की कार्यवाही में रुचि न लेकर अपने दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतने के आरोप निलंबित कर दिया है। एसपी ने अपने मातहतों को निर्देशित किया है कि अपने कर्तव्यों/दायित्वों के प्रति बिल्कुल भी उदासीनता और शिथिलता न बरते,अगर ऐसा होता है तो कड़ी दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी।

नदी से शव खोजने वाले सम्मानित

संवाददाता, शाहाबाद, हरदोई,

सम्मानित किए गए युवक अपर पुलिस अधीक्षक के साथ।

अमृत विचार। थाना क्षेत्र में नदी में डूबे युवक के शव को खोजने वाले युवकों को पुलिस द्वारा सम्मानित किया गया। चार मार्च को ग्राम उधरनपुर निवासी एक युवक नहाने के लिए गर्रा नदी स्थित बेहटा कोला घाट गया था, जहां गहरे पानी में डूब गया। घटना के बाद उसकी तलाश लगातार जारी रही। अगले दिन पांच मार्च को जनपद शाहजहांपुर के थाना सेहरामऊ दक्षिणी क्षेत्र के ग्राम भरिगवां निवासी युवकों दिनेश पुत्र बाबूराम, रजत कश्यप पुत्र राजपाल, परशुराम पुत्र बाबूराम, अनुज कश्यप पुत्र सीताराम, भन्नु पुत्र मुन्नालाल और अंकज पुत्र रामजीत ने साहस और तत्परता दिखाते हुए नदी में उतरकर कड़ी मशक्कत के बाद शव को खोज निकाला।इन युवकों के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक आलोक राज नारायण द्वारा सम्मानित किया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने सभी युवकों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके साहस और सामाजिक जिम्मेदारी की सराहना की तथा धन्यवाद ज्ञापित किया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि ऐसे कार्य समाज में प्रेरणा देते हैं और जरूरत के समय मानवता की मिसाल पेश करते हैं।

किशोर का शव कब्र से निकालकर कराया पोस्टमार्टम

- 27 मार्च को हादसे में हुई थी मौत, सरकारी मदद के लिए परिजनों ने जिलाधिकारी से लगाई थी गुहार

संवाददाता, हरदोई

कब्र से किशोर का शव निकलवाती पुलिस व मृतक की फाइल फोटो(इनसेट में)।

अमृत विचार। सड़क हादसे में एक किशोर की मौत के बाद बगैर पोस्टमार्टम के उसका शव दफन कर दिया गया था,लेकिन बाद में उसके घर वालों ने सरकारी मदद की दरकार के साथ डीएम को अर्ज़ी दी,जिस पर हुए आदेश के तहत मंगलवार को कब्र खोद कर उसमें दफन किशोर का शव बाहर निकाल कर उसका पोस्टमार्टम कराया गया है,पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बतातें चलें कि पिहानी कोतवाली के सहादत नगर के 16 वर्षीय उज्जवल पुत्र अजीत सिंह 27 मार्च को बाइक से जा रहा था,उसी बीच बद्दापुर और पतौन मिश्र की पुलिया पर ट्रैक्टर की टक्कर से बुरी तरह से ज़ख्मी हो गया था,इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। घर वालों ने बगैर पोस्टमार्टम कराए उसका शव दफन कर दिया था। बाद में उन्हें पता चला कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बिना कोई सरकारी मदद होना मुमकिन नहीं है,उसके बाद डीएम को अर्ज़ी देते हुए शव का पोस्टमार्टम कराने की मांग की थी,उसी के तहत डीएम के आदेश पर मंगलवार को नायब तहसीलदार अजीज़ अहमद,एसएचओ पिहानी छोटेलाल, राजेंद्र सहित हल्का नंबर 3 के पुलिसकर्मी व राजस्व टीम की मौजूदगी में वीडियोग्राफी के बीच कब्र खोद कर उसमें दफन किए गए शव को बाहर निकाल कर उसका पोस्टमार्टम कराया गया,पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

> घर वालों की मांग के चलते डीएम के आदेश पर पूरी कानूनी प्रक्रिया को अपनाते हुए कब्र खोद कर उसमें दफन शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी भी कराई गई है'
>
> -अजीज अहमद, नायब तहसीलदार

पेड़ पर फंदे से लटका मिला अधेड़ का शव

उन्नाव, अमृत विचार। बीघापुर कोतवाली अंतर्गत इंदेमऊ गांव में एक अधेड़ का शव फंदे से लटका मिला। पुलिस ने जांच कर शव को मोर्चरी भेजा है। बारासगवर थानाक्षेत्र के बरदहा गांव के मजरा नरापत खेड़ा निवासी बच्चूलाल यादव (50) खेती करता था। वह इन दिनों पारिवारिक कलह से परेशान था। मंगलवार सुबह वह घर से बिना बताए निकला था। बाद में घर से 1 किमी आगे बीघापुर कोतवाली क्षेत्र के इंदेमऊ में गांव किनारे खेत में लगे गूलर के पेड़ में रस्सी के फंदे से लटक गया।

ब्लॉक प्रमुख ने पीड़ितों का बांटी राहत सामग्री

बांगरमऊ उन्नाव, अमृत विचार। क्षेत्र के गांव मल्लाहन पुरवा में आग लगने से करीब 30 परिवार प्रभावित हुए थे। मंगलवार को मल्लाहन पुरवा पहुंचकर ब्लॉक प्रमुख संध्या सिंह पटेल ने पीड़ितों को जरूरी खाद्य सामग्री बांटी। बता दें कि मल्लाहन पुरवा गांव में 5 दिन पूर्व आग लगने से करीब 30 घर जलकर राख हो गए थे। पीड़ित परिवारों की खाने पीने की सामग्री से लेकर अनाज, कपड़े आदि सभी कुछ जल गया था।

छात्राओं को जागरूक करतीं महिला पुलिसकर्मी। अमृत विचार

छात्राओं को सिखाए सुरक्षा के गुर, हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी

सफीपुर उन्नाव, अमृत विचार। प्रशिक्षु आईपीएस सचित शर्मा के मार्गदर्शन में कस्बा स्थित कालिंदी गुप्ता इंटर कॉलेज में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें एसओ एसएन त्रिपाठी व मिशन शक्ति टीम ने छात्राओं से कहा कि विपरीत परिस्थिति में घबराने के बजाय शासन से जारी हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करें। इसमें महिला पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 व साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 जैसे नंबरों के बारे में भी बताया गया। पुलिस टीम ने छात्राओं को गुड टच व बैड टच के बीच अंतर समझाते हुए अपनी सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने के लिए प्रेरित किया। वहीं, इस समय बढ़ते साइबर अपराधों के खतरों व सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के तरीके भी बताए। छात्राओं को घरेलू हिंसा से संबंधित कानूनी प्रावधानों व महिलाओं के लिए संचालित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दी गई। थाना प्रभारी ने बताया कि जिले के हर थाने में मिशन शक्ति केंद्र (महिला हेल्प डेस्क) सक्रिय हैं। यहां महिलाएं बिना संकोच के अपनी शिकायतें दर्ज करा सकती हैं।

सीएचसी में दंत चिकित्सा सेवा ठप, आने वाले मरीज बेहाल

सफीपुर उन्नाव, अमृत विचार। सीएचसी में कई महीनों से दंत चिकित्सक के न आने से क्षेत्र के मरीजों को परेशानी हो रही है। सरकारी अस्पताल में इलाज न मिलने से निराश मरीज निजी क्लीनिकों में जाने को मजबूर हैं। जिससे उन पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सीएचसी में दंत सर्जन के रूप में डॉ. फौजिया रहमान तैनात हैं। इसके बावजूद वह लंबे समय से अस्पताल से अनुपस्थित चल रही हैं। इससे दांत दर्द, मसूड़ों में सूजन व कीड़ा लगने के मरीजों को सरकारी सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा है। मवईलाल निवासी भगवान दीन रावत ने बताया कई बार अस्पताल के चक्कर लगाए लेकिन हर बार डॉक्टर नहीं मिलीं। अब मजबूरी में प्राइवेट डॉक्टर के पास जाना पड़ रहा है। हरिपाल सिंह ने प्रशासन से मांग की कि सीएचसी में दंत चिकित्सक की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए ताकि आमजन को राहत मिल सके। सीएचसी अधीक्षक डॉ. राम सहोदर ने बताया कि दंत चिकित्सक लंबे अवकाश पर हैं। कहा कि चिकित्सक के वापस आने पर दंत विभाग की सेवाएं सुचारु होंगी।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे सगे भाई राम चन्दर पुत्र राम समुझ जिनकी शादी नहीं हुई थी लगभग 02 वर्ष पूर्व (09.07.2024) को इनकी मृत्यु हो गई थी। जिनके स्थान पर वरासत का वाद चकबन्दी अधिकारी अमेठी के न्यायालय में विचाराधीन है मृतक रामचन्दर पुत्र रामसमुझ के स्थान पर वरासत का वाद दाखिल किया है जिसमें दिनांक 08.04.2026 तिथि नियत है यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो चकबन्दी अधिकारी अमेठी के न्यायालय में उक्त मुकदमें में आपत्ति कर सकता है। **इन्द्रपाल पुत्र रामसमुझ ग्राम-सरायखेमा, परगना व तहसील-अमेठी, जनपद-अमेठी**

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा सूचना सं. माँ/246/1/15/26-27/ओटी-02 मुख्य कारखाना प्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए निविदा प्रपत्र में अंकित योग्यता मापदंडो के अनुसार ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती है, **क्रम सं.** : 1, **कार्य का संक्षिप्त विवरण** : यॉत्रिक कारखाना, इज्जतनगर में ग्लोबल इंजीनियरिंग लिमिटेड नयी दिल्ली मेक के स्प्रे पेंटिंग बूथ बेकिंग अवन सहित के संचालन एवं बीजी आईसीएफ/स्पार्ट/एनएमजीएच/एनएम जीएचएस/आईओएच/एमजी बोगी व उनके अवयवों की पेंटिंग का कार्य 20 माह अवधि हेतु एच (स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार) **अनुमानित मूल्य (रु० में)** : ₹ 5432169.32 (रुपये चौवन लाख बत्तीस हजार एक सौ उनहत्तर और बत्तीस पैसे मात्र), **बिड सिक्योरिटी (रु० में)** : ₹1,08,700/- (रुपये एक लाख आठ हजार सात सौ रूपये मात्र), **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु०)** : शून्य, **कार्य अवधि** : 20 माह, **निविदा खुलने की तिथि व समय : 27.04.2026 15:30 बजे, नोट:-** 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित दिनांक 04.04.2026 को समय 13:00 बजे से वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर टेंडर खुलने की तिथि 27.04.2026 को 15:00 बजे तक उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेंडरों को चाहिए कि वो अपने आपको IT Act 2000 के अंतर्गत CA द्वारा जारी क्लास-।।। डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ ireps वेबसाइट पर पंजीकृत कराएं। 3. निविदा की दरे केवल डिजिटल हस्ताक्षरित ऑनलाइन दर्ज करने पर ही विचारणीय हैं। यदि निविदा प्रपत्र में विशेषत: उल्लेखित नहीं है, ऐसी स्थिति में दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी लैटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तोर पर अस्वीकृत कर दिया जायेगा। 4. ई- निविदा हेतु बिड सिक्योरिटी का भुगतान नेट बैंकिंग अथवा भुगतान गेटवे अथवा निविदा प्रपत्र के अनुसार स्वीकार किया जायेगा।

उपमुर्याइ/उत्पादन
यांत्रिक कारखाना, पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर
मुजाधि/यांत्रिक-03

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

सूचना

मैने अपने पुत्र विराज (जन्मतिथि 9/10/2023) का नाम बदलकर राजविक कर लिया है सभी शैक्षिक दस्तावेजों आधार में राजविक नाम से जाना व पहचाना जाय। **विकास कुमार** 125 A -W2 **संकल्प सदन अपार्टमेंट फ्लैट न** 2 **जूही कला कानपुर नगर**

सूचना

मैं अनुज कुमार पुत्र श्री कृष्ण बाबू ,निवासी ग्राम दुवाई, पो0-गडाथा घाटमपुर जनपद-कानपुर नगर, मेरा हाईस्कूल यूपी बोर्ड परीक्षा वर्ष 2019 अनुक्रमांक 1281217 का अंक पत्र प्रमाण पत्र वास्तव में खो गया है।

सूचना

मैंने अपने पुत्र सुधीर व पुत्रवधू सुधा पत्नी सुधीर के गलत आचरण एवं चाल चलन के चलते संबंध विच्छेद कर समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उनके किसी भी कात्य या लेनदेन से मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता या सरोकार नहीं होगा वह स्वयं जिम्मेदार होगें- **रामसिंह पुत्र रामेश्वर दयाल -निवासी- ग्राम व पोस्ट उमरेन-थाना ऐरवाकटरा-तहसील-बिधूना-जिला -औरैया।**

सूचना

I SATYAVATI IS MOTHER OF ARMY NO 14659427P HAV SHIV KUMAR TIWARI IS SERVING AT 201 FD WKSP COY EME C/O 56 APO AT VILL SIRHI POST ITARA DIST KANPUR NAGAR STATE UP PIN 209214 I HAVE CHANGED MY NAME FROM SATYAVATI TO SATYAWATI AND DOB FROM 01/07/1966 TO 04/06/1964 IN MY ALL DOCUMENTS AFFIDAVITE DATE 07 APR 2026 BEFORE THE DISTRICT COURT KANPUR NAGAR (UP)

सूचना

मैने अपना नाम VIJAY KUMAR से बदलकर VIJAY KUMAR SINGAL रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-ROOPCHAND SINGAL ADD-B-5 SECTOR-E, PO-ALIGANJ DIST-LUCKNOW-226024 (U.P.)

सूचना

This is to inform the general public that my daughter, Akanksha Srivastava, is a student of Class 9-C at St. Joseph Montessori School, Rajajipuram, Lucknow. While all her records list her father's name as Pawan Kumar Srivastava and her mother's name as Shalinee Shree. The school records erroneously list her mother's name as Shalini Srivastava. The correct name is Shalinee Shree, which should be duly recorded in the school records. Resident: C-2292, Rajajipuram, Lucknow

सूचना

मैंने अपना नाम ABDUL AHAD से बदल कर ABDUL AHAD AB RAUF KHAN रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: ABDUL RAUF R/O: POORE GANESH SEWARA PO SUKUL KA BAZAR AMETHI UTTAR PRADESH-227405

सूचना

मै **विपिन कुमार पुत्र रामफेर पाल , निवासी- ग्राम पूरे शीतल मजरे खालिसपुर ब्लाक बहादुरपुर तहसील तिलोई, जनपद -अमेठी,** मेरी तीन सन्तानें कमश: 1. ऐल्जा पाल, 2. ऐल्सा पाल, 3. आयू पाल है तथा जन्मतिथि-17/07/2021 है। जिनका नाम बदलकर मैने क्रमश: 1. ऋषिका पाल, 2. हर्षाली पाल, 3. प्रतीक पाल रख लिया है। भविष्य में उन्हें उपरोक्त नामों से ही जाना व पहचाना जाय।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पिता का नाम राकेश कुमार सक्सेना है परन्तु मैने अपने सभी अभिलेखो मे अपने पिता के नाम का सरनेम सक्सेना हटा दिया है। अब मुझे हर्ष श्रीवास्तव पुत्र राकेश कुमार के नाम से जाना व पहचाना जाय। **हर्ष श्रीवास्तव पुत्र राकेश कुमार, निवासी-सी 4124 से0-12 राजाजीपुरम् लखनऊ।**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै अपने बड़े पुत्र सतीश कुमार के गलत चाल-चलन एवं चरित्र से मै और मेरा पूरा परिवार काफी परेशान हो गया है, मै अपने पूरे होश-हवाश में अपने बड़े पुत्र सतीश कुमार को अपने संपूर्ण चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ, सतीश कुमार द्वारा किये गए किसी भी कृत्य या लेनदेन से मेरा और मेरे परिवार का कोई सरोकार नहीं होगा उसकी जिम्मेदारी उसकी स्वयं होगी। **प्रेम चन्द पुत्र राम लाल ग्राम-गायघाट, वि.ख.एवं थाना-छपिया, तहसील-मनकापुर, जिला-गोण्डा।**

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। मौरावां थानाक्षेत्र के महारानी खेड़ा गांव निवासी युवक की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। परिजनों ने हत्या बता शव नहीं उठने दिया। पोस्टमार्टम में जहरीला पदार्थ मिलने की आशंका पर बिसरा सुरक्षित किया गया है। मां की तहरीर पर गांव के व्यक्ति व तीन अज्ञात पर आत्महत्या करने के लिए उकसाने की रिपोर्ट दर्ज हुई है।

महारानी खेड़ा गांव निवासी राकेश (42) खेती करता था। भाई बाल किशन ने बताया कि सोमवार को वह गांव के बाहर नहरिया के पास कुछ लोगों के साथ ताश खेल रहा था। शाम को घर पहुंचने पर उसकी हालत बिगड़ गई। मां और वह उसे पहले मौरावां सीएचसी फिर 100 बेड अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मां सरजूदेई ने बताया कि जमीन को लेकर उसका परिवारीजनों से विवाद है। उन्हीं लोगों ने बेटे की हत्या की है। सीओ तेज बहादुर सिंह व एसओ कुंवर बहादुर सिंह मौके पर पहुंचे और किसी तरह परिजनों को समझाया। मां की तहरीर पर गांव के नीरज सहित अज्ञात लोगों पर आत्महत्या के लिए उकसाने की रिपोर्ट दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम कराया। इसमें जहरीला पदार्थ निगलने पर बिसरा सुरक्षित किया गया। राकेश के छोटे भाई ब्रजपाल की भी नवंबर में इसी तरह मौत हुई थी। तब भी परिजनों ने आरोप लगाए थे। वह 5 भाइयों में बड़ा था। उसकी पत्नी उसे छोड़ कर चली गई थी। थाना प्रभारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है। पीएम रिपोर्ट आने पर मौत का कारण स्पष्ट होगा।

तेलंगाना से आया युवक का शव, मचा कोहराम

उन्नाव, अमृत विचार। मौरावां थानाक्षेत्र के केसरी खेड़ा गांव निवासी पवन (22) पुत्र अमर लाल छोटे भाई अमन के साथ तेलंगाना प्रांत के सिकंदराबाद शहर गया था। जहां दोनों भाई एक फैक्ट्री में मजदूरी करते थे। बीती 5 अप्रैल को काम करते समय साथी मजदूर की लापरवाही से एयर कंप्रेशर की चपेट में आकर वह गंभीर घायल हो गया। फैक्ट्री के सह कर्मियों की सूचना पर भाई उसे अस्पताल ले गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मंगलवार को भाई पवन का शव लेकर गांव पहुंचा तो परिजनों में चीखपुकार मच गई। वह 4 भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर था। उसकी मौत से मां चंद्रकली, भाई सरवन, अमन व बहन आसमी बेहाल रही।

हादसे का शिकार हुए युवक की इलाज के दौरान मौत, परिजनों में कोहराम

बांगरमऊ उन्नाव, अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के गांव आसत मोहिउद्दीनपुर निवासी बब्लू उर्फ आदित्य (35) पुत्र कुंदन राठौर मोमोज का ठेला लगाकर परिवार पालता था। रोज की तरह बीती 31 मार्च को भी वह गांव के सामने बांगरमऊ-लखनऊ मार्ग पर मोमोज का ठेला लगाए था। तभी तेज रफ्तार बाइक ने उसे टक्कर मार दी थी। इसमें वह गंभीर घायल हो गया था। परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाए थे 1 जहां चिकित्सक ने उसे गंभीर बता हायर सेंटर रेफर कर दिया था। परिजनों ने उसे लखनऊ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां इलाज के दौरान मंगलवार को उसकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई।

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 8 अप्रैल 2026

हरदोई

न्यूज ब्रीफ

तमंचा व कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। कोतवाली पुलिस ने सोमवार की रात चेकिंग के दौरान युवक को तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। शाहाबाद कोतवाली के उधरनपुर पुलिस सहायता केंद्र प्रभारी हरदीप कुमार ने बताया कि सोमवार की देर रात मुखबिर की सूचना पर हिरौली मोड़ के पास से कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सरदार नगर निवासी बागेश सिंह को 315 बोर के तमंचे और दो जिन्दा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आर्म्स एक्ट की रिपोर्ट दर्ज कर जेल भेज दिया है।

राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर हुई बैठक

हरदोई, अमृत विचार। राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरणअध्यक्ष/जिला जज रीता कौशिक के निर्देश पर 9 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों का निस्तारण कराए जाने हेतु राष्ट्रीय लोक अदालत के नोडल अधिकारी/अपर जिला जज यशपाल की अध्यक्षता में समस्त न्यायिक मजिस्ट्रेट अधिकारियों के साथ बैठक हुई। बैठक में नोडल अधिकारी न्यायाधीश यशपाल ने कहा कि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिकाधिक मामलों का निपटारा कराया जाना है इसके लिए सभी को अभी से प्रभावी प्रयास करने होंगे।

मंजू को सौंपी गई राष्ट्रीय सचिव की जिम्मेदारी

हरदोई। सपा सुप्रीमों अखिलेश यादव की मंजूरी पर समाजवादी बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल ने मंजू वर्मा को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल करते हुए उन्हे राष्ट्रीय सचिव की ज़िम्मेदारी सौंपी है।

साले ने साथियों के साथ मिलकर बहनोई को पीटा

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अब्दुल्ला पुर अपनी ससुराल आये युवक को उसके सालों ने किसी बात पर साथी के साथ मिलकर मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ित की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है। जनपद शाहजहांपुर के कांट थाना के ग्राम सरसौली निवासी पीड़ित रामलखन के अनुसार वह बाइक से अपनी पत्नी मोनी को विदा कराने ससुराल आया

दो जनपदों को जोड़ने वाला सम्पर्क मार्ग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त

अतरौली, हरदोई, अमृत विचार। विकास खंड भरावन के अतरौली मार्ग पर अतरौली से तीन किलोमीटर दूरी पर सीतापुर जनपद को जाने वाले सम्पर्क मार्ग में जगह जगह गड्ढे जिससे आये दिन हो रहा हादसा। कौड़िया श्यामदासपुर मांझगाँव सिकंदरपुर कुरौंध, पकरा, भुलभुला, टांडि सहित 100 गाँवों को जाने वाले सम्पर्क मार्ग में हजारों किसानो को प्रतिदिन इस मार्ग से गुजरना होता है, बड़े बड़े गड्ढों के कारण आये दिन हादसे हो रहे है। चुंकि यह सम्पर्क मार्ग कौड़िया होते हुये लोहराघाट को जोड़ता है जों कि जनपद सीतापुर की ओर जाता है जिससे मिश्रिख संदना गोंदलामऊ को जाने के लिए हरदोई जनपद के कई लोग इस सम्पर्क मार्ग से जाते है। दो जनपदो को जोड़ने के कारण कई ट्रकों का आवागमन रहता है।

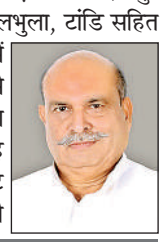

समाजसेवी राजेश अवस्थी।

समाजसेवी राजेश अवस्थी ने बताया हजारों किसान मजदूरी प्रतिदिन संपर्क मार्ग से गुजरते है, बरसात में यह मार्ग पूरी तरह से जलभराव हो जाता है। जलजीवन मिशन के अंतर्गत खुदी पड़ी सड़को के कारण हादसे होते रहते है।सम्पर्क मार्ग। सम्पर्क मार्ग का चौड़ी करण जरूरी है।

बदहाल संपर्क मार्ग से गुजरते राहगीर। अमृत विचार

अतरौली में तालाब में तब्दील मार्ग। अमृत विचार

जनप्रतिनिधि बोले

मिश्रिख सांसद अशोक रावत ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं प्रमुख सचिव पीडब्ल्यूडी को पत्र दिया गया है, अतरौली भटपुर मार्ग में लोहराघाट को जाने वाला मार्ग जो कि सीतापुर जनपद से जोड़ता है, उसके चौड़ीकरण एवं उच्चीकरण के लिए प्रस्ताव का अनुरोध किया गया है, जल्द प्रस्ताव जारी होगा।

एमएलसी अशोक अग्रवाल ने बताया कि विधान परिषद में कौड़िया श्यामदासपुर के इस सम्पर्क मार्ग की मरम्मत और चौड़ी करण के लिए लेटर विभागों को दिया गया है और सांसद अशोक रावत से भी सड़क चौड़ीकरण के लिए भी अवगत कराया है। सम्भवत: इस मार्ग का चौड़ीकरण का प्रस्ताव जल्द जारी होगा।

दहेज में 10 लाख रुपए न मिलने पर घर से निकाला

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। दहेज में दस लाख रुपए नगदी की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को पीटकर घर से निकाल दिया गया। पीड़ित पिता की तहरीर पर पति सहित सात ससुराली जनों पर केस दर्ज कराया गया है। मंझिला थाना क्षेत्र के ग्राम जमुरा निवासी कलीम के अनुसार उन्होंने अपनी बेटी सायदा का विवाह दो साल पहले शाहजहांपुर जनपद के रोजा थाना अंतर्गत कुवांवोस निवासी जुबेर उर्फ सत्तार पुत्र मोहम्मद नबी के साथ किया था और अपनी हैसियत के मुताबिक बुलेट बाइक, तीन लाख रुपये नगद और 10 तोला सोना दिया था। लेकिन विवाह के कुछ दिन बाद उसे 10 लाख रुपए की नकदी की मांग को लेकर पति, ससुर मोहम्मद नबी, सास फजीला, जावैद, दानिश, फौजी, सेखावतुल्ला परेशान करने लगे और मारपीट कर घर से निकाल दिया। पीड़ित पिता के अनुसार उसकी पुत्री इस वक्त उसके साथ रह रही है। प्रभारी निरीक्षक धीरेंद्र ने बताया दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है।

किसानों पर कहर बनकर बरस टूटा आंधी-पानी

तेज हवाओं के साथ बारिश से फसलों को भारी नुकसान, कई जगह पेड़ और विद्युत पोल हो गए धराशाई

संवाददाता, हरदोई,

अमृत विचार। मौसम की मार लगातार किसानों पर पड़ रही है। तीसरे दिन भी मंगलवार को शाम होते ही बरसात शुरू हो गई। बारिश के साथ-साथ सात किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं भी चलती रहीं। मंगलवार को नौ मिमी वर्षा मौसम वेधशाला में दर्ज की गई।

किसानों की मेहनत की फसल घर आने वाले लोहे लग रहे हैं। लगातार तीसरे दिन बरसात होने से किसानों का नुकसान बढ़ता चला जा रहा है। मंगलवार को सुबह से ही बादलों का आना जाना चलता है। शाम होते ही तेज हवाएं चलने लगीं। हवाओं के साथ ही बारिश भी आ गई। काफी देर तक बारिश से यातायात भी प्रभावित हुआ। मौसम को देखते हुए जहां किसान जल्दी-जल्दी खेतों की कटाई और मड़ाई में लगे हैं, वहीं मौसम अपना असर लगातार दिखा रहा है। तीन दिनों से हो रही बारिश से फसलों का काफी नुकसान हो रहा है। बामुश्किल तैयार हुई रबी की फसल काट कर घर लाना किसानों को इस बार काफी मुश्किल लग रहा है।

बारिश के बीच सड़क पर गुजरते वाहन। अमृत विचार

तेज हवा से पलटी फसलें। अमृत विचार

सरसों की फसल बरसात से पहले ही खराब हो चुकी है। अब रबी की फसल पर भी संकट छा रहा है। दिन में धूप होने से इतनी फसल सूख पाती है। शाम की बारिश से वह फिर बेकार हो जाती है। मौसम की अनिश्चितता के चलते खेतों में काम नहीं हो पा रहा है। हालांकि खराब मौसम के चलते किसान तेजी से खेतों में लगा हुआ है, जहां मौसम सही होता है वह फसल काटना शुरू कर देता है। दिनभर फसल काटने के बाद शाम को होने वाली बारिश उसकी मेहनत पर पानी फेर जाती है। जिले में बरसात तीसरे दिन भी होती रही।

मल्लावां संवाददाता के अनुसार तेज आंधी और बारिश से किसानों के माथे पर शिकन बनी हुई है।

खेतों में बिछ गई गेहूं की फसल, किसान बेहाल

बिलग्राम, हरदोई। मंगलवार शाम अचानक तेज आंधी और बारिश ने क्षेत्र में किसानों की चिंताएं बढ़ा दीं। मौसम के इस अचानक बदलाव ने खेतों में कटकर पड़ी गेहूं की फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है। तेज हवाओं के चलते कई जगहों पर फसल बिखर गई, जबकि बारिश से भीगकर अनाज खराब होने का अंदेशा बढ़ गया है। किसानों ने बताया कि उनकी फसल कटकर खेतों में ही पड़ी थी और मड़ाई की तैयारी चल रही थी, लेकिन इसी बीच आई आंधी-बारिश ने पूरी मेहनत पर पानी फेर दिया। भीगी फसल के सूखने में समय लगेगा, जिससे गुणवत्ता पर भी असर पड़ सकता है। किसानों ने प्रशासन से नुकसान का सर्वे कराकर मुआवजा दिलाने की मांग की है।

आंधी में सड़क पर गिरा नीम का पेड़। अमृत विचार

जड़ से उखड़ा नीम का पेड़, कई लोग घायल

बेनीगंज (हरदोई)। मंगलवार देर शाम अचानक बदले मौसम के तेवर से आए तेज आंधी व तूफान ने जमकर कहर बरपाया, जिससे नगर के मुख्य चौराहे पर खड़ा वर्षों पुराना हरा भरा विशालकाय नीम का पेड़ व हाई मास्क लाइट का पोल जड़ से उखड़ गया जिसके नींचे पटरी पर लगी दुकाने चपेट में आ गई, जिसमें कई लोग घायल भी हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक नगर के मुख्य चौराहे पर खड़ा नीम का विशालकाय पेड़ आंधी के वेग में जड़ से उखड़ गया, जिसमें मोटरसाइकिल से प्रतापनगर की ओर जा रहे 30 वर्षीय युवक बहादुर निवासी सुखुईपुरवा पेड़ के नीचे दब गया। स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाल लिया, जिसमें बहादुर गंभीर रूप से घायल हो गए। विशालकाय पेड़ व हाई मास्क लाइट विधुत पोल गिरने से वहां पर लगी पटरी दुकानें पेड़ के नीचें दब गई और लोग भी इसके चपेट में आ गए, अचानक आए आंधी तूफान से लोगों को काफी आर्थिक नुकसान हुआ है।

अप्रेल माह जब से लगा तब से मौसम में बदलाव रोज देखने को मिल रहा। आंधी तूफान और बारिश से खेतों में खड़ी गेंहू की फसल किसान काट रहे हैं तो अधिकांश किसानों की फसल अभी खेतों में खड़ी है। फसल को लेकर किसानों की चिंता बनी है।

पुलिस ने अधेड़ के शव का कराया पोस्टमार्टम

माधौगंज हरदोई, अमृत विचार। थानाक्षेत्र के गांव जूरा मजरा बढ़ैयाखेड़ा निवासी भानूपाल (51) शनिवार की रात जनपद फैजाबाद स्थित पानी की टंकी के पास सो रहा था। अचानक तेज हवा चलने से उसके पेट पर बांस गिरने से वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने बताया कि मंगलवार को लखनऊ में एक निजी अस्पताल में ऑपरेशन किया जा रहा था उसी दौरान मजदूर ने दम तोड़ दिया। मृतक के पुत्र विनोद कुमार ने थाने में सूचना देकर मौत का कारण पता लगाने के लिए पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिलाअस्पताल भेज दिया। परिवार के लोगों ने बताया कि भानूपाल जल जीवन मिशन के अंतर्गत पानी की टंकी निर्माण कार्य में मजदूरी कर रहा था। भानू पाल के परिवार में पत्नी सुनीता के अलावा दो बेटे विनोद पाल, कुलदीप पाल और एक बेटी प्रभा पाल है। भानू पाल की मौत से परिजनों में कोहराम मचा रहा।

भानू पाल की फाइल फोटो।

मेडल प्राप्त करतीं अतरौली की दीक्षा सक्सेना। अमृत विचार

दीक्षा ने मार्शल आर्ट में जीता स्वर्ण पदक

अतरौली, हरदोई, अमृत विचार। कस्बे की बेटी दीक्षा सक्सेना व जखवा के राम मिलन यादव नें लखनऊ के जानकीपुरम में 5 अप्रैल को मिक्स मार्शल आर्ट प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमे अतरौली की तांडव फाइट क्लब के कोच करन सक्सेना के संरक्षण में दीक्षा का मुकाबला 8 किलो अधिक वजन की प्रतिद्वंदी रितिका से हुआ जिसको एक एक मिनट के होने वाले तीन राउंड के मुकाबले में पूरी तरह से परास्त कर दिया। वही दूसरा मुकाबला राममिलन यादव का लखनऊ के प्रतिद्वंदी अफान से हुआ, राम मिलन नें भी तीनो राउंड में परास्त कर दिया। दोनों खिलाड़ियों नें हरदोई का प्रतिनिधित्व करते हुये स्वर्ण पदक जीता। दीक्षा के पिताजी सरवन सक्सेना नें बताया बेटी दीक्षा को मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग दो साल से कर रही है। बिटिया के स्वर्ण पदक जीतने से मनोबल बढ़ा है इसको और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओ में प्रतिभाग करवाएंगे।

बच्चों को दी स्वस्थ जीवन की सीख

- विश्व स्वास्थ्य दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में स्वास्थ्य पोषण व टीकाकरण पर हुई चर्चा

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। सर्वोदय आश्रम आवासीय विद्यालय सिकन्दरपुर एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र टडियावां ने संयुक्त रूप से विश्व स्वास्थ्य दिवस पर आयोजित संगोष्ठी बच्चों का स्वास्थ्य एवं पोषक तथा टीकाकरण का महत्व शिक्षा सदभावना समिति की अध्यक्ष उर्मिला श्रीवास्तव ने बच्चों को बताया कि वैश्विक स्वास्थ्य मुद्दों पर ध्यान केंद्रीय करता है स्वास्थ्य में सुधार के कार्यों को बढ़ावा देता है तथा लोगों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करता है।

सीएचसी टडियावां के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डा.सुशील कुमार कन्नौजिया ने बच्चों की शादी की उम्र, बच्चों के टीकाकरण का महत्व तथा बाल्यावस्था के टीकाकरण के महत्व तथा मदर टेरेसा का स्वास्थ्य के प्रति सेवा भाव की विशेष चर्चा की। डा.राम लखन गुप्ता ने पोषक व विटामिन पर चर्चा की। सीएचसी में तैनात सीएमएम मीरा मैसी ने टीकाकरण पर चर्चा करते हुए जानकारी दी। वहीं एएनएम ज्योति यादव ने बच्चों को विटामिन और भोजन सफाई के साथ खाने के टिप्स दिए।

छात्रा को सम्मानित करतीं उर्मिला। अमृत विचार

यह हुए सम्मानित

कार्यक्रम में सीनियर ग्रुप में जनक नन्दनी प्रथम, विन्ध्याक्षी द्वितीय और सौम्या भारती तृतीय रहीं,वहीं जूनियर स्वास्थ्य ग्रुप प्रतियोगिता में प्रतिभा प्रथम, द्वितीय नाजुक और प्रियतमा देवी तृतीय रहीं। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर डा. सुशील कुमार कन्नौजिया व डा. राम लखन गुप्ता को उर्मिला श्रीवास्तव ने स्मृति चिन्ह शाल उढाकर तथा माला पहनाकर सम्मानित किया।

तेज रफ्तार बाइक खाईं में गिरी, युवक की मौत

हरदोई, अमृत विचार। सुरसा-बन्नापुर रोड तेज रफ्तार बाइक बेकाबू होकर खाईं में जा गिरी। जिससे उस पर सवार युवक ज़ख्मी हो गया। उसे इलाज के लिए डाक्टर के पास पहुंचाया गया, लेकिन वहां पहुंचते ही उसकी मौत हो गई। सुरसा थाने के गुलेलपुरवा मजरा मरसा निवासी 40 वर्षीय राकेश पुत्र जागेश्वर खेती-बाड़ी करता था। पिता जागेश्वर ने बताया कि सोमवार की देर रात राकेश बाइक से खेत पर जाने के लिए निकला,लेकिन उसी बीच गांव से तकरीबन एक किलोमीटर दूर सुरसा-बन्नापुर रोड पर बाइक बेकाबू हो कर सड़क के किनारे खाईं में जा गिरी। लोगों की सूचना पर राकेश के परिजन पहुंचे और उसे बाहर निकालकर एक डाक्टर के पास ले गए। लेकिन वहां पहुंचते ही उसकी मौत हो गई। शादी के बाद उसके बच्चें नहीं हुए। पत्नी रीना चार साल से अपने भाई धर्मेंद्र के पास सण्डीला कोतवाली के मेवाखेड़ा में रह रही है।

जूझते रहे सीएचसी कर्मी, नहीं खुल सका ऑक्सीजन सिलेंडर

संवाददाता, बिलग्राम, हरदोई

अमृत विचार। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बिलग्राम में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की गंभीर लापरवाही सामने आई है। एक मरीज को अचानक सांस लेने में दिक्कत होने पर अस्पताल लाया गया, लेकिन वहां मौजूद कर्मचारी काफी देर तक ऑक्सीजन सिलेंडर खोलने में ही लगे रहे। आरोप है कि काफी प्रयास के बावजूद कर्मचारी सिलेंडर नहीं खोल सके, जिससे मरीज को समय पर ऑक्सीजन नहीं मिल पाई और उसकी हालत बिगड़ती चली गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आपातकालीन स्थिति के बावजूद न तो कोई डॉक्टर मौके पर मौजूद था और न ही प्रशिक्षित स्टाफ ने तत्परता दिखाई। कर्मचारियों की इस लापरवाही ने अस्पताल की तैयारियों और व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सीएचसी में पहले से ही अव्यवस्थाएं बनी हुई हैं। इमरजेंसी सेवाएं अक्सर डॉक्टरों के बिना ही चल रही हैं, जबकि प्राइवेट कर्मचारियों की मनमानी बढ़ती जा रही है।

ऑक्सीजन सिलेंडर खोलने का प्रयास करते सीएचसी के कर्मचारी।

आयोजन | मिशन शक्ति 5 .0 फेज-2 के तहत गांधी भवन सभागार में आयोजित हुआ कार्यक्रम

आज महिलाएं चन्द्रयान तक का कर रही सफर

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। मिशन शक्ति 5.0 फेज-2 के तहत गांधी भवन सभागार में आयोजित नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए समर्पित कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती ने जिलाधिकारी अनुनय झा, पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के साथ दीप प्रज्जवलित कर किया।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने उपस्थित नारी शक्ति को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत एवं प्रदेश सरकार ने महिलाओं एवं बालिकाओं के सम्मान के लिए अनेक कार्यक्रम संचालित किये जा रहे है जिससे महिलायें अपने को सुरक्षित महसूस कर रही है। कहा कि आज महिलायें घर के आंगन तक सीमित नहीं है बल्कि वह चन्द्रयान तक का सफर सफलतापूर्वक तय कर अन्य महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रही है। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने कहा कि जनपद में महिलाओं तथा बालिकाओं की सुरक्षा के लिए विशेष रूप से महिला पुलिस बल को तैयार किया गया है जो गांव-गांव में जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सशक्तिकरण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं पुलिस अधीक्षक ने उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला आरक्षी एवं पुलिस कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मार्तण्डेय प्रकाश सिंह, उप जिलाधिकारी सदर सुशील कुमार मिश्रा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में सम्मानित की गईं महिलाओं के साथ अतिथि। अमृत विचार

मनोनीत सभासदों को दिलाई शपथ

सांडी, हरदोई, अमृत विचार। नगर पालिका के सभागार में मंगलवार को शासन द्वारा नामित सभासद सुशील गुप्ता, श्याम जी शर्मा, सरला गुप्ता, आसाराम वर्मा एवं सत्य किशोर राजपूत को उप जिलाधिकारी बिलग्राम एन राम ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। विधायक प्रभाष कुमार ने कहा कि मनोनीत सदस्यों के आने से नगर पालिका की कार्यप्रणाली को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने सभी सदस्यों से राजनीति से ऊपर उठकर जनहित के कार्यों में जुड़ने की अपील की। ब्लॉक प्रमुख अनिल राजपूत ने सभी नवनियुक्त सदस्यों को बधाई देते हुए आपसी समन्वय पर जोर दिया। नगर पालिका अध्यक्ष ने सभी का स्वागत किया और विश्वास जताया कि नए सदस्यों के अनुभव का लाभ कस्बे की जनता को मिलेगा।

मिशन शक्ति केवल एक सरकारी अभियान नहीं बल्कि एक वैचारिक क्रांति : अरुणिमा

संवाददाता, हरदोई,

अमृत विचार। 'मिशन शक्ति' के पांचवें चरण (मिशन शक्ति 5.0) के तहत अल्लीपुर स्थित वृद्धाश्रम में एक वृहद, ज्ञानवर्धक और प्रभावशाली जागरूकता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। नारी शक्ति और स्वावलंबन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उप जिलाधिकारी अरुणिमा श्रीवास्तव ने कहा कि एक सशक्त, सभ्य और विकसित समाज की कल्पना तब तक नहीं की जा सकती, जब तक उस समाज की महिलाएं पूरी तरह से सुरक्षित, सम्मानित और आत्मनिर्भर न हों। उन्होंने उपस्थित मातृशक्ति और वृद्धजनों को संबोधित करते हुए कहा कि 'मिशन शक्ति' केवल एक सरकारी अभियान नहीं है, बल्कि यह एक वैचारिक क्रांति है। उन्होंने यह भी जोर दिया कि वृद्ध माताओं का सम्मान करना हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है और प्रशासन उनके अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर है। साइबर अपराधों से बचाव की अनिवार्यता कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं क्षेत्राधिकारी प्रभा पटेल ने वर्तमान परिदृश्य की सबसे बड़ी चुनौती-डिजिटल और साइबर अपराध पर अपना अत्यंत महत्वपूर्ण और व्यावहारिक अध्यक्षीय उद्बोधन दिया। स्थानीय पुलिस का सहयोग कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि कोतवाली देहात क्षेत्र की उप निरीक्षक डोली शर्मा भी उपस्थित रहीं। उन्होंने स्थानीय पुलिस प्रशासन की ओर से महिलाओं और वृद्धजनों को यह दृढ़ विश्वास दिलाया कि 'मिशन शक्ति' के तहत पुलिस प्रशासन की कार्यशैली में व्यापक बदलाव आया है।

जागरूकता कार्यक्रम में बोलतीं अरुणिमा श्रीवास्तव। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

पेड़ से धुआं निकलते ही मची अफरातफरी

सिधौली, सीतापुर। कस्बे के बीबीपुर चौराहे के पास उस समय हड़कंप मच गया, जब जामुन के पेड़ के तने से अचानक धुआं निकलने लगा। पेड़ के भीतर सुलग रही आग को देख राहगीरों और स्थानीय दुकानदारों में खलबली मच गई। आग बुझाने के लिए दमकल की मदद लेनी पड़ी। आग के कारणों का पता नहीं चल सका है।

सांड़ के हमले से किसान लहूलुहान

सीतापुर, अमृत विचार। हरगांव थाना क्षेत्र के गदनापुर गांव में सांड़ के हमले में एक किसान गंभीर रूप से घायल हो गया। गांव निवासी 55 वर्षीय लोकनाथ सुबह अपने मवेशियों को चारा देने गए थे। इसी दौरान सांड़ ने उन पर अचानक हमला कर दिया। ग्रामीणों की मदद से उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां किसान की हालत गंभीर बताई जा रही है।

प्रेशर कुकर फटने से किशोरी झुलसी

सीतापुर, अमृत विचार। शहर के कोतवाली नगर क्षेत्र के विजयलक्ष्मी नगर मोहल्ले में खाना बनाते समय प्रेशर कुकर फटने से एक 15 वर्षीय किशोरी गंभीर रूप से झुलस गई। आनन-फानन में परिजनों ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार जारी है। प्रदीप सिंह की पुत्री प्रियंका अपनी मां के साथ रसोई में दाल बना रही थी। इसी दौरान अचानक कुकर का ढक्कन तेज धमाके के साथ फट गया। धमाका इतना जोरदार था कि आसपास के लोग सहम गए। गर्म दाल और भाप की चपेट में आने से प्रियंका बुरी तरह झुलस गई। जिला अस्पताल में भर्ती किशोरी की हालत गंभीर बताई जा रही है।

वाहन चालक की मौत से परिजनों में उबाल

हत्या का आरोप लगाकर जिला अस्पताल के बाहर सड़क पर शव रखकर किया हंगामा

- कोतवाली देहात क्षेत्र के युवक की आंध्र प्रदेश में हुई मौत

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

जिला अस्पताल चौराहे पर शव रखकर प्रदर्शन करते परिवारीजन व ग्रामीण।

अमृत विचार। वाहन चला रहे चालक की मौत के बाद परिवार के लोगों ने पीट-पीटकर हत्या किये जाने का आरोप लगाते हुए शहर का मुख्य चौराहा जिला अस्पताल चौराहा शव रखकर जाम कर दिया, खासा हंगामा भी किया। बढ़ते बवाल के बीच बैकफुट पर आई पुलिस ने आनन-फानन में शव पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी की। घटना आंध्र प्रदेश से जुड़ी हुई है। दरअसल कोतवाली देहात क्षेत्र का गंगापुर कालिका बख्श निवासी रामराज (40) पिछले कुछ समय से आंध्र प्रदेश में रहकर वाहन चलाने का कार्य करता था। बीते दिन उसने साथ में काम कर रहे लोगों द्वारा पिटाई की जानकारी देकर वीडियो भेजा था, इसी के बाद उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। शव गांव आते ही परिवार के लोगों ने हत्या किये जाने का आरोप लगाया। आरोप मध्य प्रदेश और बहराइच जनपद के फूलचन्द, मूलचन्द, अनिल और संतोष पर लगा। पीड़ित पक्ष का कहना है कि पुलिस को शिकायती पत्र देने के बावजूद कोतवाली देहात पुलिस ने पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी नहीं की। इसी के बाद परिजन आक्रोशित हो गए, उन्होंने जिला अस्पताल चौराहे पर शव रखकर हंगामा शुरू कर दिया। किसी तरह अपर पुलिस अधीक्षक विनायक गोपाल भोसले ने स्थितियों को सामान्य कराया। ऐसे में देर तक मुख्य मार्ग पर जाम जैसी स्थिति बनी रही।

वीडियो हुआ वायरल

परिवार के लोगों ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया, जिसमें कुछ लोग रामराज के साथ मारपीट करते दिख रहे हैं, वो अपने शरीर पर लगी चोटों को भी दिखा रहा है। मरणासन्न स्थिति का भी एक वीडियो है।

24 घंटे तो दूर पांच दिन बाद भी नहीं दिख रही ऑनलाइन एफआईआर

रामपुर मथुरा, सीतापुर। रामपुर मथुरा थाना क्षेत्र में दर्ज हो रही प्राथमिकी यूपी कॉप पर 24 घंटे अपलोड होनी है। बावजूद इसके आलम यह है कि 24 घंटे तो दूर बल्कि 6 दिन बाद भी यह ऑनलाइन नहीं दिखाई पड़ रही है। रामपुर मथुरा थानाक्षेत्र के बांसुरा गांव में शनिवार ई-रिक्शा की टक्कर से बाइक सवार युवक साबिर अली की मौत हो गई थी। परिजनों के मुताबिक, घटना के दिन ही तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी ई-रिक्शा चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया था। इसके बावजूद कई दिन बीत जाने के बाद भी संबंधित मुकदमा यूपी कॉप पर ऑनलाइन दिखाई नहीं दे रहा है। कई अन्य मामलों की स्थिति भी साबिर प्रकरण जैसी है।

हेड मोहर्रिर पर होती है जिम्मेदारी: थाने में दर्ज प्राथमिकी को समय से ऑनलाइन अपलोड करने की प्राथमिक और प्रत्यक्ष जिम्मेदारी हेड मोहर्रिर (मुंशी) की होती है। वही एफआईआर रजिस्टर का संधारण करता है और उसे सीसीटीएनएस सिस्टम पर दर्ज कर यूपी कॉप एप पर अपलोड कराने की पूरी प्रक्रिया संभालता है। सीओ महमूदाबाद वेद प्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि एफआईआर दर्ज होने के 24 घंटे के अंदर ऑनलाइन दिखाई देने लगता है। कभी-कभी टेक्निकल फॉल्ट और नेटवर्किंग के चलते समस्या आती है।

बेटी की मदद को आगे आई लोहिया वाहिनी

चलाकापुर अग्निकांड: जली कि
चार घंटे देरी से पहुंची दमकल गाड़ी

अमृत विचार में प्रकाशित खबर।

जब डीएम पहुंचे पीड़ितों के द्वार तब मशीनरी ने पकड़ी रफ्तार

अमृत विचार में प्रकाशित खबर।

बच्चों में किताबें बांटते जिलाध्यक्ष।

खबर का असर

महमूदाबाद, सीतापुर

अमृत विचार। तहसील अंतर्गत ग्राम सरैयां चालाकापुर में पिछले दिनों आए आंधी-तूफान के दौरान हुई आगजनी में दलित समाज की बेटी सावित्री पुत्री हरिश्चंद्र गौतम की कॉपी-किताबें जलकर राख हो गई थीं। इस तस्वीर को अमृत विचार ने साझा किया। जिसका संज्ञान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लेकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर समाजवादी लोहिया वाहिनी के जिलाध्यक्ष मेराज अहमद ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर सावित्री समेत अन्य बच्चों को कॉपी, कलम, किताबें, कपड़े और खाद्य सामग्री वितरित की। मेराज व उनके समर्थकों ने बिटिया का मनोबल बढ़ाया। इस अवसर पर नबी अहमद, यशपाल यादव, अब्दुर्रहमान अंसारी, तारीख अनवर, शाहबुद्दीन खान, कुलदीप, विजय रावत आदि मौजूद रहे।

8 शातिर गिरफ्तार, 8 असलहे बरामद

शिकंजा

संवाददाता सीतापुर

पुलिस की गिरफ्त में शातिर। अमृत विचार

अमृत विचार। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के निर्देश पर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान में जनपद के विभिन्न थानों की पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस टीमों ने घेराबंदी कर हिस्ट्रीशीटरों समेत कुल 8 शातिरों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से 8 अवैध शस्त्र और 8 कारतूस बरामद हुए हैं।

मानपुर व हरगांव पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर गया प्रसाद को एक तमंचे व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। गयाप्रसाद पर लूट, चोरी और गैंगेस्टर एक्ट के 17 मामले दर्ज हैं। वहीं, हरगांव पुलिस ने छोटू उर्फ दिनेश को अवैध असलहे के साथ दबोचा। उधर, सकरन पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो हिस्ट्रीशीटरों अवधेश कुमार और हरेश को गिरफ्तार किया। इन पर दर्जनों आपराधिक मामले दर्ज हैं। उधर, महोली पुलिस ने प्रहलाद निवासी खूंटी को अवैध तमंचे के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा। सिधौली पुलिस ने दो शातिर हिस्ट्रीशीटरों पिंटू और सूफियान उर्फ शकील को गिरफ्तार किया। इनके विरुद्ध लखनऊ और सीतापुर के विभिन्न थानों में चोरी व लूट के कई मुकदमे दर्ज हैं। वहीं, थानगांव पुलिस ने तुफैल को अवैध शस्त्र के साथ गिरफ्तार किया।

आग से पांच बीघा फसल हुई राख

सीतापुर, अमृत विचार। सदरपुर थाना क्षेत्र के शिवरखकलां गांव में सोमवार शाम भीषण आग लगने से एक किसान की पांच बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक फसल पूरी तरह नष्ट हो चुकी थी। गांव निवासी राधेश्याम के खेत में अचानक आग की लपटें उठने लगीं। तेज हवाओं के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया और देखते ही देखते खड़ी फसल खाक हो गई। हादसे में किसान को करीब 40 हजार रुपये के आर्थिक नुकसान का अनुमान है। तहसीलदार अनिल कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है।

चोरी की योजना बनाते दो शातिर दबोचे गए

सीतापुर, अमृत विचार। चोरी और नकबजनी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान में पुलिस टीम ने घेराबंदी कर चोरी की योजना बना रहे दो शातिरों को गिरफ्तार किया। क्षेत्राधिकारी सदर नेहा त्रिपाठी के मुताबिक, कोतवाली देहात पुलिस ने गोरा अर्जुनपुर अंडरपास के पास से इलियास निवासी शंकरपुर और विमलेश उर्फ पग्गु निवासी भगवानपुर को पकड़ा गया। तलाशी के दौरान इनके पास से एक देशी तमंचा, कारतूस, आरी, हथौड़ी, छेनी, प्लास, पेचकस और लोहे की रॉड बरामद हुई।

दो बदमाश पकड़े गए

सीतापुर, अमृत विचार। इमलिया सुल्तानपुर पुलिस ने कस्बे में हुई चोरी की दो घटनाओं का अनावरण करते हुए दो शातिरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से चोरी की गई नगदी, चांदी के जेवरात और एक अवैध तमंचा भी बरामद किया है। क्षेत्राधिकारी महोली नागेन्द्र चौबे के मुताबिक, थाना प्रभारी आशीष तिवारी की टीम ने घेराबंदी कर बेहड़ा माफी पुलिया के पास से कमलेश उर्फ कमलू निवासी सरांवा हरगांव और सोनेलाल उर्फ सोनू निवासी गंगेई को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने मिलकर कस्बे की एक सुनार की दुकान और एक कपड़े की दुकान में चोरी की थी।

मेधावी छात्रों के साथ सीता ग्रुप के चेयरमैन आरके बाजपेई। अमृत विचार

सीता ग्रुप की सुपर-40 परीक्षा का परिणाम घोषित

महमूदाबाद, सीतापुर। सीता ग्रुप ऑफ एजुकेशन द्वारा गरीब एवं जरूरतमंद मेधावियों के लिए संचालित 'सुपर-40' योजना की प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया। विद्यालय के शास्त्री सभागार में एक सम्मान समारोह आयोजित कर चयनित विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को सम्मानित किया गया। संस्था के चेयरमैन आरके वाजपेयी ने बताया कि 31 मार्च को आयोजित इस परीक्षा में सीतापुर समेत बाराबंकी, लखीमपुर, हरदोई और लखनऊ जैसे जनपदों के 45 विद्यालयों के 702 विद्यार्थी शामिल हुए थे। परीक्षा के आधार पर कक्षा 6, 9 और 11 के लिए 40-40 मेधावियों का चयन किया गया है। इन सभी 120 विद्यार्थियों की कक्षा 12 तक की शिक्षा का संपूर्ण व्यय सीता ग्रुप उठाएगा। कार्यक्रम में सुरेश वर्मा, डॉ. आशीष वर्मा, अरुण वर्मा मुन्ना, वागीश दिनकर वाजपेयी समेत कई अभिभावक व शिक्षक मौजूद रहे।

कुतुब नगर रोड पर अवैध क्लीनिक की गयी सीज

मिश्रिख, सीतापुर। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने क्षेत्र में अवैध चिकित्सा केंद्रों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। कुतुब नगर रोड स्थित राज क्लीनिक पर औचक छापेमारी कर टीम ने उसे तत्काल प्रभाव से सीज कर दिया है। यह कार्रवाई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिश्रिख के अधीक्षक डॉ. प्रखर श्रीवास्तव के नेतृत्व में की गई। टीम में डॉ. अनुज बागची और स्वास्थ्य केंद्र के अन्य कर्मचारी शामिल रहे। जांच के दौरान क्लीनिक के संचालन में अनियमितताएं व मानक विहीन कार्य प्रणाली पाई गई। वैध दस्तावेज न मिलने पर टीम ने क्लीनिक को बंद कर सीलिंग की कार्रवाई की।

मेधावी छात्राओं के साथ बीएसए। अमृत विचार

सफलता के लिए शिक्षा अनिवार्य: बीएसए

सीतापुर, अमृत विचार। स्कूल चलो अभियान अंतर्गत विखं कसमंडा के कंपोजिट स्कूल दाऊदपुर में कार्यक्रम आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि बीएसए ने छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया। उन्होंने कहा जीवन में सफल होने के लिए शिक्षा सशक्त माध्यम है। अभिभावकों से बच्चों को नियमित स्कूल भेजने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान एनएमएमएस परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली छात्राओं को बीएसए द्वारा साइकिल वितरित की गई। साथ ही अपनी कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार और उनके अभिभावकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी कसमंडा, प्रधानाध्यापिका यासमीन बेगम, सहायक अध्यापिका पासपिता यादव, गरिमा यादव, लकी शुक्ला, रतन शर्मा आदि उपस्थित थे।

किंग अस्पताल के दो डॉक्टरों पर केस दर्ज

सीतापुर, अमृत विचार। सिधौली कस्बे के किंग अस्पताल में गलत इलाज के कारण एक महिला की मौत के मामले में पुलिस ने दो चिकित्सकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। अटरिया निवासी विवेक शुक्ल की तहरीर पर पुलिस ने यह कार्रवाई की है। विवेक शुक्ल के अनुसार, उन्होंने अपनी गर्भवती पत्नी मानसी को 28 मार्च 2026 की रात आशा बहू की सलाह पर किंग अस्पताल में भर्ती कराया था। आरोप है कि वहां डॉ. मंजू देवी ने अस्पताल इंचार्ज सत्यपाल मौर्य की मौजूदगी में महिला का गर्भपात किया। दो दिन बाद मानसी की तबीयत बिगड़ने पर परिजन उन्हें दोबारा वहां ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें भर्ती करने से मना कर दिया। अत्यधिक रक्तस्राव के कारण मानसी की मौत हो गई। डीएम डॉ. राजा गणपति आर. के निर्देश पर एसडीएम राखी वर्मा ने एक दिन पूर्व ही किंग अस्पताल को सील कर दिया था।

चेतावनी — राजकीय इंटर कॉलेज सभागार में की बैठक, कहा-लगेगा पांच लाख जुर्माना

मनमानी फीस वसूली तो खैर नहीं : डीएम

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

जीआईसी सभागार में बैठक कर निर्देश देते जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर। अमृत विचार

अमृत विचार। जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. ने राजकीय इंटर कॉलेज सभागार में प्रधानाचार्यों और जिला शुल्क नियामक समिति के साथ अहम बैठक की। बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए गए कि उत्तर प्रदेश स्ववित्तपोषित स्वतंत्र विद्यालय शुल्क निर्धारण अधिनियम के तहत ही फीस तय की जाए। सत्र शुरू होने से पहले फीस का विवरण देना अनिवार्य है। डीएम ने कहा कि कोई भी स्कूल पूरे साल की फीस एक साथ जमा करने का दबाव नहीं बना सकता साथ ही किताबें और यूनिफॉर्म किसी खास दुकान से खरीदने के लिए बाध्य करना वर्जित है। डीएफआरसी की अनुमति के बिना 5 साल तक ड्रेस नहीं बदली जा सकेगी। ट्रांसपोर्ट और हॉस्टल फीस केवल उपयोग करने वाले छात्रों से ही ली जाएगी।

नियम तोड़ने पर दंड: पहली बार नियम उल्लंघन पर एक लाख और दूसरी बार पर पांच लाख रुपये तक का जुर्माना लगेगा। तीसरी बार उल्लंघन होने पर स्कूल की मान्यता रद्द करने की संस्तुति की जाएगी।

डीएम को ज्ञापन सौंपते विधायक व अन्य। अमृत विचार

छीता पासी किले की संरक्षा को लेकर सौंपा ज्ञापन

सीतापुर, अमृत विचार। भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने महाराजा छीता पासी किले के अस्तित्व को बचाने के लिए जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। भाजपा नेताओं ने मांग की है कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा किले को दी गई प्रारंभिक नोटिस के संबंध में उचित वार्ता कर समाधान निकाला जाए। प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि महाराजा छीता पासी का किला पासी समाज की पौराणिक आस्था का केंद्र है। भाजपा सभी वर्गों की आस्था का सम्मान करती है, इसलिए किले के ऐतिहासिक स्वरूप को बचाना आवश्यक है। विधायक मनीष रावत और रामकृष्ण भार्गव ने संयुक्त रूप से कहा कि विकास के साथ-साथ हमारी विरासत का संरक्षण भी जरूरी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल संबंधित अधिकारियों से वार्ता की। इस संबंध में एनएचएआई के अभियंता प्रमोद कुमार ने स्पष्ट किया कि किले को किसी भी प्रकार की क्षति नहीं पहुंचाई जाएगी।

धूमधाम से मना भाजपा का 47वां स्थापना दिवस

स्थापना दिवस के दौरान मौजूद जिलाध्यक्ष व अन्य। अमृत विचार

सीतापुर, अमृत विचार। भाजपा जिला कार्यालय पर पार्टी का 47वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला ने की। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय महामंत्री नीरज वर्मा रहे। मुख्य अतिथि ने कहा कि दो सांसदों से शुरू हुई भाजपा आज दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। जिलाध्यक्ष ने कहा पीएम मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति कर रहा है। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि पूर्व एमएलसी भरत त्रिपाठी समेत पूर्व जिलाध्यक्षों उमाकांत मिश्र, राकेश त्रिपाठी, रामनरेश मिश्रा और अजय गुप्ता का सम्मान किया गया। इस मौके पर बार एसोसिएशन. अध्यक्ष विजय अवस्थी, जया सिंह, विपुल प्रताप सिंह, रेखा वर्मा आदि मौजूद रहे।

मन्नी चौराहे पर बीच सड़क फंसा ई-रिक्शा

सीतापुर, अमृत विचार। नगर में विकास के दावों के बीच प्रशासनिक अनदेखी आमजन की जान पर भारी पड़ रही है। सड़क के बीचों बीच व किनारे खुले पड़े गड्ढे हादसों का सबब बन रहे हैं। शहर के मन्नी चौराहे की सड़कें इन दिनों राहगीरों के लिए मुसीबत का सबब बनी हुई है। शाम को जलभराव व गड्ढों के कारण एक ई-रिक्शा बीच सड़क पर धंस गया जिससे यातायात बाधित रहा। चालक ने काफी मशक्कत की लेकिन कीचड़ और मलबे के कारण रिक्शा टस से मस नहीं हुआ।

इनरव्हील क्लब ने किया पौधरोपण

बिसवां, सीतापुर। सामाजिक सरोकारों के लिए सक्रिय संस्था इनरव्हील क्लब बिसवां द्वारा ग्राम खंभा पुरवा में पर्यावरण संरक्षण एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था की सदस्यों ने गांव में पौधरोपण करने के साथ ही गौमाता की सेवा कर समाज को जीव दया का संदेश दिया। अध्यक्ष गुरमीत कौर ने कहा वृक्षों के बिना मानव जीवन की कल्पना असंभव है। कार्यक्रम में संस्था की कोऑर्डिनेटर गुंजन सेठ, रितु सिंह, अंजलि राजवंशी, मीरा सिंघल, सुनीता अग्रवाल और शिवानी अग्रवाल सहित क्लब की कई पदाधिकारी मौजूद रहीं।

पौधरोपण करते क्लब के सदस्य।

जंगली जानवर ने 4 बकरियों को बनाया निवाला

हरगांव, सीतापुर। हरगांव वन रेंज अंतर्गत सेमरी मोतिमदपुर गांव में शनिवार की रात एक जंगली जानवर ने चार बकरियों को मारडाला। हालांकि वन विभाग ने किसी छोटे जंगली जानवर की आशंका जताई है। सेमरी मोतिमदपुर निवासी उत्तम की चार बकरियां घर से कुछ दूरी पर बंधी हुई थीं। सुबह बकरियों के क्षत-विक्षत अवशेष खेतों में मिले। सूचना पर पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। फारेस्टर विवेक दीक्षित और ओमप्रकाश ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पगचिह्नों की जांच की। वन रेंजर बीनू पाल ने बताया पैरों के निशान किसी छोटे जानवर या कुत्ते जैसे प्रतीत हो रहे हैं। स्थिति स्पष्ट करने के लिए मृत बकरियों के अवशेषों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वन विभाग की टीम निगरानी कर रही है।

सपा नेत्री ने की संविधान बचाने की अपील

जनसंपर्क के दौरान उपस्थित ब्लॉक प्रमुख शांति यादव। अमृत विचार

बिसवां, सीतापुर। क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। पूर्व विधायक रामपाल यादव की पत्नी व वर्तमान ब्लॉक प्रमुख शांति यादव ने कई गांवों में जनसंपर्क किया। इस दौरान सपा नेत्री ने शिवथाना, रामपुर घेरवा, तिरकोलिया, मारू, बजेहरा और इमलीपुर सहित कई गांवों का दौरा किया। उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के कार्यकाल में हुए कार्यों को याद दिलाते हुए पीडीए पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक को मजबूत करने का आह्वान किया। इस मौके पर समीक्षा शुक्ला, शिवचरन पाल, मार्कण्डेय यादव आदि पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इशिता को मिली एमबीए की डिग्री

लहरपुर, सीतापुर। नगर के मोहल्ला बेहटी निवासी आशीष रस्तोगी की पुत्री इशिता रस्तोगी ने देश के प्रतिष्ठित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) कोझीकोड से एमबीए की डिग्री प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। संस्थान के 28वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि टाटा स्टील के सीईओ व प्रबंध निदेशक वी. नरेंद्रन ने उन्हें यह उपाधि प्रदान की। इशिता ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता और दादा सुरेश कुमार को दिया है। उनकी सफलता पर हरीश रस्तोगी, रियाज अहमद, अरुण सिंह आचार्य, शीलू शुक्ला, हसीन अंसारी और सभासद उमेश मल्होत्रा ने बधाई दी है।

मां से बात कराने के बहाने की छेड़छाड़

लहरपुर, सीतापुर। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में 10 वर्षीय बालिका से छेड़छाड़ का मामला प्रकाश में आया। पुलिस ने पीड़िता के पिता की तहरीर पर नामजद रिपोर्ट दर्ज की है। गांव निवासी बालिका अपने घर की झोपड़ी में अकेली सो रही थी। इस दौरान पड़ोस में रहने वाला 30 वर्षीय युवक बहाने से घर के अंदर दाखिल हो गया। उसने बालिका से कहा कि तुम्हारी मां का फोन है बात कर लो। इसके बाद आरोपी बालिका से छेड़छाड़ करने लगा। बालिका के शोर मचाने पर पास में सो रही उसकी चाची जाग गई। चाची के जागते ही आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गया। कोतवाली प्रभारी अरविंद सिंह ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

मोहित बने जनता दल सेक्युलर के जिलाध्यक्ष

सीतापुर, अमृत विचार। जनता दल सेक्युलर के प्रदेश अध्यक्ष ओंकार सिंह ने संगठन का विस्तार करते हुए मोहित दीक्षित को जनपद का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा मोहित के नेतृत्व में पार्टी जनपद में और अधिक मजबूत होगी। नियुक्ति के दौरान प्रदेश महासचिव धर्मेंद्र कुमार रस्तोगी व राजेंद्र सिंह रावत, राकेश शुक्ला, युवा प्रदेश सचिव वीरेंद्र पटेल, राजेश श्रीवास्तव और रमाकांत कुशवाहा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

गैंगस्टर एक्ट में वांछित तीन शातिर गिरफ्तार

सीतापुर, अमृत विचार। जिले में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली देहात पुलिस ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर एक्ट में वांछित तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई एसपी अंकुर अग्रवाल के निर्देश पर सीओ सदर नेहा त्रिपाठी के नेतृत्व में की गई। प्रभारी निरीक्षक अमर सिंह के मुताबिक वांछित प्रशांत उर्फ डाकू निवासी पीरपुर, लुकमान निवासी शाह महोली व दीनदयाल निवासी शाहमहोली को गिरफ्तार किया गया है।

खेत गिरवी रखने के विवाद में छह लोग घायल

सीतापुर, अमृत विचार। तंबौर थाना क्षेत्र के शेखन टोला में देर रात खेत गिरवी रखने को लेकर दो पक्षों में जमकर लाठी-डंडे चले। झड़प में महिलाओं समेत एक ही पक्ष के 6 लोग घायल हो गए। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। विवाद खेत गिरवी रखने के दबाव को लेकर शुरू हुआ। पीड़िता जहरुन निशा ने बताया कि उनके रिश्ते के चाचा अजारू खेत गिरवी रखने के लिए मजबूर कर रहे थे। जब उनकी बेटी ने इसका विरोध किया, तो दूसरे पक्ष ने लाठी-डंडों, लोहे की रॉड और बांके से हमला कर दिया। बीच सड़क हुई इस मारपीट से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। चीख-पुकार सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने घायलों को बचाया और सीएचसी में भर्ती कराया।

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 8 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

घर में घुसकर महिला पर हमला, केस दर्ज

खीरों : थाना क्षेत्र के गांव शिवपुर हुसैनाबाद मजरे हरदी निवासी बिंदादेई पत्नी कंधई लाल कुरील ने पुलिस को तहरीर दी है। आरोप है कितौन मार्च की रात गांव के रामबहादुर के बेटे पवन कुमार लोधी, बेटी गोमती और बहू तथा पत्नी ने घर में घुसकर जातिसूचक गालियां देते हुए लाठी डंडों और कुल्हाड़ी से हमलाकर घायल कर दिया। ग्रामीणों के बीच बचाव करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। प्रभारी निरीक्षक सन्तोष कुमार सिंह ने बताया कि पीड़िता के शिकायती पत्र के आधार पर क्षेत्राधिकारी लालगंज के आदेश पर नामजद आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। विधिक कार्रवाई की जा रही है।

तमंचा व कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

खीरों : थाना क्षेत्र के खांडेपुर पुलिया और बनईमऊ गांव के बीच से सोमवार की रात खीरों पुलिस ने एक युवक के पास से एक देशी तमंचा और कारतूस बरामद किया है। प्रभारी निरीक्षक सन्तोष कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार की रात लगभग नौ बजे उपनिरीक्षक सन्तोष कुमार कुशवाहा अपने साथियों के साथ क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे। तभी खांडेपुर पुलिया और बनईमऊ गांव के बीच से रायपुर निवासी रमेश वर्मा पुत्र स्व. शिवदयाल वर्मा के पास से एक देशी तमंचा और कारतूस बरामद किया है। कानूनी कार्रवाई करने के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

पत्नी और बच्ची को घर से निकाला

ऊंचाहार : ऊंचाहार थाना क्षेत्र के अंतर्गत सलारपुर मजरे इटौरा बुजुर्ग गांव की निवासी गुड्डी पटेल ने पति के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। आरोप है कि उसका पति नरेंद्र कुमार पिछले काफी समय से घरेलू मामलों को लेकर विवाद कर रहा है। पति पर मारपीट व मोटर साइकिल की मांग करने का भी आरोप है। मांग पूरी न होने पर आरोपी ने मोबाइल छीन कर पीड़िता को उसकी 6 वर्षीय पुत्री समेत घर से बाहर निकाल दिया। पीड़िता ने पुलिस से मामले को दर्ज कर कार्रवाई की गुहार लगाई है।

खूनी संघर्ष में नौ लोग घायल, भर्ती

महराजगंज : थाना क्षेत्र के पूरे अचली गांव निवासी रामबक्स और राममनोहर के बीच लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। रामबक्स की पत्नी चंद्रावती ने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि सोमवार शाम करीब दस लोग, जिनमें राममनोहर, देशराज, बुधना, रामरानी, सुधीर कुमार, रामऔतार, राम दुलारी, रीना, गीता और छेद्दू शामिल थे, उनकी सहन की भूमि पर कब्जा करने की नीयत से आए। उन्होंने गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। चंद्रावती ने बताया कि जब उनकी बेटियों ज्योति, पूजा, अंतिमा और जेठानी शांति देवी ने इसका विरोध किया, तो उन्हें भी पीटा गया। घटना की सूचना पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सीएचसी पहुंचाया। देर रात सीएचसी में घायलों के चिकित्सकीय परीक्षण के दौरान, परिसर के बाहर सड़क पर दोनों पक्षों में फिर से मारपीट हो गई। जिसमें पूरे अचली गांव के पंचायत सहायक पवन कुमार का सिर फट गया। सीएचसी परिसर के बाहर मारपीट की जानकारी मिलते ही अधीक्षक डॉ. गणनायक पाण्डेय ने पुलिस को बुलाया, जिसके बाद झगड़ा शांत हुआ। इस जमीनी विवाद में दोनों पक्षों से कुल नौ लोग घायल हुए हैं, जिन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है। एक पक्ष से गीता पत्नी लालबहादुर, बुधना पत्नी राममनोहर और सुधीर कुमार घायल हुए हैं। वहीं, दूसरे पक्ष से पूजा, महिमा, चंद्रावती, शांति और पवन कुमार घायल हैं। सभी घायलों को जिला रेफर किया गया है।

जांच करने पहुंचे खनन अधिकारी ट्रक की चपेट में आकर घायल

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। मिल एरिया थाना क्षेत्र में मंगलवार तड़के खनन की जांच कर रहे खनन अधिकारी की स्कॉर्पियो में अज्ञात ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में खनन अधिकारी सुरेश लकड़ा बाल-बाल बच गए। जबकि वाहन क्षतिग्रस्त हो गया।

जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह लगभग चार बजे खनन अधिकारी सुरेश लकड़ा अपनी टीम के साथ शारदा नहर स्थित रिंग रोड पर अवैध खनन की जांच करने निकले थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे मौरंग लदे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी स्कॉर्पियो में टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद ट्रक चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

वहीं इस बारे में मिल एरिया थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि अज्ञात ट्रक व चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से ट्रक की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

चलने लायक नहीं रही ऊंचाहार ओवरब्रिज की सर्विस रोड

ऊंचाहार (रायबरेली)

समस्या

- मामूली बरसात में भी इन मार्ग पर भर जाता है पानी

अमृत विचार। नगर की पुरानी रेलवे क्रॉसिंग पर रेलवे आवागमन सुगम करने के उद्देश्य से अंडर पास का निर्माण कर रहा है किंतु एनएचएआई ओवर अपनी सर्विस रोड दुरुस्त करने में कोई रुचि नहीं दिखा रहा है। जिसके कारण नगर के लोगों की हालत बद से बदतर हो गई है।

नगर की रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज निर्माण के बाद से दोनों ओर न तो सर्विस रोड बनी थी और न ही जलनिकासी के लिए नालियों का निर्माण किया गया था। केवल एनटीपीसी जाने वाले मार्ग के सर्विस रोड को दुरुस्त किया गया था। उसके बाद से आज तक इन सर्विस रोड की ओर ध्यान ही नहीं दिया गया। जिसके कारण मामूली बरसात में भी इन मार्ग पर पानी भर जाता है और आने जाने वाले वाहनों की वजह से भारी भारी गड्ढा बन जाता है। परिणाम स्वरूप रोज हादसे होते रहते हैं। अब सवाल ये उठता है कि रेलवे द्वारा अंडर पास बनाए जाने के बाद भी जब तक एनएचएआई सर्विस मार्गों को दुरुस्त नहीं कराएगा तब तक आवागमन सुगम कैसे होगा। जैसा प्रतीत हो रहा है कि एनएचएआई इन सर्विस रोड को दुरुस्त करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रहा है। क्योंकि सर्विस रोड और नाली निर्माण की मांग को लेकर स्थानीय लोग और नगर न्यापार मंडल ने कई बार जिले के प्रशासनिक और एनएचएआई के अधिकारियों को पत्र लिखा, व्यक्तिगत मुलाकात करके अपनी पीड़ा बताई, किंतु एनएचएआई के कानों में जूं तक नहीं रेंगी है। इधर हालात दिन ब दिन बद से बदतर होते जा रहे है और नगर के लोग नरकीय जीवन जीने को मजबूर है।

ऊंचाहार ओवरब्रिज की सर्विस रोड में भरा पानी। अमृत विचार

> ऊंचाहार ओवर ब्रिज सर्विस रोड निर्माण हेतु टेंडर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। जल्द ही निर्माण शुरू होगा। रेलवे क्रॉसिंग से मनी का पुरवा की तरफ नाली का भी निर्माण होगा।
> -किरन चौधरी, अवर अभियंता, लोक निर्माण विभाग।

वहीं इस संबंध में अंशुमान सिंह, इंजिनियर, एनएचएआई का कहना है कि ओवरब्रिज की सर्विस रोड को लोक निर्माण विभाग को हस्तांतरित कर दिया गया है। इसका निर्माण अब पीडब्ल्यूडी की जिम्मेदारी है।

पहली पसंद बनी प्राइवेट पब्लिकेशन्स की किताबें

एनसीईआरटी की किताबें दरकिनार कर रहे निजी विद्यालय, सरकार के निर्देशों की भी नहीं कर रहे फिक्र

संवाददाता, रायबरेली

कमीशन का खेल

- छात्रों से दूर हो रहीं हैं एनसीईआरटी की किताबें

अमृत विचार। स्कूलों और बुक सेलर्स के बीच बढ़ते कमीशन के खेल ने अब छात्रों की पढ़ाई पर असर डालना शुरू कर दिया है। एक ओर जहां प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए युवा एनसीईआरटी की किताबों से तैयारी करते हैं। वहीं विद्यालय संचालक कमीशन की मोटी रकम के चक्कर में इन किताबों से बच्चों को दूर करने में लगे हुए हैं। संबंधित विभागीय अधिकारियों की शिथिलता का खामियाजा अभिभावकों को भुगतना पड़ रहा है।

जिले में चार हजार से अधिक नर्सरी से लेकर इंटर तक के विद्यालय संचालित हैं। इसमें दो हजार से अधिक कक्षा एक से आठ तक परिषदीय विद्यालय हैं। वहीं करीब पांच सौ यूपी बोर्ड से जुड़े हैं। इन सबके अलावा अंग्रेजी माध्यम के नाम से प्ले ग्रुप से लेकर कक्षा पांच तक के करीब पांच सौ विद्यालय शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित हैं। इसी तरह सीबीएसई, आईसीएसई, यूपी बोर्ड के कक्षा छह से 12 तक एक हजार से अधिक विद्यालय है। सरकारी स्कूलों जहां निःशुल्क किताबे बच्चों को दी जा रही हैं।

कक्षा नौ से 12 तक एनसीईआरटी की किताबें होती हैं, जिनकी कीमत बमुश्किल तीन सौ से पांच सौ तक प्रति कक्षा है। वहीं निजी विद्यालय इन किताबों को दरकिनार कर मोटी कमाई के लिए प्राइवेट पब्लिकेशन्स पर पूरा ध्यान केंद्रित करके बकायदा सूची तक विद्यालय से अभिभावकों को दे रहे हैं। इसमें हाईस्कूल और इंटर में कई किताबें ऐसी होती है, जिनकी कीमत एक से डेढ हजार रुपये तक हैं। ऐसे में जहां अभिभावक अधिकतम पांच सौ रुपये तक में बच्चों को किताबें उपलब्ध करा सकता है। वहीं विद्यालय संचालक के दबाव में आठ से 10 हजार रुपये तक खर्च करने पड़ रहे हैं।

एक ही दुकान में पूरा पैकेज: शहर के कैनाल रोड और लखनऊ रोड पर संचालित स्कूल का खेल अजब है। यहां की किताबें सिर्फ एक ही दुकान पर मिलती है। सबसे खास बात यह है कि यह दुकान मार्च से जुलाई महीने तक ही संचालित होती है। इसके बाद बंद हो जाती है। इसी तरह शहर के नामचीन अन्य विद्यालयों में भी कुछ ऐसा ही हाल है। इनके भी बुक सेलर्स निर्धारित है।

अभिभावक का कहना, जिम्मेदारी से बच रहे जिम्मेदार

पूर्व सभासद संजय सिंह का कहना है कि कई निजी स्कूलों में जानबूझकर एनसीईआरटी की किताबों के बजाय महंगी प्राइवेट पब्लिशर्स की किताबें थमाई जा रही हैं, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। एनसीईआरटी की किताबें सस्ती और सिलेबस के अनुसार होती हैं, लेकिन इनमें स्कूलों और दुकानदारों को कमीशन नहीं मिलता। अधिवक्ता गोविंद सिंह का कहना है कि प्रदेश के शिक्षा मंत्री को इस पर कठोर कानून बनाना चाहिए और जिस तरह से एक आम अभिभावक का शोषण प्राइवेट स्कूल कर रहे हैं उस पर सख्ती करनी चाहिए। जिले के आला अधिकारियों को भी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना चाहिए। महराजगंज क्षेत्र के पुरासी गांव निवासी महेश प्रसाद का कहना है कि जिले के अधिकारी यदि सख्त हो जाए तो अभिभावक शोषण होने से बच सकते हैं। अभिभावक शशिकांत शुक्ला का कहना है कि स्कूलों द्वारा महंगी किताबें लागू करने से उनकी जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। प्रशासन को उचित कदम उठाना चाहिए, ताकि सरकार की विश्वसनीयता पर कोई आंच ना आए। साथ ही, यह भी जरूरी है कि स्कूलों की किताबों की सूची पर निगरानी रखी जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोका जा सके।

संजय सिंह।

गोविंद सिंह।

महेश प्रसाद।

शशिकांत शुक्ला।

समिति में जयप्रकाश अग्रहरि बनाए गए सदस्य

डीह। उत्तर प्रदेश शासन एवं भारतीय जीव-जन्तु कल्याण बोर्ड, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार जनपद में पशु कल्याण समिति के गठन की प्रक्रिया पूरी की गई। इस समिति के अंतर्गत धारा 7 के अनुसार चार सदस्यों को नामित किया गया है, जिसकी अध्यक्षता जिलाधिकारी द्वारा की जाएगी। इस समिति में विकास खंड डीह से युवा समाजसेवी एवं ग्राम प्रधान प्रतिनिधि इंजीनियर जय प्रकाश अग्रहरि (शुभम अग्रहरि) को सदस्य के रूप में चुना गया है। जय प्रकाश ने इस जिम्मेदारी के लिए प्रशासन, सलोन विधायक अशोक कुमार और क्षेत्रीय संगठनों के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

जयप्रकाश अग्रहरि।

बच्चों ने शिक्षा और स्वच्छता का दिया संदेश

जागरूकता रैली निकालते बच्चे। अमृत विचार

बछरावां। विकास क्षेत्र के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों द्वारा मंगलवार को "स्कूल चलो अभियान" एवं "संचारी रोग नियंत्रण अभियान" के अंतर्गत जागरुकता रैली का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों ने पंक्तियों में गांव का भ्रमण करते हुए माताओं और बहनों को स्कूल में नामांकन एवं नियमित उपस्थित हेतु विशेष रूप से जागरूक किया। रैली में विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों ने भी लोगों से अपील की कि वे शिक्षा के महत्व को समझें और अपने बच्चों का नामांकन अनिवार्य रूप से विद्यालयों में कराएं। इस अभियान के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय भैरमपुर, मेहरबान खेड़ा, शेखपुर समोधा, गोझवा, सुबन्स खेड़ा, पस्तौर, महेरी, कलागढ़ी, विनायकपुर रानीखेड़ा आदि विद्यालयों ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम में आशुतोष शुक्ला, अभिनव सिंह, मो. आरफीन, संगीता गौतम, नीरज शुक्ला, प्रशांत मोहन, शशिलेश कुमार, लोकतंत्र शुक्ला आदि लोग मौजूद रहे।

प्रशिक्षण प्रमाण पत्र से महामंत्री सम्मानित

लालगंज। भाजपा के प्रांतीय परिषद सदस्य और सरेनी विधानसभा संयोजक सुशील शुक्ला ने गेगासो मंडल के महामंत्री दल बहादुर सिंह को पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान 2026 से संबंधित प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्रदान किया। उन्होंने बताया कि दल बहादुर सिंह ने मंडल प्रशिक्षण में सक्रिय रूप से भाग लिया और सफलतापूर्वक मेधावी श्रेणी में प्रशिक्षण उत्तीर्ण किया। प्रशिक्षण प्रमाण पत्र मिलने पर भाजपा कार्यकर्ताओं अनूप पांडे, सुरेंद्र गुप्ता, अशोक शुक्ला, सुशील दीक्षित, धर्मेंद्र सिंह, राम प्रकाश सिंह, अभिषेक शुक्ला, संतोष सिंह, डॉ. चंद्र प्रताप सिंह, प्रियंका तिवारी आदि लोगों ने खुशी जाहिर की है।

सारा जीवन समाज की सेवा में समर्पित : सुनील

बच्चों के साथ जन्मदिन मनाते प्रबंध निदेशक सुनील सिंह। अमृत विचार

लालगंज, अमृत विचार। बीएमपीएस परिवार के मुखिया प्रबंध निदेशक सुनील सिंह ने अपना जन्म दिन सादगी पूर्वक बच्चों संग मनाया। उन्होंने कहा कि उनका यह जीवन सदैव समाज की सेवा के लिए समर्पित है। इस मौके पर भाजपा के प्रांतीय परिषद सदस्य सुशील शुक्ला, अतुल त्रिपाठी, देवेश अग्निहोत्री, शीतला गुप्ता, चंद्रशेखर शरण सिंह, विजय सिंह, संजय सिंह, मोहम्मद याकूब ने भी बीएमपीएस के एमडी सुनील सिंह के जन्म दिवस पर उन्हें बधाई दी है।

छिनैती करने वाले दो बाल अपचारी गिरफ्तार

रायबरेली, अमृत विचार। थाना भदोखर क्षेत्र में 6 अप्रैल 2026 को हुई वारदात में दो बाल अपचारियों ने एक महिला से 18 हजार 700 रूपये छिनैती की थी। पीड़ित छेदाना पत्नी श्यामलाल ग्राम पुरे केसरी मजरे झकरासी ने पुलिस को बताया कि उन्होंने अपनी भैंस 19 हजार रूपये में बेची थी और ये पैसे अपने भतीजे के साथ बैंक मुंशीगंज में जमा कराने आई थीं। बैंक पहुंचने पर भतीजे ने पैसों को अपने दोस्त के पास ले जाने का प्रस्ताव रखा। रास्ते में जुबेलेशन होटल के पास एक लड़के ने महिला के हाथ से झोला छीनकर भाग गया। महिला को शक है कि यह योजना उनके भतीजे और उसके साथी ने मिलकर बनाई थी। पुलिस अधीक्षक रवि कुमार के निर्देश पर थाना भदोखर पुलिस ने जांच शुरू की। 7 अप्रैल को घटना को अंजाम देने वाले दो बाल अपचारियों को पुलिस ने 18 हजार 700 रुपये और एक मोटरसाइकिल के साथ पुलिस अभिरक्षा में लिया। किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष दोनों को पेश किया गया। पूछताछ में एक बाल अपचारी ने स्वीकार किया कि उन्होंने योजना बनाकर महिला को हाईवे पर लेकर आए और साथी ने झोला छीन लिया। दोनों बाल अपचारियों का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। पुलिस ने बरामद राशि, झोला और मोटरसाइकिल को प्रमाण के तौर पर सीज किया। अधिकारियों ने बताया कि बच्चों की उम्र के कारण उन्हें किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया गया है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। यह कार्रवाई जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों के विरुद्ध अभियान का हिस्सा है।

चेकिंग अभियान में दो वाहन सीज, हड़कंप

बछरावां (रायबरेली) अमृत विचार। थाना क्षेत्र में एआरटीओ प्रवर्तन उमेश कटियार द्वारा की जा रही कार्रवाई से वाहन स्वामियों में हड़कंप मचा हुआ है। उन्होंने दो वाहनों को सीज करते हुए कुल छह वाहनों पर कार्रवाई की है। एआरटीओ प्रवर्तन उमेश कटियार ने बताया कि आज सुबह स्कूल वाहनों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए चार स्कूली वाहनों की परमिट न होने पर उन पर कार्रवाई की गई है। साथ ही साथ दो ओवरलोड वाहनों के ऊपर कार्रवाई करते हुए उन्हें सीज कर बछरावां थाना क्षेत्र के अंतर्गत चुरुवा चौकी पर खड़ा कर दिया गया है।

निर्माणाधीन पानी टंकी पर मेरठ का पवन करवा रहा था बालश्रम

महराजगंज (रायबरेली)

- 29 मार्च को पानी टंकी से गिरकर कुनाल की हुई थी मौत

अमृत विचार। पानी टंकी पर बुलाकर बाल श्रम कराने वाला ठेकेदार मेरठ का रहने वाला है। केस दर्ज होने के बाद मृतक की मां द्वारा बताए गए मोबाइल नंबर के जरिए पुलिस ने ठेकेदार को खोज निकला। केस में नामजद करते हुए पुलिस तलाश में जुट गई है। घटना के बाद से पानी टंकी पर पूरी तरह निर्माण कार्य ठप है।

ठाकुरपुर मजरे कैडावा गांव में जलजीवन मिशन में तहत पानी टंकी का निर्माण हो रहा है। आरोप है कि 29 मार्च को गांव के राम निवास के 14 वर्षीय पुत्र कुनाल को पानी टंकी में कर्मचारी के फोन कर काम करने के लिए बुलाया। लोहे की पाइप चढ़ाते समय कुनाल पानी टंकी से करीब 50 फीट की ऊंचाई से अटकते, फसते हुए जमीन पर गिर गया। घटना में उसकी मौत हो गई। मृतक की मां मीना देवी में शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया। तहरीर में दिया गया मोबाइल नंबर मेरठ में पवन कुमार का है। कोतवाल जगदीश यादव ने बताया कि मोबाइल नंबर के जरिए ठेकेदार का पता किया गया। मेरठ के सरधना थाना क्षेत्र के निवासी पवन कुमार ने ही कुनाल से मजदूरी करने के लिए बुलाया था। जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

ठाकुरपुर मजरे कैडावा गांव में निर्माणाधीन पानी की टंकी। अमृत विचार

दिशा की बैठक में मुद्दा उठने पर तेज ही कार्यवाही: सोमवार को आयोजित दिशा की बैठक में बछरावा विधायक श्याम सुन्दर भारती ने यह मुद्दा उठाया। जिसके बाद हरकत में आई पुलिस ने कार्यवाही तेज कर दी है। विधायक श्याम सुन्दर भारती ने बताया कि पुलिस मामले में हीला हवाली कर रही है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर कार्यवाही न की गई तो आंदोलन भी होगा।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर निकली रैली

ऊंचाहार (रायबरेली)

किया गया जागरूक

- ध्यान एवं व्यायाम को बताया गया बहुत जरूरी

एनटीपीसी में स्वास्थ जागरूकता रैली निकालते लोग। अमृत विचार

आयोजित कार्यक्रम में मौजूद छात्र छात्राएं और शिक्षिकाएं। अमृत विचार

अमृत विचार। एनटीपीसी में विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य जागरूकता प्रभात फेरी निकाली गई। जिसका नेतृत्व परियोजना के महाप्रबंधक आशुतोष बिस्वास ने किया। उन्होंने कहा कि तनाव मुक्त तथा वर्क लाइफ बैलेंस के लिए ध्यान एवं व्यायाम बहुत जरूरी है इससे तन के साथ साथ मन भी स्वस्थ होता है।

परियोजना चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंतोष कुमार ने सभी स्वागत किया तथा कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। प्रभात फेरी में उपस्थित जन समूह को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी साझा की गई। रैली में विभागाध्यक्ष, यूनियन एवं एसोसिएशन के पदाधिकारी, जीवन ज्योति अस्पताल के डॉक्टर, पैरा मेडिकल स्टाफ, महिलाएं, स्कूली बच्चे आदि लोग उपस्थित रहे।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर बच्चों को किया जागरूक, रायबरेली: शहर के आचार्य द्विवेदी नगर स्थित लियो कान्वेन्ट स्कूल में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर विभिन्न आयोजन हुए। इसमें सर्वप्रथम डा. रिशिका सिंह के द्वारा छात्र-छात्राओं को स्वस्थ रहने के उचित दिनचर्या एवं योग की जानकारी दी गयी। इसके उपरांत इनरव्हील क्लब की अध्यक्षा वैशाली चन्द्रा, संयुक्त सचिव शिल्पी सिंह और प्रशिक्षिका रितिका गुप्ता द्वारा छात्र-छात्राओं को आत्मरक्षा के लिए कराटे प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसमें विद्यालय के छात्र सम्राट, उत्कर्ष, आस्था, ईशू, उत्कर्ष राज, अमायरा, श्री, आराध्य, सूर्य, ऋषभ, राशि, कृतिका, आर्या, तन्वी, तमशील, शिविका, पूर्वी, प्रतिष्ठा, ऐशवर्य, अम्रतांश, अंश, शिखर, सर्वज्ञ, विवान, सारांश, आयुष, अथर्व, विराट, आकर्षक, कृतिका यादव, प्रांजल पटेल, आदर्श, अरूनिता, श्रष्टि और आकृति ने प्रतिभाग किया। संचालन गरिमा मिश्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रबंध निदेशिका शुभ्रा सिंह, प्रधानाचार्या दीपा तिवारी, मो. आदिल, महेन्द्र प्रताप सिंह आदि उपस्थित रहे।

समस्या एक वर्ष बाद भी हैंडओवर नहीं किया गया करोड़ों रुपए से नवनिर्मित कस्तूरबा विद्यालय

बेटियों की पढ़ाई की नहीं चिंता, सफेद हाथी बनी नवनिर्मित इमारत

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। "बेटी पढ़ाओ, देश बढ़ाओ" जैसे नारों की आड़ में किस तरह सरकारी खजाने को खाली किया जा रहा है, इसकी बेशर्म तस्वीर जगतपुर और दीन शाह गौरा में साफ दिखाई दे रही है। यहां करोड़ों रुपये खर्च कर बनाए गए कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का भवन पिछले एक साल से ताले में जकड़ा हुआ है। नवनिर्मित भवन के तैयार होने का एक वर्ष बीत रहा है इसके बावजूद विभागीय जिम्मेदार खामोश हैं।

बता दें कि कक्षा 9 और 10 की बालिकाओं को बेहतर शिक्षा, सुरक्षित वातावरण और आधुनिक सुविधाएं देने के नाम पर विभाग ने शासन से मोटी रकम ऐंठ ली। कागजों में शानदार भवन, स्मार्ट क्लास, बेहतर संसाधन यहां तक की सब कुछ दिखाया गया, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि यह "सपनों का विद्यालय" आज भी भूत बंगले की तरह वीरान खड़ा है, जिसके गेट पर जड़ा ताला हर दिन सरकारी दावों की पोल खोल रहा है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि भवन निर्माण पूरा हुए एक साल बीत चुका है, लेकिन न तो इसे हैंडओवर किया गया और न ही इसका उद्घाटन करने की जहमत उठाई गई। एक वर्ष बीतने के बाद इस विद्यालय में शिक्षण कार्य संचालित न किए जाने के पीछे का राज तो विभागीय जिम्मेदार ही जाने।

दीनशाह गौरा स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में लगा ताला।

दीनशाह में नवनिर्मित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का भवन।

सूत्रों की मानें तो इस पूरे प्रोजेक्ट में करोड़ों रुपये खर्च किए गए। निर्माण कार्य में गुणवत्ता की अनदेखी, लागत में भारी हेरफेर और कागजों पर फर्जी प्रगति दिखाकर पैसा हड़पने का गंभीर आरोप लग रहे हैं। शायद यही वजह है कि भवन तैयार होने के बावजूद उसे उपयोग में नहीं लाया जा रहा। इधर, जिन बेटियों के भविष्य को संवारने का दावा किया गया था, वे आज भी बदहाल स्कूलों में पढ़ने को मजबूर हैं। उन्हें न तो बेहतर कक्षाएं मिल रही हैं, न ही सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण। कागजों में उन्हें जो "आधुनिक शिक्षा" दी जा रही है, वह सिर्फ फाइलों और रिपोर्टों तक सीमित है। असल में यह पूरा मामला "कागजों पर शिक्षा, जमीन पर सन्नाटा" होने का जीता-जागता प्रमाण है। स्थानीय लोगों ने इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। यह मामला सिर्फ एक बंद पड़े विद्यालय का नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की नीयत और नाकामी का आईना है। अगर करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद एक वर्ष बीतने के बाद भी कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय चालू नहीं हो पा रहा, तो यह सीधे-सीधे प्रशासनिक तानाशाही और भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा है।

स्थानीय लोगों ने की जांच कराने की मांग

फिलहाल यह जांच का विषय है। स्थानीय लोगों ने शासन से पूरे प्रकरण का संज्ञान लेकर उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि दोषियों की पहचान कर उन पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई भी अधिकारी बेटियों के भविष्य के साथ इस तरह खिलवाड़ करने की हिम्मत न कर सके। वरना यह ताला सिर्फ एक भवन पर नहीं, बल्कि पूरे तंत्र की नाकामी और संवेदनहीनता पर लगा हुआ माना जाएगा। लोगों का यह भी कहना है कि सपने तो बड़े दिखाए जाते हैं, लेकिन हकीकत में सब कुछ सन्नाटे में कैद रहता है।

न्यूज ब्रीफ

बैंक ने नहीं खोला मंदिर ट्रस्ट का खाता, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

डीह (रायबरेली) : महीनों से परेशान ग्रामीणों ने बैंक ऑफ बड़ौदा खेतौधन शाखा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया है। मामला दिलवालपुर ग्राम पंचायत के महाकालेश्वर मंदिर निर्माण ट्रस्ट से जुड़ा है। ट्रस्ट अध्यक्ष सूरज मौर्य ने बताया कि उन्होंने 21 जनवरी 2026 को खाता खुलवाने के लिए बैंक में पच्चीस हजार रुपए नगद और पांच हजार रुपए ऑनलाइन जमा किए। साथ ही खाता खोलने के सभी कागजात बैंक अधिकारियों को सौंप दिए। लेकिन कई महीने बीत जाने के बावजूद खाता न खुल पाया और न ही जमा किए गए पैसे व कागजात लौटाए गए। बैंक अधिकारी बार-बार कागजात में कमी बताकर मामले को टालते रहे। जब ट्रस्ट ने पैसा वापस मांगने की कोशिश की, तो उन्हें धमकियां भी दी गईं। इसके बाद ट्रस्ट अध्यक्ष ने 4 अप्रैल को डीह थाने में शिकायत दर्ज कराई। कोई कार्रवाई नहीं होने पर मंगलवार को ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने जिला पंचायत प्रत्याशी प्रदीप यादव (राजा) के नेतृत्व में बैंक के सामने धरना प्रदर्शन किया। उन्होंने मामले की जांच और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। शाखा प्रबंधक अमित वर्मा ने बताया कि मामला फर्जी है और किसी अधिकारी ने पैसा नहीं लिया। इस विवाद ने स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश पैदा कर दिया है।

तीन दिवसीय मानस सम्मेलन आज से

बछरावां (रायबरेली) : कुंदनगंज कस्बा में त्रिमूर्ति माता मंदिर के वार्षिकोत्सव के अवसर पर श्री बाजपेई बाबा मंदिर में 8 अप्रैल से तीन दिवसीय श्री रामचरित मानस सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। मानस मनीषी भगवान श्रीराम की पावन पुनीत कथा सुनाएंगे। यह जानकारी आयोजन समिति के सदस्य राज कुमार चौरसिया ने दी है। उन्होंने बताया संत सम्मेलन में मानस वक्ता सुश्री आस्था द्विवेदी जबलपुर मध्य प्रदेश, साध्वी पुष्पांजलि शुक्ला कानपुर के अलावा संजय महराज, आचार्य गौरी शंकर शुक्ला, अश्विनी कुमार मिश्र प्रमुख रूप से भाग लें रहें हैं।

रात 10 बजे के बाद डीजे पर लगी रोक

संग्रामपुर (अमेठी) : मंगलवार को थाना संग्रामपुर में प्रभारी निरीक्षक संजय सिंह की अध्यक्षता में डीजे संचालकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए गए प्रभारी निरीक्षक ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक डीजे, लाउडस्पीकर या किसी भी प्रकार के एम्प्लीफाइड म्यूजिक सिस्टम का संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। यह नियम ध्वनि प्रदूषण नियम, 2000 के तहत लागू है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि निर्धारित समय के बाद कोई भी डीजे तेज आवाज में बजता पाया गया, तो संबंधित उपकरणों को जब्त कर संचालक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रभारी निरीक्षक संजय सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में इस नियम को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए बैठक की गई है।

दुकानदार पर जानलेवा हमला

तिलोई (अमेठी) : मोहनगंज थानाक्षेत्र के अंतर्गत ग्राम असनी निवासी अखिलेश कुमार पुत्र राम किशोर ने बताया कि बीते दिन सोमवार की देर शाम करीब 9 बजे तहसील मोड़ स्थित अपनी दुकान बंद करके घर जा रहा था। तभी रास्ते में असनी मार्ग पर स्थित कल्लू बीर बाबा के पास पहले से घात लगाए बैठे अज्ञात लोगों ने एकाएक अचानक लाठी डंडा व हांकियो से हमला कर दिया और जमकर पिटाई कर दिया। घायल युवक को लेकर तिलोई अस्पताल पहुंचाया गया।

मोबाइल ऐप से होगा सर्वे, तैयारी में जुटा प्रशासन

जनगणना-2027 : जिलों को बांटा गया ब्लॉकों में, 22 मई से शुरू होगा प्रथम चरण, तैयार किए जा रहे प्रशिक्षक

केशव बाजपेयी, अमेठी

अमृत विचार। जनगणना 2027 को लेकर प्रशासनिक स्तर पर व्यापक तैयारी चल रही है। प्रशासन की ओर से जिले को छोटे-छोटे ब्लॉकों में बांटा है जिससे कोई भी घर सर्वे के दौरान न छूट पाए। जनगणना के लिए दस हजार से अधिक कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। 15 साल बाद होने वाली जनगणना इस बार पूरी तरह डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी, जिसमें मोबाइल ऐप और आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाएगा।

जिला प्रशासन की ओर से प्रशिक्षक तैयार किए जा रहे हैं जिससे वह प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित कर सकें। अब से पूर्व जनगणना 2011 के दौरान हुई थी। यह जनगणना 2021 में होनी थी लेकिन किन्हीं कारणों से शुरू नहीं हो सकी। डीएम संजय चौहान ने बताया कि जनगणना के लिए अभी मास्टर ट्रेनर्स तैयार किए जा रहे हैं। जिसको लेकर मंगलवार को डीएम संजय चौहान व एसपी सरवणन टी ने बैठक की और अधिकारियों को निर्देश दिए।

वहीं जिलाधिकारी संजय चौहान ने बताया कि लोग स्वयं पोर्टल या मोबाइल ऐप के जरिए अपनी और अपने परिवार की जानकारी भर सकेंगे। हालांकि, इस डेटा का सत्यापन करने के लिए गणनाकर्ता घर पर जरूर आएंगे। इस बार जनगणना पूरी तरह से डिजिटल होगी। इसमें मोबाइल और टैबलेट का उपयोग होगा। इसके लिए मास्टर ट्रेनर्स तैयार किए जा रहे हैं। जिससे वह ब्लॉकों और नगरीय क्षेत्रों में होने वाले प्रशिक्षण के दौरान कर्मचारियों को प्रशिक्षित कर सकें। जनगणना पूरी पारदर्शिता के साथ होगी।

तैयारियों को लेकर बैठक करते डीएम एवं एसपी। अमृत विचार

इस बार हाईटेक होगी जनगणना

डीएम संजय चौहान ने बताया कि इस बार की जनगणना हाईटेक होगी। इस बार ऑफलाइन जनगणना नहीं होगी। कागज और रजिस्टर का उपयोग बिल्कुल नहीं होगा। यह कार्य मोबाइल और टैबलेट के द्वारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कर्मचारी मोबाइल एप्लिकेशन के जरिए डेटा सीधे फीड करेंगे। डेटा की मॉनिटरिंग जनगणना प्रबंधन एवं निगरानी प्रणाली पोर्टल के माध्यम से रियल टाइम में की जाएगी, जिससे जनगणना पारदर्शिता और त्रुटि रहित हो सके। शासन के निर्देश पर जनगणना शुरू होगी। जनगणना दो चरणों में होगी। पहला चरण 22 मई से शुरू हो रहा है। जनगणना का पहला चरण 22 मई से 20 जून तक चलेगा जिसमें मकानों की लिस्टिंग और उनकी गिनती की जाएगी द्वितीय चरण 9 फरवरी से 28 फरवरी 2027 तक चलेगा।

उत्पादन जानने के लिए डीएम ने कराई गेहूं की क्रॉप कटिंग

क्रॉप कटिंग करवाते डीएम व मौजूद अन्य अधिकारी।

संवाददाता, अमेठी अमृत विचार। जिलाधिकारी संजय चौहान ने मंगलवार को तहसील गौरीगंज के ग्राम पंचायत तुलसीपुर में गेहूं की फसल का उत्पादन जानने के लिए क्रॉप कटिंग कराई। इस दौरान डीएम राजस्व व कृषि विभाग की टीम के साथ किसान रामसिंह के खेत पर पहुंचे और अपने सामने 43 .03 वर्ग मीटर क्षेत्र में गेहूं की फसल की क्रॉप कटिंग कराकर उसका तौल कराया। कटाई के बाद गेहूं का वजन 12 .560 किलोग्राम निकला, जिसके आधार पर प्रति हेक्टेयर औसत उत्पादन 29 क्विंटल आंका गया। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों को क्षतिपूर्ति का भुगतान करने में क्रॉप कटिंग के आंकड़ों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। इसलिए फसल उत्पादन का सही आंकलन करने के लिए यह प्रक्रिया कराई जाती है। इस दौरान डीएम ने किसानों से सीधे संवाद कर उन्हें अपने नजदीकी सरकारी क्रय केंद्रों पर गेहूं बेचने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसान सरकारी केंद्रों पर गेहूं बेचें, जिससे उन्हें उचित समर्थन मूल्य मिल सके। साथ ही जिलाधिकारी ने किसानों से खेतों में फसल अवशेष न जलाने की अपील करते हुए पर्यावरण संरक्षण में सहयोग देने का आग्रह किया। इस अवसर पर उप कृषि निदेशक सत्येंद्र कुमार, जिला कृषि अधिकारी डॉ. राजेश कुमार, नायब तहसीलदार गौरीगंज अनुश्री त्रिपाठी, सांख्यिकी अधिकारी दीपक गुप्ता, कानूनगो, लेखपाल तथा ग्रामवासी मौजूद रहे।

नाली निर्माण शुरू, ग्रामीणों ने अमृत विचार का जताया आभार

खबर का असर

21 फरवरी को प्रकाशित खबर।

नाली का निर्माण हो गया शुरू।

कमरौली (अमेठी)

अमृत विचार। पूरे गरवर में चोक नालियों और सड़कों पर बहते गंदे पानी की समस्या को लेकर 21 फरवरी को अमृत विचार अखबार में प्रकाशित खबर का असर अब जमीनी स्तर पर दिखाई देने लगा है। खबर के प्रकाशित होने के बाद ही प्रशासन की खुली कुंभकर्णी नीद आनन फानन मे गांव में नाली निर्माण कार्य शुरू कर दिया है, जिससे स्थानीय ग्रामीणों में खुशी की लहर है।

कई वर्षों से गांव की नालियां लंबे समय से चोक पड़ी थीं और गंदा व बदबूदार पानी सड़कों पर बह रहा था। जलभराव और कीचड़ के कारण राहगीरों का निकलना मुश्किल हो गया था। सबसे अधिक परेशानी छात्रों ,बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को उठानी पड़ रही थी। कई बार शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो रहा था। इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद संबंधित विभाग ने संज्ञान लिया और मौके पर पहुंचकर नाली निर्माण कार्य शुरू कराया। वर्तमान में मजदूरों द्वारा नाली की खुदाई और निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। वहीं ग्रामीण महिला वकीला ने बताया, हम लोग वर्षों से इस समस्या से जूझ रहे थे। कई बार शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। 'अमृत विचार' खबर छपने के बाद ही काम शुरू हुआ, जिससे अब राहत मिलने की उम्मीद है। अमृत विचार का आभार जताते हुए जुनेद आलम ने कहा कि गांव में अब गंदगी और जलभराव की स्थिति से राहत मिलेगी।

बाइक फिसलने से महिला की हुई मौत, मासूम गंभीर

शुकुल बाजार (अमेठी)

- शिवरतन का पुरवा के पास हुआ हादसा, परिजनों में कोहराम

अमृत विचार। बाजार शुकुल थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 27 वर्षीय महिला की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया, वहीं दो माह की मासूम बच्ची के सिर से मां का साया हमेशा के लिए उठ गया। हादसे में मासूम बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई।

करिश्मा की फाइल फोटो।

जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के दूधाधारी मजरे किसनी गांव निवासी हितलाल अपनी पत्नी करिश्मा (27) और दो माह की बेटी जानकी को बाइक से झाड़-फूंक के लिए रीछ गांव ले जा रहे थे। मंगलवार सुबह जब वह शिवरतन का पुरवा के पास पहुंचे तभी अचानक बाइक फिसल गई। इससे बाइक पर सवार पति-पत्नी और बच्ची सड़क पर गिर पड़े। हादसे में करिश्मा के सिर में गंभीर चोट लग गई। आनन-फानन में पति हितलाल उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाजार शुकुल ले गया, जहां डॉ राजेन्द्र सोनी ने जांच के बाद करिश्मा को मृत घोषित कर दिया। इस दुर्घटना में पति और दो माह की बच्ची सुरक्षित बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही घर में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मासूम बच्ची को देखकर घर के लोग बिलख पड़ते हैं और यही सवाल उठ रहा है कि अब उसकी देखभाल कौन करेगा। वहीं थानाध्यक्ष विवेक कुमार वर्मा ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंच गई थी। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

बता दें कि करिश्मा की शादी करीब तीन वर्ष पहले वर्ष 2023 में अयोध्या जिले के पूरे बनिया, कसारी में हुई थी। हाल ही में उसने एक बेटी को जन्म दिया था, जो अभी लगभग दो माह की मासूम जानकी है। मां की असमय मौत से बच्ची के सिर से ममता का साया उठ गया और परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

लोको पायलट की सतर्कता से टला हादसा

कमरौली (अमेठी)

अमृत विचार। जनपद के कमरौली थाना क्षेत्र के सिन्दूरवा रेलवे स्टेशन के पास मंगलवार को प्वाइंट 90 बी में आई तकनीकी खराबी के चलते रेल और सड़क दोनों यातायात प्रभावित हो गए। वाराणसी से जम्मू तवी जा रही बेगमपुरा एक्सप्रेस 12237 को शाम करीब 4 बजे अचानक रोकना पड़ा। लोको पायलट की सतर्कता के चलते संभावित बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के अनुसार, रेलवे क्रॉसिंग बैरियर से लगभग 100 मीटर पहले स्थित प्वाइंट 90 बी में गड़बड़ी के संकेत मिलते ही लोको पायलट ने तुरंत ट्रेन की गति धीमी कर दी और सुरक्षित रूप से ट्रेन को रोक लिया। उनकी सूझबूझ के कारण ट्रेन में सवार हजारों यात्रियों की जान सुरक्षित रही। तकनीकी खराबी के कारण बेगमपुरा एक्सप्रेस करीब एक घंटे तक मौके पर खड़ी रही, जिससे यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा। इस दौरान रेल संचालन पूरी तरह प्रभावित रहा और कई प्रमुख ट्रेनें भी बाधित हुईं। इनमें सद्भावना एक्सप्रेस, श्रमजीवी एक्सप्रेस, बालुरघाट-भटिंडा एक्सप्रेस, हिमगिरी एक्सप्रेस, इलेक्शन स्पेशल ट्रेन, फरक्का एक्सप्रेस और महाकाल एक्सप्रेस शामिल रहीं।

ट्रैक पर रुकी बेगमपुरा एक्सप्रेस।

- तकनीकी खराबी आने से रोकी गई बेगमपुरा एक्सप्रेस यातायात रहा प्रभावित

उधर, रेलवे क्रॉसिंग का बैरियर लंबे समय तक बंद रहने से कमरौली-रजखेता मार्ग पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया। सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और करीब एक किलोमीटर लंबा जाम लग गया। जाम में स्कूली बच्चे, मरीज और रोजाना आने-जाने वाले लोग काफी देर तक फंसे रहे। स्थानीय लोगों के अनुसार अचानक बैरियर बंद होने से स्थिति और बिगड़ गई। कई लोग वैकल्पिक रास्तों की तलाश में भटकते नजर आए। जाम की स्थिति तब तक बनी रही, जब तक तकनीकी खराबी दूर नहीं कर ली गई। सूचना मिलने पर रेलवे की तकनीकी टीम मौके पर पहुंची और प्वाइंट 90 बी में आई खराबी को दुरुस्त करने का काम शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद शाम 7 बजकर 32 मिनट पर बैरियर खोला गया, जिसके बाद धीरे-धीरे सड़क यातायात सामान्य हुआ और जाम खत्म हुआ। इसके साथ ही रेल संचालन भी बहाल कर दिया गया। वहीं रेलवे विभाग ने घटना का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर इसे तकनीकी खराबी माना जा रहा है, हालांकि विस्तृत जांच रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा।

तीन घंटे तक बंद रहा बैरियर, सड़क पर लगा लंबा जाम: रेलवे क्रॉसिंग का बैरियर करीब तीन घंटे से अधिक समय तक बंद रहने के कारण कमरौली-रजखेता मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। करीब एक किलोमीटर तक जाम लगा रहा, जिसमें स्कूली बच्चे, मरीज और रोजाना सफर करने वाले लोग फंसे रहे। शाम 7:32 बजे बैरियर खुलने के बाद यातायात धीरे-धीरे सामान्य हुआ।

हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने 11 साल से जेल में बंद दुराचार के आरोपी को किया बरी

विधि संवाददाता, लखनऊ। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने दुराचार के आरोप में 11 साल से जेल में बंद अभियुक्त को बरी कर दिया है। कोर्ट ने मामले की पुलिस जांच में गंभीर त्रुटियाँ पाई और कहा कि साक्ष्य की कमी के कारण अभियुक्त को दुराचार के आरोप में दोषसिद्ध करना उचित नहीं है। उक्त निर्णय न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति बृजराज सिंह की खंडपीठ ने निर्मल कुमार की अपील को मंजूर करते हुए पारित किया। अयोध्या जनपद के मवई थाने का यह मामला वर्ष 2010 का है। वादी ने अपनी 14 वर्षीय मानसिक दिव्यांग पुत्री के साथ दुराचार का आरोप लगा था। घटना के तीन दिन बाद पीड़िता की मृत्यु भी हो गई थी। जिसके बाद उसके पिता ने दुराचार के साथ-साथ हत्या का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई थी। ट्रायल कोर्ट ने वर्ष 2018 में अपीलार्थी को दुराचार के आरोप में दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनायी थी, हालांकि मृत्यु के कारण की पुष्टि न होने के कारण हत्या के आरोप से बरी कर दिया था। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के निर्णय को खारिज करते हुए कहा कि फॉरेंसिक रिपोर्ट में मानव वीर्य के सैंपल तो मिले, लेकिन यह कोई तथ्यात्मक साक्ष्य नहीं बन सके कि वे सैंपल आरोपी के थे, क्योंकि डीएनए टेस्ट या कोई अन्य ठोस जांच नहीं कराई गई थी। इस चूक को कोर्ट ने जांच में गंभीर त्रुटि करार दिया। न्यायालय ने यह भी कहा कि ऐसे गंभीर आरोपों में केवल संदेह या आशंका के आधार पर किसी को दोषी ठहराना उचित नहीं है। कोर्ट ने पाया कि साक्ष्य की कमी के कारण मामले में दोषसिद्धि सुरक्षित नहीं कही जा सकती। न्यायालय ने अपीलार्थी को तत्काल रिहा करने का आदेश दिया है।

धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

संग्रामपुर (अमेठी) अमृत विचार। क्षेत्र के भवसिंहपुर गांव में चल रही श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान सप्ताह के चौथे दिन मंगलवार को भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पंडाल को रंग-बिरंगे गुब्बारों और आकर्षक सजावट से सजाया गया, जिससे माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो उठा ।भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला और पंडाल खचाखच भरा रहा। व्यास गद्दी पर विराजमान कथा वाचक विनीत जी महाराज ने श्रीकृष्ण जन्म की कथा का भावपूर्ण वर्णन करते हुए बताया कि भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की मध्यरात्रि में भगवान श्रीहरि ने देवकी की कोख से कंस के कारागार में अपने आठवें अवतार के रूप में जन्म लिया ।उन्होंने कहा कि जब-जब धरती पर अधर्म और अत्याचार बढ़ता है, तब-तब भगवान धर्म की स्थापना के लिए अवतार लेते हैं। इस दौरान वासुदेव द्वारा श्रीकृष्ण को टोकरी में लेकर जाने की आकर्षक झांकी भी प्रस्तुत की गई, जिसे देखकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए ।कार्यक्रम में मुख्य यजमान अवधेश सिंह सहित उनके परिवार और क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालु रहे।

कथा कहते कथा वाचक विनीत जी महाराज।

पांचवें दिन कृष्ण लीला का हुआ वर्णन

महराजगंज (रायबरेली)। महराजगंज क्षेत्र के हलोर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन श्री वृंदावन धाम से पधारे कथावाचक वागीश रामचंद्र दास ने भक्तों को भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीला का वर्णन सुनाया। उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण के पैदा होने के बाद कंस उसको मौत के घाट उतारने के लिए अपनी राज्य की सर्वाधिक बलवान राक्षसी पूतना को भेजता है। पूतना वेश बदलकर भगवान श्रीकृष्ण को अपने स्तन से जहरीला दूध पिलाने का प्रयास करती है। लेकिन भगवान श्रीकृष्ण उसको मौत के घाट उतार देते हैं। उसके बाद कार्तिक माह में ब्रजवासी भगवान इंद्र को प्रसन्न करने के लिए पूजन का कार्यक्रम करने की तैयारी करते हैं। भगवान कृष्ण द्वारा उनको भगवान इंद्र की पूजन करने से मना करते हुए गोवर्धन महाराज की पूजन करने की बात कहते हैं। इस मौके पर राजेंद्र दत्त मिश्रा, कुसुम मिश्रा, डॉ. शशांक शेखर शुक्ला, पूजा मिश्रा, अमित पांडेय, बेबी सिंह, सुरेंद्र कुमार, डॉ. शिवाकांत शुक्ला, विमल मिश्रा आदि रहे।

श्रीमद् भागवत कथा में उमड़ी भीड़

जगतपुर (रायबरेली)। क्षेत्र के ग्राम खालेहार में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम देखने को मिला। कथा पंडाल में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और पूरे वातावरण में "राधे-राधे" व "हरि बोल" के जयघोष गूंजते रहे। कथावाचक गणेश शंकर शास्त्री ने छठवें दिवस पर भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन करते हुए गोवर्धन पूजा, कालिय नाग दमन तथा रासलीला का विस्तार से श्रवण कराया। कथा के दौरान कालिय नाग दमन प्रसंग सुनाते हुए कथावाचक ने कहा कि भगवान अपने भक्तों की रक्षा के लिए हर संकट में साथ खड़े रहते हैं। कथा स्थल पर भजन-कीर्तन का भी आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालु झूमते नजर आए। पूरा पंडाल भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। इस अवसर पर धीरेंद्र कुमार, कमलेश कुमार, इला देवी, राकेश तिवारी, धनंजय तिवारी, ज्ञानेंद्र तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

कम्पोजिट विद्यालय में मनाया गया वार्षिकोत्सव

महराजगंज (रायबरेली)। मंगलवार को ब्लॉक क्षेत्र के कम्पोजिट विद्यालय जमुरांवा में वार्षिकोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खण्ड शिक्षा अधिकारी राम मिलन यादव व विशिष्ट अतिथि अनुराग चौधरी रहे। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में सभी कक्षाओं से शत-प्रतिशत उपस्थिति व परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावियों के साथ उनके अभिभावकों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में पूर्व के प्रधानाध्यापक रहे सेवानिवृत्त शिक्षक मोहम्मद शमीम, सहज राम मिश्रा व शिव प्रसाद समेत आए हुए अन्य अतिथि शिक्षकों को प्रतीक चिह्न और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्रधानाध्यापक छोटेलाल, महेश कश्यप, शिवप्रताप सिंह, पूनम, स्नेहलता आदि मौजूद रहे।

विवादित होर्डिंग पर घमासान, हटाए गए पोस्टर

संवाददाता, अमेठी

अमृत विचार। कस्बे के रेलवे स्टेशन के बाहर लगाए गए एक विवादित होर्डिंग ने क्षेत्र का राजनीतिक माहौल गरमा दिया है। होर्डिंग पर लिखे संदेश "आपको क्या चाहिए धुरंधर काम या अखिलेश का ल्यारी राज" को लेकर चर्चाएं तेज हो गईं और राजनीतिक दल आमने-सामने आ गए।

होर्डिंग में प्रयुक्त "ल्यारी" शब्द को पाकिस्तान के कराची शहर के उस इलाके से जोड़ा जा रहा है, जो कभी गैंगवार और हिंसा के लिए कुख्यात रहा है। हाल में रिलीज फिल्म "धुरंधर" में इस इलाके का जिक्र आने के बाद यह शब्द और चर्चा में है। पोस्टर में एक ओर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के कार्यकाल में कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए गए, वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अपराधियों पर कार्रवाई को प्रमुखता दी गई। वहीं महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष गुंजन सिंह ने इसे भ्रामक बताते हुए आपत्ति जताई व अराजक तत्वों की करतूत बताई।

अमेठी रेलवे स्टेशन के बाहर लगाए गई होर्डिंग। अमृत विचार

युवक पर लोहे की रॉड से किया हमला, रुपए छीनने का आरोप

जगतपुर (रायबरेली)

अमृत विचार। जगतपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक युवक पर हमला कर नकदी छीनने का आरोप लगाया है। पूरे शुक्लन मजरे चिचौली गांव निवासी नरेंद्र कुमार ने थाने में तहरीर देकर बताया कि उनका भाई अनिल कुमार, जो गल्ला व्यवसाय करते हैं, सुबह करौती गांव लेबर बुलाने गया था। आरोप है कि लौटते समय रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे एक युवक ने अनिल के सिर पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया, जिससे वह घायल होकर मौके पर ही बेहोश हो गया। हमलावर उसकी जेब में रखे करीब 20 हजार रुपये छीनकर फरार हो गया। घटना के बाद आसपास के लोगों ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जगतपुर में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार चल रहा है। पीड़ित पक्ष ने करौती गांव निवासी एक युवक के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। थाना प्रभारी पंकज त्यागी ने बताया कि तहरीर मिल गई है। मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

आयोजन

विभिन्न स्पर्धाओं में छात्र-छात्राओं के शानदार प्रदर्शन के आधार पर होगा संभाग स्तर पर चयन

संकुल स्तरीय एथलेटिक्स मीट में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

संवाददाता, अमेठी

अमृत विचार। गौरीगंज स्थित पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय में आयोजित द्विदिवसीय संकुल स्तरीय एथलेटिक्स मीट का समापन हुआ। प्रतियोगिता में अंडर 14, अंडर 17 और अंडर 19 वर्ग में बालक व बालिका वर्ग के खिलाड़ियों ने लंबी कूद, ऊंची कूद, ट्रिपल जंप, बाधा दौड़, जेवलिन थ्रो और डिस्कस थ्रो जैसी स्पर्धाओं में प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा दिखाई। अंडर 17 वर्ग में अंशू कश्यप ने 1500 मीटर दौड़ में प्रथम, 5000 मीटर में द्वितीय और 3000 मीटर में तृतीय स्थान हासिल किया। चित्रांग पाल ने 200 मीटर में प्रथम, 100 मीटर में द्वितीय और डिस्कस थ्रो में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अंशिका सरोज 1500 मीटर, 3000 मीटर दौड़ और क्रॉस कंट्री में अव्वल रहीं, जबकि गौरवी ने 200 मीटर दौड़ में पहला स्थान पाया। अंडर 19 वर्ग में खुशी यादव ने 1500 और 3000 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंडर 14 वर्ग में विमल ने 600 मीटर दौड़ में बाजी मारी। खेल शिक्षक जे.के. सिंह ने बताया कि विभिन्न विद्यालयों के विशेषज्ञों ने खिलाड़ियों का चयन किया। चयनित छात्र लखनऊ और छात्राएं लखीमपुर खीरी में 10 व 11 अप्रैल को संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी।

वहीं प्राचार्य प्रदीप कुमार सिंह ने आयोजन को चुनौतीपूर्ण बताते हुए टीम के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में उप प्राचार्य बी.पी. सिंह समेत अन्य शिक्षकों और छात्र प्रतिनिधियों का सहयोग रहा।

प्रतियोगिता में प्रदर्शन करतीं छात्राएं।

स्कूल चलो अभियान के तहत रैली निकाल कर किया गया जागरूक

तिलोई (अमेठी) अमृत विचार। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय तिवारी के निर्देशानुसार ब्लॉक तिलोई अंतर्गत ग्राम भेलाई कला में स्थित कम्पोजिट विद्यालय के प्रधानाध्यापक के नेतृत्व में स्कूल चलो अभियान रैली निकाली गई। बच्चों व शिक्षकों ने अभिभावकों के जन-जागरण हेतु स्कूल चलो अभियान रैली सेवित ग्राम भेलाई खुर्द में निकाली गयी। स्कूल चलो अभियान रैली, शत-प्रतिशत नामांकन हेतु एवं अभिभावकों का जन-जागरण करते हुए गली-गली, मोहल्ला-मोहल्ला होकर निकाली गयी। प्रधानाध्यापक धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने प्रत्येक मोहल्ले में रैली को रोककर अभिभावकों को सम्बोधित करते हुए बताया विद्यालय में बच्चों को नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकें, ड्रेस, जूता-मोजा, बैग, पुस्तकालय, खेलकूद सामग्री व स्मार्ट क्लास जैसी सुविधाएं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मिल रही है। योग्य शिक्षकों द्वारा शिक्षण कार्य किया जा रहा है।फूल पत्तियों, शोभादार ,फलदार व छायादार वृक्षों, झूले पार्किंग कुर्सियां, और सीसीटीवी विद्यालय के आकर्षण में चार चांद लगा रहे हैं। अभिभावकों से अपील किया बच्चों का नामांकन करायें, और नियमित विद्यालय भेजें। रैली में बच्चे शैक्षिक नारे "एक भी बच्चा छूटा-सुरक्षा कवच टूटा।" "पढ़ने स्कूल जाना है-माता-पिता की शान बढ़ाना है।" आदि नारे गुंजायमान करते हुए चल रहे थे। आइये हम सब किसी जरूरत बच्चे का हाथ थामें, और उसे स्कूल की राह दिखाएं। रैली के संचालन में शिक्षिकाओं रजिया बानो, शशि कुमारी सिंह, सरिता सिंह, पल्लवी श्रीवास्तव ,सुचित्रा सती एवं सुनीता कुमारी का सराहनीय योगदान रहा।

जागरूकता रैली निकालते छात्र, प्रधानाध्यापक व शिक्षक।

अमृत विचार

बुधवार, 8 अप्रैल 2026

दुनिया में कुछ भी पूरी तरह से गलत नहीं होता। रुकी हुई घड़ी भी दिन में दो बार सही समय दिखाती है।

पाउलो कोएल्हो, ब्राजीलियन लेखक

धमकियों का युद्ध

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष अब कूटनीतिक संतुलन, अंतर्राष्ट्रीय कानून और वैश्विक नैतिकता की भी कठोर परीक्षा बन चुका है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को 'एक रात में खत्म कर देने' की धमकी संघर्ष को एक खतरनाक मोड़ पर ले आया है। यह बयान केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक दबाव की रणनीति भी है, जिसका उद्देश्य विरोधी को भयभीत कर वार्ता की मेज पर लाना है। पिछले छह हफ्तों में हजारों हमलों के बावजूद यदि निर्णायक सफलता नहीं मिली, तो 'एक रात' में लक्ष्य प्राप्त कर लेने का ट्रंप का दावा राजनीतिक बयानबाजी है। यह संकेत है कि युद्ध अपेक्षा से अधिक लंबा और जटिल होने की दशा में, अमेरिकी नेतृत्व पर त्वरित परिणाम दिखाने का दबाव है। सबसे चिंताजनक नागरिक अवसंरचना को निशाना बनाने की खुली धमकी है।

अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून- विशेषतः जेनेवा कन्वेंशन स्पष्ट रूप से नागरिकों और उनके बुनियादी ढांचे को युद्ध से अलग रखने की अपेक्षा करता है। पॉवर प्लांट, जल आपूर्ति और परिवहन नेटवर्क पर हमले न केवल मानवीय संकट को जन्म देते हैं, बल्कि उन्हें युद्ध अपराध की श्रेणी में भी रखा जा सकता है। यदि किसी देश की रणनीति नागरिकों पर दबाव बनाकर सरकार को झुकाने की हो, तो यह आधुनिक युद्ध के स्वीकृत सिद्धांतों के विरुद्ध है। ऐसे में ट्रंप का यह कहना कि वे 'युद्ध अपराध' के सवाल को लेकर चिंतित नहीं हैं, वैश्विक व्यवस्था के लिए गंभीर संकेत और अंतर्राष्ट्रीय नियम-आधारित व्यवस्था को चुनौती है। सवाल उठता है कि क्या वैश्विक संस्थाएं, जैसे संयुक्त राष्ट्र ऐसी स्थिति में प्रभावी हस्तक्षेप कर सकती है? यथार्थ यह है कि महाशक्तियों के खिलाफ इन संस्थाओं की क्षमता सीमित होती है। राजनीतिक हित, वीटो शक्ति और भू-राजनीतिक समीकरण अक्सर न्यायिक कार्रवाई को बाधित कर देते हैं। संघर्ष के लगातार बढ़ते दायरे के दौरान पाकिस्तान, तुर्की और मिस्र जैसे देश मध्यस्थता की कोशिश कर रहे हैं, किंतु ईरान का तीव्र प्रतिकार और अमेरिका की आक्रामक रणनीति इसकी त्वरित सफलता की संभावना सीमित करती है। यह संघर्ष अब प्रतिष्ठा और शक्ति संतुलन का प्रश्न बन चुका है, समझौता करना दोनों पक्षों के लिए राजनीतिक रूप से कठिन है। ऐसे समय में भारत की भूमिका पर भी प्रश्न उठते हैं। भारत के ईरान, अमेरिका और खाड़ी देशों सभी से महत्वपूर्ण संबंध हैं। फिर भी, इस संकट में भारत अपेक्षाकृत शांत दिखाई देता है। यह रणनीतिक संयम का हिस्सा हो सकता है, लेकिन अब जब स्थिति अत्यंत गंभीर हो चुकी है, भारत को सक्रिय कूटनीतिक पहल पर विचार करना चाहिए। भारत के लिए प्राथमिकताएं स्पष्ट होनी चाहिए। ऊर्जा सुरक्षा, प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता। इसके साथ ही, भारत एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में संवाद और शांतिपूर्ण समाधान की वकालत कर सकता है।

यह संघर्ष मात्र सैन्य शक्ति से सुलझता नहीं दीख रहा। धमकियों और विनाश की भाषा अल्पकालिक लाभ भले दे, पर दीर्घकाल में यह वैश्विक अस्थिरता बढ़ाएगी। आज आवश्यकता है, संतुलित नेतृत्व, अंतर्राष्ट्रीय कानून के सम्मान और वास्तविक कूटनीति की, अन्यथा यह युद्ध एक ऐसे दुष्चक्र में फंस सकता है, जिससे निकलना कठिन हो जाएगा।

अजरबैजान से भारत के सुधरते रिश्ते और भविष्य

दिग्विजय सिंह

कानपुर

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारत और अजरबैजान के द्विपक्षीय संबंधों में आया तनाव अब कम होने लगा है। ईरान युद्ध से उपजे संकट से उबरने में भारत की मदद अजरबैजान भी कर रहा है। उसने न सिर्फ कच्चे तेल की आपूर्ति बढ़ाई है, बल्कि ईरान से दो सौ से अधिक भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी में भी मदद की है। अजरबैजान, पाकिस्तान का स्वाभाविक मित्र है और हर मोर्चे पर पाकिस्तान की हां में हां मिलाता है। बीते वर्ष ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अजरबैजान ने पाकिस्तान को रक्षा उपकरणों की आपूर्ति की थी। साथ ही ऑपरेशन सिंदूर की उसने निंदा कर भारत की नाराजगी मोल ली थी, हालांकि अब वह रिश्तों को सुधारना चाहता है, इसीलिए दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल की बैठकें भी हो रही हैं।

आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच दुश्मनी जगजाहिर है। दोनों देशों के बीच कई बार युद्ध भी हो चुका है। भारत सरकार आर्मेनिया को हथियार उपलब्ध कराता है। यूरोप का यह छोटा सा देश भारत का सबसे बड़ा हथियार आयातक देश है। इस देश ने 'पिनाका मल्टीपल-लॉन्च रॉकेट सिस्टम और आकाश एंटी-एयरक्राफ्ट सिस्टम का सौदा भी किया। आर्मेनिया द्वारा भारत से हथियारों की कुल खरीद 600 मिलियन डॉलर के पार तक जा चुकी है, जबकि आर्मेनिया लंबे समय तक रूसी हथियारों पर निर्भर रहा है। उसने रूस से इस्कंदर मिसाइल सिस्टम, सु-30एसएम लड़ाकू विमान, वायु रक्षा प्रणाली और मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर जैसे उन्नत सिस्टम खरीदे थे। 2020 में अजरबैजान के साथ नागोर्नो-काराबाख युद्ध के बाद आर्मेनिया ने रूस से किनारा किया और वह भारत से सामरिक रिश्ते बनाने में जुट गया। अब यह रिश्ता अपने शिखर पर है।

यही वजह है कि अजरबैजान सरकार भारत से नाराज रहती है और पाकिस्तान का साथ देती है। वह संयुक्त राष्ट्र संघ समेत तमाम मंचों पर तुर्किए के साथ मिलकर पाकिस्तान का समर्थन करती है और भारत की नीतियों पर सवाल उठाती है, हालांकि भारत विरोध के उसके इस कदम से उसे न सिर्फ आर्थिक नुकसान हुए, बल्कि भारत समर्थक कई देशों से उसके रिश्ते सामान्य नहीं रहे। भारतीय पर्यटक बड़े पैमाने पर अजरबैजान के पर्यटन स्थलों का भ्रमण करने के लिए जाते रहे हैं, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को रक्षा उपकरणों की आपूर्ति से उनकी संख्या में कमी आई।

अजरबैजान पर्यटन बोर्ड ने हाल ही में जो आंकड़े जारी किए, उसके अनुसार पिछले साल भारत से अजरबैजान जाने वाले पर्यटकों की संख्या में 56 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इससे न सिर्फ अजरबैजान की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा है, बल्कि उसकी साख पर भी बट्टा लगा है। ऐसे में अब धीरे-धीरे वहां की सत्ता में बैठे लोगों को अपनी गलती का अहसास होने लगा है. इसलिए वे भारत से संबंध सुधारना चाहते हैं और इसी के तहत अब वह मदद को आगे आए हैं। भारत और अजरबैजान के संबंध ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण रहे हैं, पर पाकिस्तान के कारण इसमें कई बार उतार-चढ़ाव देखने को मिलता रहा है।

अजरबैजान सरकार से भारत ने फिर से ऊर्जा निर्यात शुरू कर दिया है। भारत सरकार भी अजरबैजान से रिश्ते सामान्य करना चाहती है, क्योंकि अजरबैजान, भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा, दक्षिण काकेशस में भू राजनीतिक संतुलन के दृष्टिकोण से महत्वपूर्व है। यूरोप का यह छोटा सा देश जरूर है, लेकिन भारत की यूरेशिया तक कनेक्टिविटी बढ़ाने और 'इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर' के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। कहा जाता है कि अजरबैजान, यूरोप और एशिया के चौराहे पर स्थित है, इसलिए भारत भी नहीं चाहता कि इस महत्वपूर्ण देश से उसके रिश्ते में ज्यादा कड़वाहट आए, हालांकि भारत किसी भी सूरत में आर्मेनिया को भी नाराज नहीं करेगा, क्योंकि वह भारत का स्वाभाविक मित्र राष्ट्र है। भारत का प्रत्येक मंच पर समर्थन करता है। साथ ही सबसे बड़ा हथियार आयातक देश भी है।

आर्मेनिया ने भी ईरान से भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने में भारत की बड़ी मदद की है, हालांकि हाल के कुछ महीने में पाकिस्तान के साथ उसके रिश्ते में सुधार आया है। अब भारत सरकार को अपनी कूटनीति के आधार पर न सिर्फ अजरबैजान और आर्मेनिया को साधे रखना है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना है कि उसका स्वाभाविक मित्र राष्ट्र आर्मेनिया, पाकिस्तान के पाले में न जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ईरान-अमेरिका युद्ध में जिस तरह मित्र राष्ट्र इजरायल, अमेरिका और ईरान को साध रहे हैं, वैसे ही वे इन दोनों देशों को भी अपने साथ रखने में कामयाब होंगे।

अजरबैजान का पाकिस्तान से अलग होना बहुत जरूरी है। जिस तरह पर्यटकों की संख्या वहां घटी है और आर्थिक रूप से झटका लगा है, उससे तो यही लगता है कि अब अजरबैजान पुनः सार्वजनिक मंच पर पाकिस्तान के समर्थन में आवाज उठाने की हिमाकत नहीं करेगा। साथ ही वह भारत के समर्थन में खड़ा नजर आएगा। 200 से अधिक भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी में मदद करके उसने इस बात के संकेत दे दिए हैं और पाकिस्तान को भी बता दिया है कि वह इस्लामाबाद का साथ तभी तक दे पाएगा जब तक कि उसके अपने हित प्रभावित नहीं होंगे। वैसे भी अजरबैजान और इजरायल की दोस्ती अच्छी है। ऐसे में अजरबैजान पर भारत से रिश्ते सुधारने का दबाव इजरायल की तरफ से भी है। उम्मीद की जानी चाहिए कि यह रिश्ते आने वाले दिनों में मजबूत होंगे।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारत और अजरबैजान के द्विपक्षीय संबंधों में आया तनाव अब कम होने लगा है। अजरबैजान ने न सिर्फ कच्चे तेल की आपूर्ति बढ़ाई है, बल्कि ईरान से दो सौ से अधिक भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी में भी मदद की है।

आमने

अगर भारत एक और झूठा फ्लैग ऑपरेशन करने की कोशिश करता है, तो हम इसे कोलकाता तक ले जाएंगे। भारत, पाकिस्तान को दोषी ठहराने के लिए झूठे फ्लैग ऑपरेशन की योजना बना रहा है।

-ख्वाजा आसिफ
रक्षा मंत्री
पाकिस्तान

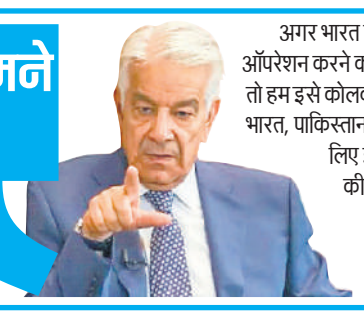

सामने

पाकिस्तान के रक्षामंत्री को ऐसा भड़काऊ बयान नहीं देना चाहिए था। 55 साल पहले उन्हें इसके परिणाम भुगतने पड़े थे, जब पाकिस्तान दो हिस्सों में बंट गया था। अगर वे बंगाल पर नजर डालने की कोशिश करेंगे, तो पता नहीं इस बार पाकिस्तान कितने हिस्सों में बंटेगा।

-राजनाथ सिंह
रक्षा मंत्री, भारत

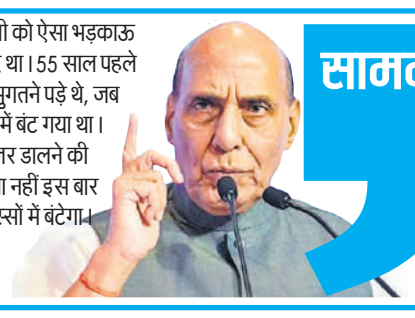

स्त्रियों पर बंदिश फिर इसे अक्षमता बताता है समाज

सत्य प्रकाश नायक

एक्टिविस्ट

रात के ग्यारह बजे एक व्यक्ति बिजली के खंभे पर चढ़ा है। नीचे अंधेरा है और ऊपर करंट का खतरा। तस्वीर के साथ लिखा है कि जिस दिन महिलाएं भी ऐसे काम करेंगी, उस दिन सच्ची बराबरी होगी। पहली नज़र में यह तर्क सीधा लगता है, लेकिन क्या वास्तव में बराबरी का अर्थ केवल वही काम करना है, जो दिखाई देता है। क्या जोखिम ही समानता की अंतिम कसौटी है, या यह सवाल ही अधूरा है। कभी-कभी हम तस्वीरों से निष्कर्ष निकाल लेते हैं, पर तस्वीरें अक्सर कहानी का आधा हिस्सा ही दिखाती हैं। जो दिखाई देता है, वह श्रम है; जो नहीं दिखाई देता, वह त्याग है और बराबरी की चर्चा में त्याग का अदृश्य होना ही, सबसे बड़ी विडंबना है।

इतिहास बताता है कि स्त्रियों को लंबे समय तक शिक्षा, संपत्ति और पेशेवर अवसरों से दूर रखा गया। जब संस्थानों के दरवाज़े बंद थे, तब उनकी अनुपस्थिति को उनकी अक्षमता माना गया। उन्नीसवीं सदी में एक महिला को चिकित्सा शिक्षा पाने के लिए पुरुष की पहचान अपनानी पड़ी, क्योंकि महिलाओं के लिए मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश वर्जित था। पहले रास्ते बंद किए गए, फिर पूछा गया कि महिलाएं दिखती क्यों नहीं। यह बराबरी नहीं थी, यह संरचनात्मक असमानता थी।

भेदभाव अचानक वयस्कता में शुरू नहीं होता। वह बचपन से शुरू होता है। लड़कों को खिलौनों में गाड़ियां, औज़ार और बाहर की दुनिया दी जाती है। लड़कियों को रसोई सेट और गुड़िया। लड़कों को चढ़ना, गिरना, जोखिम लेना सिखाया जाता है। लड़कियों को संभलकर चलना और सीमाओं में रहना। धीरे-धीरे यह सामाजिक प्रशिक्षण उनके आत्मविश्वास, आकांक्षाओं और निर्णय लेने की क्षमता को आकार देता है। जब बचपन से ही यह संदेश दिया जाए कि कुछ काम 'तुम्हारे लिए नहीं हैं', तो बड़े होकर अवसरों की असमानता केवल परिणाम होती है, कारण नहीं।

कार्य विभाजन भी तटस्थ नहीं है। समाज ने कामों को 'पुरुष' और 'महिला' श्रेणियों में बांट दिया। भारी मशीन, निर्माण, तकनीकी मरम्मत पुरुषों के हिस्से में गई। देखभाल, सफाई, खाना बनाना, बच्चों और बुजुर्गों की जिम्मेदारी महिलाओं के हिस्से में। यह बटवारा जैविक कम और सामाजिक अधिक था। पर समय के साथ इसे प्राकृतिक मान लिया गया।

भारतीय समाज में यह असमानता और जटिल हो जाती है। संयुक्त राष्ट्र और यूनिसेफ से जुड़े आकलनों के अनुसार ग्रामीण भारत में पानी लाने की जिम्मेदारी का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा महिलाओं पर है। वे रोज़ कई किलोमीटर पैदल चलती हैं और घंटों कतार में खड़ी रहती हैं। यह श्रम शारीरिक रूप से कठिन है, लेकिन इसे जोखिमपूर्ण कार्यों की श्रेणी में नहीं रखा जाता, क्योंकि यह घर के दायरे से जुड़ा है और इसके बदले वेतन नहीं मिलता।

भारत के टाइम यूज़ सर्वे 2019 के अनुसार महिलाएं, पुरुषों की तुलना में कई गुना अधिक समय अवैतनिक घरेलू और देखभाल कार्यों में लगाती हैं। ऑब्ज़र्वर रिसर्च फाउंडेशन के विश्लेषण के अनुसार भारतीय महिलाएं, पुरुषों से लगभग आठ गुना अधिक समय देखभाल कार्यों में देती हैं। यदि एक पुरुष प्रतिदिन एक घंटा देता है, तो एक महिला औसतन आठ घंटे देती है। यह केवल समय का अंतर नहीं यह अवसर का अंतर है। जब किसी व्यक्ति का अधिकांश समय अवैतनिक जिम्मेदारियों में व्यतीत होता है, तो वह प्रशिक्षण, कौशल विकास, नेटवर्किंग या जोखिमपूर्ण पेशों में प्रवेश के लिए आवश्यक तैयारी कैसे करेगा।

नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च के अध्ययन से संकेत मिलता है कि यदि घरेलू जिम्मेदारियां संतुलित रूप से बांटी जाएं, तो महिला श्रम भागीदारी लगभग छह प्रतिशत तक बढ़ सकती है। यह वृद्धि केवल सांख्यिकीय परिवर्तन नहीं होगी; यह लाखों महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता का मार्ग खोलेगी। मैकिंज़ी ग्लोबल इंस्टीट्यूट का अनुमान है कि महिलाओं की पूर्ण आर्थिक भागीदारी से वैश्विक अर्थव्यवस्था में खरबों डॉलर की वृद्धि संभव है। अवसर केवल समय से नहीं रुकते। वे मानसिकता से भी रुकते हैं। अनेक घरों में आज भी लड़कियों की गतिशीलता सीमित की जाती है। देर शाम बाहर रहना, दूर शहर में प्रशिक्षण लेना, फील्ड जॉब करना, जोखिमपूर्ण काम सीखना, इन सब पर प्रश्नचिह्न लगाया जाता है। परिवार की प्रतिष्ठा, सुरक्षा और परंपरा का तर्क दिया जाता है।

परिणामस्वरूप लड़कियां धीरे-धीरे अपने सपनों को छोटा करना सीख जाती हैं। लगातार यह सुनना कि तुम नाजुक हो, तुम कमजोर हो, तुम्हें सुरक्षा की ज़रूरत है, केवल बाहरी रोक नहीं है; यह भीतर भी घर कर लेता है। मनोवैज्ञानिक स्तर पर आत्मविश्वास क्षीण होता है। कई महिलाएं अवसर मिलने पर भी स्वयं को उस भूमिका के योग्य नहीं मानतीं। जब समाज बार-बार सीमाएं खींचता है, तो व्यक्ति उन सीमाओं को अपनी पहचान का हिस्सा समझने लगता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्त्रियों को लंबे समय तक शिक्षा, संपत्ति और पेशेवर अवसरों से दूर रखा गया। जब संस्थानों के दरवाजे बंद थे, तब उनकी अनुपस्थिति को उनकी अक्षमता माना गया।

प्रसंगवश

सेहत और पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे स्ट्रा

हम-सब अपने पसंदीदा पेय ठंडी कॉफी, ताज़ा नींबू पानी या कोक को पीने के लिए स्ट्रॉ का इस्तेमाल बिना एक पल सोचे कर लेते हैं। ये हमें सुविधाजनक, साफ़-सुथरा और सुरक्षित लगता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह छोटा-सा प्लास्टिक या पेपर स्ट्रॉ हमारी सेहत और पर्यावरण दोनों को चुपचाप नुकसान पहुंचा रहा है? इन छोटे से स्ट्रॉ का केवल कुछ मिनटों के लिए इस्तेमाल होता है, इसलिए इनसे होने वाले नुकसान की कोई चर्चा ही नहीं हो पाती, लेकिन दुनिया भर में हर दिन इस्तेमाल किए जाने वाले स्ट्रा समुद्र तट और महासागर की सफाई के दौरान सबसे आम कचरे में से एक होते हैं।

अपने छोटे और हल्के आकार के कारण स्ट्रॉ की शायद ही कभी रीसायक्लिंग होती हो। ये नदियों, समुद्रों और कचरा स्थलों (लैंडफिल) में पहुंच जाते हैं, जहां ये सैकड़ों साल तक बने रह सकते हैं। राजधानी के पर्यावरणविद् और उद्यमी गुरसेव चावला कहते हैं, 'भारत में हमारी बड़ी आबादी और बढ़ते कैफ़े कल्चर के कारण स्ट्रॉ का उपयोग तेज़ी से बढ़ रहा है, जिससे समस्या और गंभीर हो रही है।'

विवेक शुक्ला

पूर्व सूचना अधिकारी यूएई एंबेसी

कुछ साल पहले, दुनिया के कई हिस्सों में प्लास्टिक स्ट्रॉ पर प्रतिबंध लगना शुरू हुआ, जिसका लोगों ने स्वागत किया। इसके बाद पेपर और मकई से बने प्लास्टिक के स्ट्रॉ बाज़ार में आए और उन्हें 'पर्यावरण के अनुकूल' विकल्प के रूप में देखा गया, लेकिन लोगों की धारणा और वास्तविकता के बीच अंतर है।

चावला ने इस विषय पर गहराई से रिसर्च की। कई देशों का दौरा किया। उन्होंने जो पाया, वह चौंकाने वाला और चिंताजनक था। अपनी शोध की यात्रा ने उन्हें 'कार्मापैक्स' नामक कंपनी शुरू करने के लिए प्रेरित किया, जो गन्ने के अपशिष्ट से बने स्ट्रॉ बनाती है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने आमतौर पर इस्तेमाल होने वाले स्ट्रॉ के पीछे छिपी सच्चाइयों के बारे में जागरूकता बढ़ाने का काम किया।

प्रख्यात चिकित्सक और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल कहते हैं, 'कई पेपर स्ट्रॉ में रसायन होते हैं, जिन्हें 'फॉरएवर केमिकल्स' भी कहा जाता है। ये आसानी से नष्ट नहीं होते और लंबे समय तक पर्यावरण और हमारे शरीर में बने रह सकते हैं। इन्हें नष्ट करने के लिए विशेष औद्योगिक परिस्थितियों की जरूरत होती है, जो भारत के अधिकांश शहरों में उपलब्ध नहीं हैं।' प्लास्टिक स्ट्रॉ सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाली एकल-उपयोग (सिंगल-यूज़) वस्तुओं में से एक हैं। जब ये गर्मी, धूप या नींबू पानी जैसे अम्लीय पेय के संपर्क में आते हैं, तो ये माइक्रोप्लास्टिक नामक छोटे कण छोड़ जाते हैं। माइक्रोप्लास्टिक बहुत छोटे प्लास्टिक कण होते हैं, जो हमारे भोजन और पेय के माध्यम से हमारे शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। प्लास्टिक में ऐसे रसायन भी होते हैं, जो हमारे हार्मोन को प्रभावित कर सकते हैं और समय के साथ हमारी सेहत को तबाह करने लगते हैं। एक स्ट्रॉ भले ही नुकसानदेह न लगे, लेकिन इसके नियमित इस्तेमाल से इसका प्रभाव बढ़ता जाता है और यह एक गंभीर चिंता का कारण बन सकता है।

यह दिखाता है कि केवल प्लास्टिक को किसी अन्य सामग्री से बदलना पर्याप्त नहीं है। विकल्प वास्तव में सुरक्षित और टिकाऊ होना चाहिए। यहीं पर गन्ने के बगैस खोई) से बने स्ट्रॉ एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आते हैं। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

कमलपुर की महानता

एक बार मैं कमलपुर राज्य में गया। जब वहां के राजा के साथ भ्रमण पर निकला, तो कुछ देर बाद ही मुझे अपनी नाक पर रुमाल रखना पड़ा। 'आपके यहां गंदगी कुछ जियादे ही है श्रीमान!'

'क्या कह रहे हैं। हमारे यहां रोज सफाई होती है। यहां का सूबेदार खुद यह काम करता है। वह भी रोज। बिना नागा किए हुए! इस वक्त भी वह सफाई कार्य में लगा होगा! आप चलकर खुद ही देख लें महोदय!'

अनूप मणि त्रिपाठी

लेखक

इसी के साथ राजा ने सारथी को दिशा परिवर्तन का आदेश दिया। आदेश मिलते ही रथ दूसरी दिशा की ओर चल पड़ा। हम जैसे-जैसे आगे बढ़ रहे थे, दुर्गंध से मेरा दम घुटा जाता था। कुछ दूर जाने के बाद मैंने देखा कि उनका सूबेदार अपनी भाषा में जोर-जोर से कुछ बक रहा है, पर सामने मुझे कोई नजर न आता था। मैंने उधर-उधर देखने की कोशिश की पर मुझे कोई नहीं दिखा।

अंत में हारकर मैंने राजा से पूछा, 'आपका सूबेदार ये किससे बात कर रहा है? मुझे तो कोई नजर नहीं आ रहा श्रीमान!'

राजा बोला,' यह जो पहाड़ देख रहे हैं, मेरा काबिल सूबेदार उसी से बात कर रहा है।' मुझे बहुत हैरत हुई। मुझे तो वहां कोई पहाड़ नजर नहीं आया। पर मैं नहीं जानता था कि आगे महाहैरत मेरा इंतजार कर रही है। 'क्षमा करें मान्यवर! पर मुझे तो कोई पहाड़ नजर नहीं आ रहा!' मैंने राजा को अपनी दुविधा बताई।

राजा ने मेरी मुंडी पकड़ी और अपनी उंगली से सामने की ओर इशारा करते हुए बोला, 'वो रहा पहाड़। इतना ऊंचा तो है!'

'श्रीमान यह तो कूड़े का ढेर है!' मैं लगभग चीखते हुए बोला।

'पहाड़ जितना तो ऊंचा है!'

'मगर कूड़े के पहाड़ से कह क्या रहा है आपका सूबेदार!'

'वह कह रहा है कि अकड़ मत भइये! एक दिन तो तुझे यहां से भागना होगा! एक दिन तुझे यहां से जाना होगा!'

'और ये कब से कह रहा!' मैंने खुद को संभालते हुए पूछा।

'तकरीबन आठ-दस साल तो हो ही गए होंगे!'

'लोगों को दिक्कत नहीं होती क्या!' मैंने राजा से हैरत से पूछा।

'महोदय! किसी भी चीज को लंबा चलाना-खींचना होता है बस, एक दिन वह आदत में बदल जाती है। फिर चाहे गंदगी हो या युद्ध!' अपनी नाक से खुशबूदार रुई के फाहे निकालते हुए आगे बोला, 'देख लीजिए! यहां सिर्फ आपकी नाक पर रुमाल है।'

वाकई वहां मेरी नाक पर ही रुमाल था।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

जलवायु परिवर्तनः पान की पारंपरिक खेती पर खतरा

राजस्थान के भरतपुर जिले की बयाना तहसील के कुछ गांव आजकल किसी रिपोर्ट के आंकड़े नहीं, बल्कि एक धीमी त्रासदी की तरह सामने आते हैं। कभी यहां पान की बेलें सिर्फ खेतों में नहीं, लोगों की जिंदगी में भी लहलहाती थीं। आज वही बेलें सिकुड़ गई हैं और उनके साथ सिकुड़ गई है, एक पूरे समुदाय की आर्थिक और सामाजिक दुनिया। एक आज ये गांव खाली हो रहे हैं। वहां के ग्रामीण कामकाज के लिए बड़े शहरों में पलायन कर गए हैं।

पिछले दिनों मैंने जब इस इलाके के बारे में सुना था, तो एक बात बार-बार मन में आ रही थी कि क्या सचमुच यह सिर्फ मौसम की मार है? या फिर हम अपनी जिम्मेदारियों को 'जलवायु परिवर्तन' जैसे बड़े शब्दों के पीछे छिपा रहे हैं? यह सच है कि मौसम बदल गया है। सर्दियां पहले जैसी नहीं रही हैं, गर्मियां झुलसा देती हैं और बारिश अपने समय पर नहीं आती। पान जैसी नाजुक फसल के लिए यह बदलाव जानलेवा साबित हुआ है। मैं जब इस इलाके में गया, तो गांवों की समृद्ध अर्थ व्यवस्था को उजड़े हुए पाया। खरैरी, बागरैन और खानखेड़ा गांवों के किसान बताते हैं कि पहले पान की एक बेल पंद्रह फीट तक जाती थी, अब सात-आठ फीट पर ही दम तोड़ देती है। पत्ते कम हो गए हैं और जो हैं, वे भी अक्सर दागदार या जले हुए मिलते हैं।

अमरपाल सिंह वर्मा

वरिष्ठ पत्रकार

कहानी यहीं खत्म नहीं होती है। असल कहानी वहां से शुरू होती है, जहां किसान मौसम से लड़ते-लड़ते थक जाता है और फिर उसे अहसास होता है कि इस लड़ाई में वह अकेला है। कोई उसके साथ नहीं है। पान की खेती आज भी फसल बीमा के दायरे से बाहर है। यह एक ऐसी हकीकत है, जिसे सुनकर हैरानी नहीं, बल्कि चिंता होनी चाहिए। बड़ा सवाल यह है कि जब जोखिम बढ़ रहा है, तब सुरक्षा का दायरा क्यों नहीं बढ़ता? क्या हमारी नीतियां केवल गेहूं-चावल जैसी मुख्यधारा की फसलों तक सीमित रह गई हैं? या फिर हम उन फसलों को नजरअंदाज कर रहे हैं, जो भले ही राष्ट्रीय आंकड़ों में बड़ी न दिखें, लेकिन स्थानीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं?

बयाना का खरैरी गांव इसका जीता-जागता उदाहरण है। कभी यहां पान की वजह से इतनी रौनक थी कि बैंक की मुख्य शाखा तक खुल गई थी। आज हालात ऐसे हैं कि यह बैंक भी अपना बोरिया-बिस्तर समेट चुका है। यह सिर्फ एक आर्थिक गिरावट नहीं, बल्कि एक पूरे दौर के खत्म होने की निशानी है। इसके बाद आता है पलायन। गांव के युवा अब खेतों में नहीं, शहरों की भीड़ में मिलते हैं। बड़े शहरों में कोई सिक्योरिटी गार्ड है, कोई हलवाई के यहां काम कर रहा है, कोई ऑटो चला रहा है। यह बदलाव सिर्फ पेशे का नहीं, बल्कि पहचान का भी है। जो लोग कभी अपने खेतों के दम पर समृद्ध थे, वे अब शहरों में मजदूरों की कतार का हिस्सा बन गए हैं।

सवाल यह भी है कि क्या हम गांवों को धीरे-धीरे खाली होते देखने के आदी हो चुके हैं? सरकार की भूमिका पर बात करना यहां जरूरी है, लेकिन इसे केवल आलोचना के रूप में नहीं, बल्कि जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए। अगर किसी क्षेत्र में सदियों पुरानी खेती खत्म होने के कगार पर है, तो क्या यह सिर्फ किसानों की समस्या है? या यह नीति-निर्माताओं के लिए भी एक चेतावनी है? पान की खेती को अगर बीमा, अनुदान, प्रशिक्षण और बाजार से जोड़ा जाता, तो शायद हालात यह न होते। आसपास मंडी नहीं है, परिवहन की सुविधा कमजोर है। ऐसे में किसान अपनी उपज बेचने के लिए दूर-दराज के शहरों पर निर्भर हैं। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 से मुद्रित एवं 25/16-ए, जापलिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

इंसानियत सिखाती कठपुतलियां

आदिम काल से लेकर आज तक मनुष्य अपने फुर्सत के समय में किसी न किसी तरह के मनोरंजन के साधनों को अपनाता रहा है। कठपुतली नाट्य कला मनुष्य द्वारा अपनाए जाने वाले साधनों में एक स्वस्थ, संदेशप्रद, शालीन, सभ्य, नैतिकता से ओतप्रोत और मानवीय मूल्यों का बोध कराने वाले मनोरंजन के साधनों के रूप में सदियों से जानी जाती रही हैं। परंतु आधुनिक दौर में तकनीकी, प्रौद्योगिकी, मशीनीकरण ने हस्तकला आधारित मनोरंजन के साधनों और औजारों को बुरी तरह ध्वस्त कर दिया। तेजी से पांव पसारती उपभोक्तावादी संस्कृति टीवी, फिल्म, वेबसीरिज, तरह-तरह के धारावाहिकों, कानफोड़ू डीजे कल्चर के चक्कर और घनचक्कर में लोगों ने कठपुतली नाट्य कला को भूला दिया। मोबाइल और लैपटॉप पर होने वाली चैटिंग और विविध प्रकार के गेमो ने तो कठपुतली नाट्य कला को लगभग हाशिए पर धकेल दिया।

मनोज कुमार सिंह
साहित्यकार

कहानी कहने का सहज और आकर्षक माध्यम

कठपुतली नाट्य कला के सिद्धहस्त कलाकार परदे के पीछे से सुतली, धागे या रस्सी के सहारे मंच पर प्लास्टर ऑफ पेरिस की बनी कठपुतलियों पर जब अपनी जादुई उंगलियों को फेरते हैं, तो कठपुतलियां जीते-जागते इंसानों की तरह बोल उठती हैं। मंच पर कठपुतलियों का मनमोहक नृत्य और अभिनय दर्शकों का मन बरबस मोह लेता है। किसी कथा, कथानक और कहानी कहने का सहज सरल और आकर्षक माध्यम है कठपुतली नाट्य कला। नाट्यकला और रंगमंच के इतिहास का अवलोकन करने पर ज्ञात होता है कि कठपुतली नाट्य कला स्वस्थ मनोरंजन के सरल, सहज, सशक्त और आकर्षक माध्यम के रूप में अत्यंत प्राचीन काल से विश्व के अधिकांश हिस्सों मे व्याप्त रही है। कालक्रमेण कठपुतली नाट्य कला स्वस्थ मनोरंजन के साथ-साथ ज्ञान-विज्ञान का समुचित बोध कराने, शिक्षा, सूचना और विचारों के संप्रेषण का माध्यम तथा इससे जुड़े कलाकारों के आजीविका का साधन बन गई। हमारे जनजीवन और लोक मनोरंजन से लगभग मृतप्राय: हो रही है। कठपुतली नाट्य कला कै माध्यम से शिक्षण कार्य को रोचक बनाया जा सकता है। कुप्रथाओं, कुरीतियों और अन्य सामाजिक समस्याओं को मिटाने के लिए कठपुतली विधा बेहतरीन माध्यम हो सकती है।

फ्रांस से शुरू हुई दिवस मनाने की परंपरा

कठपुतली नाट्य कला के विकास, संबर्द्धन और सशक्तिकरण को ध्यान में रखकर कठपुतली दिवस मनाने का विचार सर्वप्रथम ईरान के कठपुतली नाट्य मर्मज्ञ और प्रस्तोता जावेद जोलपाघरी ने प्रस्तुत किया। वर्ष 2000 में मांडेबुर्ग में 18 वीं Union Internationale de la Marionnetee (UNIMA) सम्मेलन के दौरान यह प्रस्ताव विचार हेतु रखा गया। दो वर्ष बाद इस प्रस्ताव को जून 2002 के जून महीने में अटलांटा में काउंसिल द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया। सर्वप्रथम फ्रांस में वर्ष 2003 में विश्व कठपुतली दिवस मनाया गया, तब से कठपुतली दिवस मनाने का चलन-चलन संपूर्ण विश्व में फैलने लगा।

शिक्षण में निभा सकती है महती भूमिका

अपनी अद्वितीय संप्रेषण दक्षता और ग्रहणशीलता के कारण कठपुतली नाट्य कला प्राथमिक स्तर तथा उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों के लिए शिक्षण-प्रशिक्षण का सशक्त और लोकप्रिय माध्यम हो सकती हैं। पौराणिक और ऐतिहासिक विभूतियों के जीवन चरित्र पर आधारित कठपुतली नाट्य कला के प्रदर्शन से चरित्र निर्माण में सहायता मिल सकती हैं। मनोरंजन के नित नवीन विकसित होते माध्यमों के कारण कठपुतली नाट्य कला लगभग विलुप्ति के कगार पर है। इसके साथ ही साथ इसके माध्यम से आजीविका चलाने वाले लोगों के समक्ष भरण-पोषण का संकट खड़ा हो गया है। नृत्य कला, चित्रकला, मूर्तिकला और संगीत कला को समिश्रित किए कठपुतली नाट्यकला भारतीय समाज में अत्यंत प्राचीन काल से चलन-कलन में रही है।

वर्द्धन वंश ने दिया संरक्षण

सामान्यतः पुतलों का प्रयोग हमारे देश के किसान अपने खून-पसीने की कमाई फसल की रक्षा के लिए करते हैं। अपनी चुनी हुई सरकार, चुने हुए जनप्रतिनिधियों के खिलाफ अपने आक्रोश को अभिव्यक्त करने के लिए जनता द्वारा पुतला दहन का कार्यक्रम आमतौर पर देखा जा सकता है। हर वर्ष दशहरा के अवसर पर रावण का पुतला दहन करने का रिवाज सदियों पुराना है। परंतु पुतला के माध्यम नाट्यकला कौशल का उल्लेख ईसापूर्व चौथी शताब्दी में पाणिनी कृत अष्टाध्यायी के नटसूत्र में मिलता है। एक पौराणिक मान्यता के अनुसार भगवान शिव ने काठ की मूर्ति में प्रवेश कर पार्वती जी का मन बहलाकर इस नाट्यकला को शुरुआत किया था। सिंहासन बत्तीसी में भी विक्रमादित्य के सिंहासन की बत्तीस पुतलियों का उल्लेख मिलता है। यह सर्वविदित तथ्य है कि राजतंत्रीय परंपराओं में हर कला का विकास राजमहलों की अनुकंपा पर निर्भर था। भारत वर्द्धन वंश के शासकों ने कठपुतली नाट्यकला को संरक्षण और प्रश्रय दिया। वर्द्धन वंश के शासकों के शासन काल में इस कला का फैलाव भारत से पूर्वी एशिया के देशों इंडोनेशिया, थाईलैंड, म्यान्मार, जावा श्रीलंका इत्यादि में हुआ।

संरक्षण के लिए समाज की जागरूकता जरूरी

पारंपरिक भारतीय कठपुतली नाट्यकला में पौराणिक कथाओं, मिथकों और कहानियों जैसे अमर सिंह राठौड़, पृथ्वीराज, लैला मजनूं, शीरी फरहाद तथा भारतीय इतिहास के विभिन्न कालखंडों के महापुरुषों राजा हरिश्चंद्र, भक्त पूरन मल, श्रवण कुमार, भर्तृहरि, सती-सावित्री इत्यादि के चरित्र को आधार बनाकर मंचन किया जाता था। आज इसका समसामयिक प्रयोग प्रौढ़ शिक्षा, परिवार नियोजन, विज्ञापन इत्यादि में किया जाता है। उत्तर भारत में राजस्थान में कठपुतली नाट्यकला आज भी लोकप्रिय है। लोक जागरण के सशक्त माध्यम कठपुतली नाट्यकला को फिर से व्यापक, विस्तारित और लोकप्रिय बनाने की आवश्यकता है।

साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद की माटी के सपूत राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय से प्रशिक्षित उत्कृष्ट रंगकर्मी श्री मिथिलेश दुबे अपनी संस्था क्रिएटिव पपेट थिएटर के माध्यम से 'मोहन से महात्मा' कठपुतली नाट्य कला का देश के विभिन्न हिस्सों में मंचन करते आ रहे हैं। मिथिलेश दूबे जी विगत आठ वर्षों से कठपुतली नाट्य कला पर गंभीरता से कार्य कर रहे हैं। मिथिलेश दूबे जी स्वाधीनता आंदोलन के नायकों के व्यक्तित्व पर आधारित कथानक तैयार कर कठपुतली नाट्य कला का मंचन देश के विभिन्न शहरों में करते आ रहे हैं। इसके अतिरिक्त प्रौढ़ शिक्षा, परिवार नियोजन, नारी सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विषयों पर कथानक तैयार कर मंचन का कार्य करते हैं। जिन सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर देश के अधिकांश बुद्धिजीवी बहस करते हैं। इन समस्याओं को कठपुतली नाट्य कला के माध्यम से हम जनमानस को सहजता से समझा सकते हैं। इस तरह कठपुतली नाट्य कला के माध्यम से देश की विविध समस्याओं के प्रति जनमानस को जागरूक कर सकते हैं। इसके साथ कठपुतली नाट्य कला के माध्यम से स्वस्थ मनोरंजन के साथ-साथ अपने समाज के नैतिक मूल्यों, आदर्शों और मर्यादाओं को समाज स्थापित, विस्तारित, व्यापक और मजबूत कर सकते हैं। इस नाट्यकला के माध्यम से भारतीय समाज में व्याप्त कुरीतियों, कुप्रथाओं और असंगत रूढ़ियों को दूर किया जा सकता है। वैसे तो कठपुतली नाट्य कला का फैलाव प्रशांत महासागर के पूर्वी छोर से पश्चिमी छोर तक पाया जाता हैं, परंतु आधुनिक दौर में भारत में यह कला बेहद संकट के दौर से गुजर रही हैं।

कठपुतली नाट्य कला को विगत वर्षों में स्कील इंडिया कार्यक्रम से जोड़ा गया है, जिसके माध्यम से कलाप्रेमी युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराया जा सके। कठपुतली नाट्य कला को संरक्षित करने के लिए जन जन में जागरूकता लाई जाए तथा स्वस्थ सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवेश निर्मित किया जा सके।

अनोखी परंपरा

पीढ़ियों का विश्वास: राम जन्म कुंडली वाचन

राजस्थान के बीकानेर शहर में एक ऐसी अनूठी धार्मिक परंपरा जीवित है, जो समय के साथ न केवल संरक्षित रही है, बल्कि आज भी लोगों की गहरी आस्था का केंद्र बनी हुई है। तेलीवाड़ा चौक स्थित रघुनाथ मंदिर में पिछले लगभग 125 वर्षों से भगवान श्रीराम की जन्म कुंडली के वाचन की परंपरा निरंतर निभाई जा रही है। यह परंपरा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि स्थानीय सांस्कृतिक विरासत का सशक्त प्रतीक भी है। इस परंपरा की सबसे विशेष बात यह है कि कुंडली वाचन का दायित्व पीढ़ी दर पीढ़ी एक ही परिवार द्वारा निभाया जाता रहा है। वर्षों से चली आ रही इस परंपरा में न केवल धार्मिक अनुशासन दिखाई देता है, बल्कि परिवार की उस निष्ठा का भी परिचय मिलता है, जिसने इसे समय की धारा में बहने नहीं दिया। मंदिर परिसर में स्थापित वीर हनुमान जी की प्रतिमा के समक्ष यह अनुष्ठान विधिवत संपन्न होता है, जहां श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित होकर इसे श्रद्धा के साथ देखते और सुनते हैं।

कुंडली वाचन से पूर्व पूरे विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की जाती है। इसके बाद भगवान को अर्पित प्रसाद को भक्तों में वितरित किया जाता है। प्रसाद के रूप में पंचामृत और पंजीरी का विशेष महत्व है। पंचामृत को दूध, दही, केसर और पंचमेवा से तैयार किया जाता है, जिसकी मात्रा भी इस आयोजन की भव्यता को दर्शाती है। करीब 9 क्विंटल पंचामृत श्रद्धालुओं के बीच बांटा जाता है। यह केवल प्रसाद वितरण नहीं, बल्कि सामूहिक सहभागिता और श्रद्धा का उत्सव बन जाता है। इस परंपरा का महत्व केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है। यह बीकानेर की उस सांस्कृतिक पहचान को भी उजागर करती है, जिसमें परंपराओं को सहेजकर अगली पीढ़ियों तक पहुंचाने का भाव निहित है। बदलते समय और आधुनिक जीवनशैली के बीच भी इस तरह की परंपराओं का जीवित रहना इस बात का प्रमाण है कि समाज अपनी जड़ों से कितना गहराई से जुड़ा हुआ है। इस प्रकार, बीकानेर का यह रघुनाथ मंदिर न केवल एक आस्था का केंद्र है, बल्कि वह स्थान भी है, जहां इतिहास, परंपरा और विश्वास एक साथ जीवंत रूप में दिखाई देते हैं।

रंग, रिश्ते और रिवाजों का जनजातीय उत्सव

लोकायन

गुजरात के उत्तर-पूर्वी अंचल में जब रंग, संगीत और उत्साह एक साथ सजीव हो उठते हैं, तब कवंत का जनजातीय उत्सव अपने पूरे वैभव के साथ सामने आता है। यह केवल एक पर्व नहीं, बल्कि रथवा जनजाति के जीवन, संस्कृति और सामूहिक आनंद का जीवंत उत्सव है, जिसमें परंपरा और उल्लास का अनोखा संगम देखने को मिलता है। कवंत का यह आयोजन दरअसल एक बड़े सामाजिक मिलन का रूप ले लेता है। दूर-दराज के गांवों से लोग सजे-धजे परिधानों में यहां पहुंचते हैं और अपने रिश्तों को नया आयाम देते हैं। इस दौरान विवाह संबंधों पर चर्चा करना एक अहम पहलू होता है, जहां परिवार आपसी सहमति और परंपराओं के अनुसार रिश्तों की नींव रखते हैं। साथ ही, वस्तुओं का आदान-प्रदान भी इस उत्सव का हिस्सा होता है, जो सामुदायिक जीवन की आत्मनिर्भरता और सहयोग की भावना को दर्शाता है। इस उत्सव की सबसे आकर्षक झलक इसके पारंपरिक लोक नृत्यों में देखने को मिलती है। ढोल-नगाड़ों और लोक वाद्यों की थाप पर युवक-युवतियां जब समूह में थिरकते हैं, तो पूरा वातावरण ऊर्जा और उल्लास से भर उठता है। उनके रंग-बिरंगे परिधान, पारंपरिक आभूषण और लयबद्ध नृत्य इस उत्सव को और भी मनमोहक बना देते हैं। संगीत यहां केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का माध्यम बन जाता है। कवंत की खासियत यह भी है कि यह अब केवल स्थानीय उत्सव नहीं रह गया है। इसकी ख्याति देश-विदेश तक पहुंच चुकी है।

हर वर्ष बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक और अनिवासी भारतीय इस अनूठे जनजातीय उत्सव को देखने के लिए यहां आते हैं। उनके लिए यह अनुभव किसी जीवंत सांस्कृतिक संग्रहालय से कम नहीं होता, जहां वे भारत की आदिवासी परंपराओं को करीब से महसूस कर पाते हैं। बदलते समय के बावजूद कवंत अपनी मूल पहचान को सहेजे हुए है। यह उत्सव आज भी उस सरल, सामूहिक और आनंदमय जीवनशैली की झलक प्रस्तुत करता है, जो आधुनिकता की दौड़ में कहीं खोती जा रही है। यही कारण है कि कवंत न केवल एक त्योहार है, बल्कि वह परंपरा, पहचान और समुदाय की एक ऐसी जीवित कहानी है, जो हर साल नए उत्साह के साथ दोहराई जाती है।

आर्ट गैलरी

यशोदा और कृष्ण : भारतीय कला की पुनर्पहचान

कला जगत की ताजा खबर यह है कि वैक्सीन उद्योग के अरबपति सायरस पूनावाला ने राजा रवि वर्मा की प्रसिद्ध कृति "यशोदा और कृष्ण" को 17.9 मिलियन डॉलर (लगभग 1672 करोड़ रुपये) में खरीदकर भारतीय चित्रकला की नीलामी का नया रिकॉर्ड स्थापित किया। यह नीलामी 1 अप्रैल को मुंबई स्थित सैफ्रोनआर्ट में हुई, जहां इस कृति ने अनुमानित मूल्य से कहीं अधिक बोली प्राप्त की और एम. एफ. हुसैन की कृति "ग्राम यात्रा" को मिली उच्चतम बोली का पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस तरह यह चित्र दक्षिण एशियाई कला के लिए दूसरी सबसे महंगी कृति बन गयी है। हालांकि पहला स्थान 2017 में बिकी एक बौद्ध मूर्ति के पास है। पूनावाला ने इसे "राष्ट्रीय धरोहर" बताते हुए कहा कि वे इसे समय-समय पर सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए उपलब्ध कराते रहेंगे।

यह कृति रवि वर्मा के करियर के उस शिखर काल की है, जिसमें पाश्चात्य यथार्थवादी शैली और भारतीय पौराणिक विषयों का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। उल्लेखनीय है कि रवि वर्मा उन कलाकारों में शामिल हैं, जिन्हें 1972 के भारतीय कानून के तहत 'राष्ट्रीय धरोहर' घोषित किया गया है, जिसके कारण उनकी कृतियां देश से बाहर नहीं जा सकतीं हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यह बिक्री भारतीय कला बाजार के परिपक्व होने और देश के भीतर सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने की बढ़ती प्रवृत्ति का सुखद संकेत है।

सुमन कुमार सिंह
कलाकार/कला लेखक

"यशोदा और कृष्ण" शीर्षक वाली यह कृति केवल एक ग्रामीण दृश्य नहीं है, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक स्मृति, भक्ति-परंपरा और मातृत्व के गहन प्रतीकवाद से समृद्ध एक दृश्य-आख्यान बन जाती है। राजा रवि वर्मा ने इस चित्र में पौराणिक कथा को लोकजीवन के सहज परिवेश में रूपायित कर उसे एक नई यथार्थवादी संवेदना प्रदान की है। चित्र में माता यशोदा को एक साधारण ग्रामीण स्त्री के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जो गाय का दूध निकाल रही हैं। उनके पीछे बालक कृष्ण का स्नेहपूर्ण आलिंगन मातृत्व और बाल-क्रीड़ा की आत्मीयता को व्यक्त करता है। यहां कृष्ण कोई अलौकिक, चमत्कारिक देवता नहीं, बल्कि एक चंचल, स्नेहमय बालक के रूप में दिखाई देते हैं-यही रवि वर्मा की सबसे बड़ी विशेषता है, अर्थात् देवत्व का मानवीकरण।

कला-इतिहास की दृष्टि से यह चित्र भारतीय भक्ति आंदोलन की उस परंपरा को दृश्य रूप देता है, जिसमें ईश्वर को एक सुलभ, प्रेमपूर्ण और मानवीय रूप में अनुभव किया जाता है। विदित है कि यशोदा-कृष्ण संबंध वैष्णव भक्ति परंपरा में 'माधुर्य' और 'वात्सल्य' भाव का प्रमुख उदाहरण है। इस चित्र में वात्सल्य रस की अभिव्यक्ति अत्यंत स्वाभाविक और प्रभावशाली है-यशोदा का शांत, ममत्वपूर्ण चेहरा और कृष्ण का स्नेहिल स्पर्श इस भाव को मूर्त रूप देते हैं।

तकनीकी दृष्टि से, चित्र में प्रकाश और छाया का सूक्ष्म उपयोग, शरीर की आयतनात्मकता और वस्त्रों की यथार्थपरक बनावट यूरोपीय अकादमिक शैली की देन है, किंतु विषय-वस्तु, भाव और प्रतीक पूरी तरह भारतीय हैं। गौ यहां केवल एक पशु नहीं, बल्कि 'गौ-माता' के रूप में भारतीय सांस्कृतिक प्रतीक है- समृद्धि, पोषण और पवित्रता का संकेत।

राजा रवि वर्मा के चित्रों में एक और महत्वपूर्ण पहलू उभरता है-पौराणिक आख्यानों का लोक-रूपांतरण। कृष्ण, जो सामान्यतः वृंदावन के दिव्य नायक या अवतार के रूप में चित्रित होते हैं, यहां एक ग्रामीण बालक के रूप में उपस्थित हैं। इससे दर्शक के साथ उनका संबंध अधिक आत्मीय और निकट हो जाता है। इस प्रकार, रवि वर्मा ने धार्मिक कथा को सामाजिक यथार्थ के साथ जोड़कर उसे जनसामान्य के अनुभव का हिस्सा बना दिया। आलोचनात्मक दृष्टि से देखें तो यह चित्र उस सांस्कृतिक परियोजना का हिस्सा है, जिसमें औपनिवेशिक काल में भारतीय पहचान को पुनर्परिभाषित करने का प्रयास किया जा रहा था। यशोदा और कृष्ण के माध्यम से 'भारतीय मातृत्व' और 'आदर्श बालक' की छवि गढ़ी गई, जो एक सांस्कृतिक आदर्श का निर्माण करती है।

अंततः "यशोदा और कृष्ण" केवल एक चित्र नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन, भक्ति-संवेदना और सांस्कृतिक प्रतीकों का समन्वित रूप है। राजा रवि वर्मा ने इस पेंटिंग के माध्यम से यह सिद्ध किया कि पौराणिक कथाएं केवल अलौकिक नहीं, बल्कि मानवीय अनुभवों के माध्यम से भी उतनी ही प्रभावशाली ढंग से व्यक्त की जा सकती हैं। यही कारण है कि यह कृति आज भी सौंदर्य, भाव और अर्थ- तीनों स्तरों पर अत्यंत प्रासंगिक बनी हुई है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	74,616.58	23,123.65
बढ़त	509.73	155.40
प्रतिशत में	0.69	0.68

सोना 1,53,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,40,000 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 8 अप्रैल 2026

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

चांदी 2,000 रुपये लुढ़की, सोना 600 रुपये टूटा

नई दिल्ली। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी की कीमत 2,000 रुपये, या लगभग एक प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,40,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रह गई। सोमवार को बाज़ार बंद होने के समय इसकी कीमत 2,42,000 रुपये प्रति किलोग्राम थी। सर्राफा बाज़ार में, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 600 रुपये या 0.4 प्रतिशत टूटकर 1,53,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रह गया। पिछले कारोबारी सत्र में यह 1,53,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन का त्याग पत्र

मुंबई। एयर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन ने इस्तीफा दे दिया है। एयरलाइन ने उनके उत्तराधिकारी की तलाश के लिए एक समिति का गठन किया है। कंपनी ने मंगलवार को बताया न्यूजीलैंड मूल के विल्सन पिछले चार वर्ष से टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया के सीईओ एवं प्रबंध निदेशक के रूप में कार्य कर रहे थे। एयरलाइन ने बयान में कहा कि विल्सन ने 2024 में ही एयर इंडिया के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को 2026 में पद छोड़ने की अपनी इच्छा से अवगत करा दिया था।

एसडीएचआई को चार 'डुअल-फ्यूल' जहाज बनाने का ठेका

मुंबई। जहाज निर्माण एवं भारी ढांचा विनिर्माण कंपनी स्वान डिफेंस एंड हेवी इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एसडीएचआई) को एनर्जी वन लिमिटेड से चार डुअल-फ्यूल अमोनिया मालवाहक जहाज बनाने का ठेका मिला है। एसडीएचआई ने मंगलवार को बयान में कहा कि श्रेणी-4 के इस ठेके के तहत पहला पोत अक्टूबर 2029 तक सौंपे जाने की उम्मीद है। इसके बाद के पोत चार-चार महीने के अंतराल पर दिए जाएंगे। यह 1,501 करोड़ रुपये से 3,000 करोड़ रुपये के बीच मूल्य वाला ऑर्डर श्रेणी-4 में आता है। 229.5 मीटर लंबाई और 37 मीटर चौड़ाई वाले इन प्रत्येक जहाजों में अमोनिया ईंधन से चलने वाली प्रणोदन प्रणाली होगी।

टाटा स्टील के कच्चे इस्पात का उत्पादन 8% बढ़ा

नयी दिल्ली। टाटा स्टील ने मंगलवार को बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत में उसका कच्चे इस्पात का उत्पादन 8% बढ़कर 2.34 करोड़ टन रहा, जो अब तक का सर्वाधिक वार्षिक उत्पादन है। कंपनी ने बताया कि उत्पादन में यह वृद्धि मुख्य रूप से उसके कलिंगनगर संयंत्र में परिचालन बढ़ने के कारण हुई है।

24 हजार करोड़ के औद्योगिक निवेश प्रस्तावों को मंजूरी

आठ औद्योगिक इकाइयों को मिलेगा एलओसी, कई जिलों में परियोजनाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रदेश में करीब 24,000 करोड़ के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई। इन प्रस्तावों के तहत राज्य के विभिन्न जिलों में आठ बड़ी औद्योगिक इकाइयां स्थापित की जाएंगी, जिनसे हजारों युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है।

औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी ने बताया कि सरकार की ओर से इन कंपनियों को जल्द ही लेटर ऑफ कंफर्ट जारी किए जाएंगे, जिससे परियोजनाओं के धरातल पर उतरने की प्रक्रिया तेज होगी। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में नए भारत का नया उत्तर प्रदेश आज देश का ग्रोथ इंजन बनने की ओर अग्रसर है। बड़ी संख्या में निवेशक प्रदेश में निवेश के लिए स्वयं आगे आ रहे हैं। प्रत्येक निवेश प्रस्ताव को धरातल पर साकार करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

- हजारों को मिलेगा रोजगार, यूपी बना निवेशकों की पहली पसंद

इन जिलों में लगेंगी उद्योग इकाइयां

इन निवेश प्रस्तावों के तहत शाहजहांपुर, गोरखपुर, ग्रेटर नोएडा, प्रयागराज, हाथरस, यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र और मुरादाबाद में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना होगी। इससे क्षेत्रीय संतुलित विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

इन कंपनियों को मिली कैबिनेट से मंजूरी

ओएफबी टैंक प्रा. लि. – शाहजहांपुर में एग्रो केमिकल प्लांट (589.98 करोड़)
इंडिया ग्लाइकोल्स लि. – गोरखपुर में एथेनॉल प्लांट (669.93 करोड़)
सीईएसी ग्रीन पावर – सोलर सेल प्लांट (3805 करोड़)
बिसलेरी इंटरनेशनल – प्रयागराज में बेवरेज प्लांट (269.31 करोड़)
एजीआई ग्रीन पैक – हाथरस में एल्युमिनियम कैन यूनिट (1128.72 करोड़)
इंटीग्रेटेड बैटरीज इंडिया – यमुना एक्सप्रेसवे पर सोलर सेल यूनिट (1146 करोड़)
त्रिवेणी इंजीनियरिंग – मुरादाबाद में एथेनॉल यूनिट (237 करोड़)
अवाडा इलेक्ट्रो – संशोधित निवेश 13,640.79 करोड़

शेयर बाजार में चौथे दिन भी तेजी, सेंसेक्स 510 अंक चढ़ा, निफ्टी हुआ 23 हजारी

मानक ब्रेंट क्रूड 0.71% टूटकर 109 डॉलर प्रति बैरल पर आया

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में तेजी जारी रही। इससे बीएसई सेंसेक्स 510 अंक चढ़ गया और एनएसई निफ्टी 23,000 अंक के पार पहुंच गया। कच्चे तेल के दाम में नरमी और दुनिया के अन्य बाजारों में तेजी से निवेशकों की धारणा मजबूत हुई। इसके अलावा, आईटी शेयरों में लिवाली से भी बाजार में सुधार हुआ।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 509.73 अंक यानी 0.69 प्रतिशत बढ़कर 74,616.58 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह ऊंचे में 74,686.32 अंक तक गया

और नीचे में 73,282.41 अंक तक आया। इससे बाजार में 1,403.91 अंक का उतार-चढ़ाव आया। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 155.40 अंक यानी 0.68 प्रतिशत चढ़कर 23,123.65 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक, इन्फोसिस, भारती एयरटेल, सन फार्मा और हिंदुस्तान यूनिलीवर प्रमुख रूप से लाभ में रहीं।

दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में इंटरग्लोब एविएशन, अदाणी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाइटन शामिल हैं। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.71 प्रतिशत टूटकर 109 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

बीएसई में सूचीबद्ध शेयरों में 2,671 में बढ़त दर्ज की गई, जबकि 1,555 शेयरों में गिरावट आई और 155 शेयर के भाव अपरिवर्तित रहे। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट बढ़त के साथ बंद हुए। हांगकांग में अवकाश के कारण बाजार बंद थे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में सकारात्मक रुख था।

संकट प्रभावित कारोबारों को 2.5 लाख करोड़ की ऋण गारंटी योजना पर विचार

नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी देगी बैंक ऋण पर यह गारंटी

नयी दिल्ली, एजेंसी

सरकार पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित कारोबारों, विशेषकर सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को राहत देने के लिए 2.5 लाख करोड़ रुपये की ऋण गारंटी योजना लाने पर विचार कर रही है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस योजना के तहत अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण उधारकर्ताओं द्वारा ऋण चुकाने में चूक होने की स्थिति में उधारदाताओं को 100 करोड़ रुपये तक के ऋणों पर करीब 90 प्रतिशत की ऋण गारंटी प्रदान की जाएगी। बैंक ऋण पर यह गारंटी नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी (एनसीजीटीसी) देगी जो सरकार की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। इस योजना के लिए सरकार को करीब 17,000 करोड़ से 18,000 करोड़ रुपये का प्रावधान करना होगा।

सूत्रों ने बताया कि ऐसी ही योजना कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान भी लागू की गई थी, जो काफी सफल रही और विभिन्न क्षेत्रों के कई कारोबारों को काम जारी रखने एवं बकाया चुकाने में मदद मिली। सरकार ने मई 2020 में आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत आपात ऋण गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) शुरू की थी। इसका उद्देश्य कोविड-19 वैश्विक महामारी से उत्पन्न व्यवधान के बीच पात्र एमएसएमई और अन्य कारोबारी इकाइयों को परिचालन देनदारियां पूरी करने और कारोबार फिर से शुरू करने में मदद देना था।

इस योजना के तहत अर्थव्यवस्था के करीब सभी क्षेत्रों को शामिल किया गया था और पात्र उधारकर्ताओं को दिए गए ऋण पर सदस्य ऋणदाता संस्थानों को 100 प्रतिशत गारंटी प्रदान की गई थी। योजना की संरचना ऐसी थी कि उधारकर्ताओं को ऋण आसानी से मिल सके। ऋणदाता संस्थान उधारकर्ता के मौजूदा ऋण के आधार पर पूर्व-स्वीकृत ऋण देते थे। अतिरिक्त ऋण के लिए नया मूल्यांकन नहीं किया जाता था। इसके अलावा ऋण पर ब्याज दर की अधिकतम सीमा तय की गई थी।

फॉक्सवैगन के टाइगुन के नए संस्करण का उत्पादन

नयी दिल्ली। वाहन विनिर्माता स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने मंगलवार को फॉक्सवैगन टाइगुन के नए संस्करण का उत्पादन पुणे स्थित अपने संयंत्र में शुरू करने की घोषणा की। कंपनी ने एक बयान में कहा कि नया टाइगुन मॉडल समूह की 'मेक इन इंडिया, फॉर इंडिया एंड द वर्ल्ड' रणनीति को मजबूत करेगा और भारत को वैश्विक उत्पादन एवं निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद करेगा।

रसोई गैस के बाद अब पीएनजी के दाम भी बढ़े

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया संकट के कारण रसोई गैस (एलपीजी) के बाद अब पाइपलाइन के जरिये किचन तक आने वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) के दाम भी बढ़ गये हैं। दिल्ली-एनसीआर के साथ कानपुर, मेरठ, अजमेर जैसे कई शहरों में घरों में पीएनजी की आपूर्ति करने वाली कंपनी इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने एक

अप्रैल से पीएनजी की कीमत बढ़ाकर दिल्ली में 49.59 रुपये प्रति मानक घन मीटर (एससीएम) कर दिया है। इससे पहले एक जनवरी 2026 से इसकी कीमत 47.89 रुपये प्रति एससीएम थी। इस प्रकार राष्ट्रीय राजधानी में पीएनजी 1.70 रुपये प्रति एससीएम महंगी हो गयी है।

एनसीआर के दूसरे शहरों में भी कीमत 1.70 रुपये प्रति एससीएम बढ़ाई गयी है जबकि दूसरे शहरों में पीएनजी एक रुपये महंगी की गयी है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में एक एससीएम पीएनजी की कीमत 47.76 रुपये से बढ़ाकर 49.46 रुपये कर दी गयी है।

भारत-न्यूजीलैंड 24 अप्रैल को कर सकते हैं एफटीए पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर 24 अप्रैल को यहां हस्ताक्षर होने की संभावना है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस समझौते से भारतीय निर्यातकों को द्वीपीय देश के बाजार में अपने उत्पादों के लिए शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी और अगले 15 वर्ष में करीब 20 अरब डॉलर का निवेश आने की उम्मीद है।

दोनों देशों ने इस व्यापार समझौते पर बातचीत पूरी होने की घोषणा पिछले वर्ष 22 दिसंबर को की थी। इस समझौते का लक्ष्य अगले पांच वर्ष में द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर पांच अरब डॉलर करना है। अधिकारी ने बताया कि इस समझौते पर भारत मंडपम में 24 अप्रैल को हस्ताक्षर किए जाने की संभावना है।

काम की बात

EMI का बोझ ऐसे करें कम

कारोबार डेस्क

कर्ज लेना जितना आसान है, लेकिन उसकी अदायगी एक चैलेंज। बाकी खर्चों के साथ ईएमआई देना कई बार मुश्किल हो जाता है। दरअसल EMI केवल एक पेमेंट नहीं, बल्कि लाइफस्टाइल का हिस्सा बन चुकी है। घर, गाड़ी, मोबाइल, यहां तक कि छुट्टियों तक,हर चीज EMI पर मिल रही है। परेशानी तब शुरू होती है जब महीने की सैलरी आती है और कुछ ही दिनों में बैंक के डेबिट मैसेज से आपको तनाव होने लगता है। यदि आप भी अपनी ईएमआई से परेशान हैं, तो आपके काम की बात है।

EMI कम करने के 5 स्मार्ट तरीके

- **सबसे पहले कौन सा लोन खत्म करें?**
  -आप हमेशा सबसे महंगा लोन खत्म करें। क्रेडिट कार्ड और पर्सनल लोन का ब्याज सबसे ज्यादा होता है, ऐसे में इन्हें खत्म करना जरूरी है।
- **क्या ईएमआई कम कर सकते हैं?**
  -हां लाइफस्टाइल के हिसाब से इसको कम कर सकते हैं। अगर EMI ज्यादा लग रही है, तो बैंक से बात करें। लोन की अवधि बढ़वा सकते हैं, EMI कम हो जाएगी। दूसरे बैंक में भी बैलेंस ट्रांसफर कर सकते हैं।
- **खर्च कंट्रोल कैसे करें?**
  -यहां काम आता है 50-30-20 फॉर्मूला। 50% जरूरी खर्च, 30% शौक, 20% बचत। याद रखिए कि अगर EMI ज्यादा है, तो सबसे पहले शौक वाले खर्च कम करें।
- **बोनस का सही उपयोग कैसे करें?**
  -बोनस को खर्च मत करें, लोन खत्म करने में लगाएं। अगर आप हर साल थोड़ा-थोड़ा प्री-पेमेंट करते हैं, तो आपका लोन जल्दी खत्म हो सकता है। इससे ब्याज कम लगेगा और टेंशन भी घटेगी।
- **इमरजेंसी फंड क्यों जरूरी है?**
  -अक्सर अचानक खर्च EMI को बिगाड़ देता है। इसके अलावा मेडिकल खर्च, नौकरी जाने का खतरा या अचानक अन्य कोई आवश्यकता के लिए इमरजेंसी फंड जरूरी होता है।

लोन कंसोलिडेशन भी कर सकते हैं

- आसान भाषा में अपनी एक से अधिक ईएमआई को मिलाकर एक EMI कर लेना लोन कंसोलिडेशन कहलाता है। अगर आपके पास कई हाई इंटरेस्ट लोन हैं (जैसे क्रेडिट कार्ड, पर्सनल लोन), तो कंसोलिडेशन फायदेमंद हो सकता है, अगर :
  - **ब्याज दर कम हो जाए :** नए लोन का इंटरेस्ट पुराने से कम हो।
  - **EMI मैनेज करना आसान हो :** कई की जगह एक ईएमआई रह जाए।
  - **कैश फ्लो सुधरे :** हर महीने कुछ पैसा बचने लगे।
  - **क्रेडिट स्कोर बेहतर हो :** समय पर एक EMI भरना आसान होता है। इससे क्रेडिट स्कोर बेहतर होता है।
- **एक बात याद रखिए**-लोन आपकी आवश्यकता पूरी करता है। EMI आपकी जिम्मेदारी है, उसे बोझ बनाना आपकी गलती। लोन चुकाने में अनुशासन पालन करें। ईएमआई कम दिखाने के चक्कर में कुल लागत की गणना करना न भूलें।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

असम के सीएम सबसे भ्रष्ट, कांग्रेस गठबंधन को मिलेगा बहुमत : खरगे

गुवाहाटी, एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को दावा किया कि असम विधानसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन 126 सीटों में से 72-73 सीटें जीतकर सरकार बनाएगा। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में यह भी कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा भारत में 'सबसे भ्रष्ट' नेता हैं तथा उनके खिलाफ लगे आरोपों पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत को टिप्पणी करनी चाहिए।

खरगे ने दावा किया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला गठबंधन असम में अगली सरकार बनाने जा रहा है। हम 72-73 सीटें जीतेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर मुख्यमंत्री शर्मा पर निशाना साधा। खरगे ने आरोप लगाया कि भारत में कोई भी मुख्यमंत्री उनके जैसा अहंकारी नहीं है। हिमंत विश्व शर्मा केवल अपने परिवार के विकास के लिए काम कर रहे हैं। वह चाय, स्कूल, कोयला, अंडा, जमीन, सुपारी, हर चीज में सिंडिकेट चला रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि शर्मा के कैबिनेट का हर सदस्य भ्रष्ट है और उन सभी के पास हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति है।

बंगाल में भाजपा का सत्ता में आना तय घुसपैठियों को वापस भेजेंगे : शाह

घुसपैठियों के स्वागत को रेड कार्पेट बिछाती है कांग्रेस

पाथरकांडी (असम), एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में 'परिवर्तन' निश्चित है। इस राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में आते ही सभी घुसपैठियों को उनके देशों में वापस भेज दिया जाएगा। शाह ने यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए यह भी दावा किया कि कांग्रेस ने असम की बराक घाटी में अवैध प्रवासियों को शरण दी, जिससे उन्होंने श्रीभूमि, सिलचर और कछार में अपना दबदबा बना लिया।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नागरिकता संशोधन अधिनियम

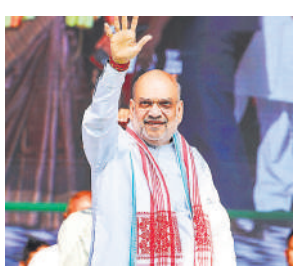

(सीएए) का विरोध इसलिए करती है क्योंकि उसे पता है कि यह कानून सुनिश्चित करेगा कि राज्य में कोई घुसपैठिया न रहे। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश से सताए गए हिंदू इस कानून के दायरे में आते हैं...कांग्रेस इसका विरोध करती है, लेकिन पार्टी मुस्लिम घुसपैठियों के स्वागत के लिए रेड कार्पेट बिछाती है। शाह ने कहा कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है और देश में घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं है। गृहमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में 'परिवर्तन' तय है। जैसे ही भाजपा राज्य में सत्ता में आएगी, असम, त्रिपुरा और बंगाल से सभी घुसपैठियों को उनके देशों में वापस भेज दिया जाएगा।

हैलाकांडी में एक अन्य रैली को संबोधित करते हुए शाह ने दावा किया कि कांग्रेस ने असम में मुस्लिम छात्रों के लिए 700 मदरसे बनाए, लेकिन भाजपा ने उनमें से 402 को प्राथमिक विद्यालयों में बदल दिया ताकि उन्हें भी आधुनिक शिक्षा मिल सके।

प. बंगाल : एसआईआर के बाद वोटर लिस्ट से हटे करीब 91 लाख नाम

कोलकाता, एजेंसी। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के बाद वा से करीब 91 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया पूरी होने के बाद राज्य के अंतिम मतदाता आधार की घोषणा अभी बाकी है। हालांकि, उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, पिछले वर्ष अक्टूबर के अंत में 7.66 करोड़ मतदाताओं के आधार पर, राज्य में इस समय कुल हटाए गए मतदाताओं का प्रतिशत 11.85 प्रतिशत से अधिक है। एसआईआर प्रक्रिया की शुरुआत से अब तक कुल हटाए गए नामों की अंतिम संख्या 90.83 लाख से थोड़ा अधिक रही। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार, न्यायिक अधिकारियों द्वारा की गई जांच में इन 60.06 लाख में से 27.16 लाख 'विवेचनाधीन' मतदाताओं के नाम हटा दिए गए।

मतदाताओं को भयभीत कर रहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी: भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर मतदाताओं को भयभीत करने का मंगलवार को आरोप लगाया और कहा कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस राज्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव में बाधा डाल रही है। भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बनर्जी के इस दावे का खंडन किया कि मतदाताओं को निशाना बनाने के लिए केंद्रीय बलों को तैनात किया जा रहा है और कहा कि ये टिप्पणियां आसन्न चुनावी हार की हताशा दर्शाती हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि उन्हें निश्चित और करारी हार का सामना करना पड़ रहा है। ममता जी, आप अब हताशा में हैं। जब कोई नेता हताश हो जाता है, तो वह कुछ भी कहने लगता है।उन्होंने कहा कि मैं इस दावे की कड़ी निंदा करता हूं कि सीआरपीएफ (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल) लोगों को पीटने आ रही है। ममता जी, सीआरपीएफ किसी को पीटने नहीं आ रही है।

वे यह सुनिश्चित करने आ रहे हैं कि वैसे निर्दोष मतदाता, जिन्हें आपके कार्यकर्ताओं द्वारा हिंसा के माध्यम से मतदान करने से रोका जाता है, अपने मतदान के अधिकार का प्रयोग कर सकें।

टीवीके प्रमुख विजय के दोनों सीटों से नामांकन पत्र स्वीकार

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु विधानसभा के लिए 23 अप्रैल को होने वाले चुनाव में तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) अध्यक्ष विजय द्वारा पेराम्बूर और तिरुचिरापल्ली पूर्व सीट से दाखिल नामांकन पत्रों को मंगलवार को जांच के बाद वैध पाए जाने के साथ स्वीकार कर लिया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। विजय दो विधानसभा क्षेत्रों के साथ अपने चुनावी सफर की शुरुआत करने जा रहे हैं।

स्टालिन ने पुडुचेरी के लिए मांगा पूर्ण राज्य का दर्जा

पुडुचेरी, एजेंसी

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने आरोप लगाया है कि केंद्र ने पुडुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा देने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई है, जबकि केंद्र शासित प्रदेश की विधानसभा ने इस तरह के कदम के लिए 14 बार प्रस्ताव पारित किए हैं। यहां एक रैली को संबोधित करते हुए और नौ अप्रैल को होने वाले चुनावों के लिए कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और विदुथलाई चिरुथाइगल काची (वीसीके) के उम्मीदवारों का औपचारिक परिचय कराते हुए स्टालिन ने आरोप लगाया कि सब कुछ उपराज्यपाल के पास है जबकि मुख्यमंत्री एन रंगासामी को कठपुतली मुख्यमंत्री बनाकर रखा गया है। उन्होंने सोमवार को कहा कि नौ अप्रैल को होने वाले आगामी चुनाव लोगों के लिए पुडुचेरी में मौजूदा समस्याओं को खत्म करने का एक उत्कृष्ट अवसर है।।" स्टालिन ने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले विधानसभा चुनावों के दौरान वादा किया था कि पुडुचेरी "सर्वश्रेष्ठ पुडुचेरी" बनेगा। उन्होंने कहा कि असलियत तो यह है कि लोग अभी पुडुचेरी की सबसे बुरी हालत देख रहे हैं। उन्होंने सरकार की कथित नाकामियों की मिसालें दीं, जिनमें नकली दवा बनाने वाली इकाई की जांच में बाधा डालना और घटिया दवाइयों की खरीद शामिल है।

ममता आज भवानीपुर से करेंगी नामांकन

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल चुनाव में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बुधवार को भवानीपुर सीट से बतौर तृणमूल कांग्रेस प्रत्याशी नामांकन दाखिल करेंगी। ममता बनर्जी की योजना इस दौरान खुद को बहुलवादी और समावेशी होने का राजनीतिक संदेश देने की है। यह इलाका संकरी गलियों और पुरानी हवेलियों वाला है, जहां दशकों से गुजराती व्यापारी, बंगाली परिवार, पंजाबी परिवार और मुस्लिम निवासी साथ-साथ रहते आए हैं। भाजपा के शुभेंदु अधिकारी ने पिछले सप्ताह इस सीट से पर्चा भरा था।

सरकार ने समय पर नहीं दी मंजूरी, इसलिए कांग्रेस की वायनाड आवासीय परियोजना में देरी हुई : प्रियंका

वायनाड (केरल), एजेंसी। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने मंगलवार को दावा किया कि केरल में मुंडक्कई-चूरलमाला भूस्खलन की घटना के पीड़ितों के लिए पार्टी की आवासीय परियोजना में राज्य की वाम सरकार से मंजूरी समय पर न मिलने की वजह से देरी हुई। प्रियंका ने यहां कलपेट्टा में यूडीएफ गठबंधन की एक नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि एलडीएफ की टाउनशिप के उद्घाटन के बाद ही कांग्रेस की परियोजना को मंजूरी

दी गई। उन्होंने कहा कि मुझे यकीन है कि इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग में मेरे साथियों को भी ये ही दिक्कतें हुई होंगी। प्रियंका की यह दलील वायनाड आवासीय परियोजना के लिए धन इकट्ठा करने और पैसे के इस्तेमाल के संबंध में कांग्रेस पर अनियमितताओं के आरोपों के बीच आई है। कांग्रेस महासचिव ने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन पर भी हमला किया और सवाल किया कि भ्रष्टाचार के कई आरोपों का सामना करने के बावजूद उनके खिलाफ कोई मामला क्यों नहीं है, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा का विरोध करने वालों के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियां जांच कर रही हैं। इससे साफ है कि उनके बीच एक गुप्त समझौता है और वे अपने राजनीतिक फायदे के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने पर शीर्ष कोर्ट सख्त

नई दिल्ली, एजेंसी

● केंद्र ने कहा-दो सप्ताह के भीतर सुलझा लिए जाएंगे सभी मुद्दे

केंद्र सरकार ने मंगलवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि देशभर के पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने से जुड़े सभी मुद्दों को दो सप्ताह के भीतर सुलझा लिया जाएगा।

अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ को बताया कि वह इस मुद्दे की समीक्षा कर रहे हैं और इस दिशा में कई कदम उठाए जा रहे हैं। केंद्रीय गृह सचिव भी न्यायालय में उपस्थित हुए। उच्चतम न्यायालय ने छह अप्रैल को एक आदेश में उनसे मंगलवार को अदालत में पेश होने को कहा था ताकि थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की योजना के क्रियान्वयन में उनसे उचित सहायता ली जा सके। देश के शीर्ष विधि अधिकारी ने पीठ से कहा कि दो सप्ताह के भीतर वह सुनिश्चित करेंगे कि सभी मुद्दे सुलझ जाएं, इसके लिए न्याय मित्र और अन्य अधिकारियों के साथ नियमित बैठकें की जाएंगी। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 28 अप्रैल के लिए निर्धारित की है। शीर्ष कोर्ट थानों में कार्यशील सीसीटीवी कैमरों की कमी को लेकर स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई कर रहा है।

आईजीआई हवाई अड्डे पर दो करोड़ का गांजा जब्त

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने बैंकॉक-दिल्ली उड़ान के शौचालय से दो किलोग्राम से अधिक संदिग्ध गांजा जब्त किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि यह बरामदगी पांच अप्रैल को हुई। इसमें कहा गया है कि निगरानी के आधार पर कार्रवाई करते हुए, भारतीय सीमा शुल्क की विशेष शाखा, वायु खुफिया इकाई के अधिकारियों ने बैंकॉक से आने वाली उड़ान पर नजर रखी। बयान में कहा गया है कि निगरानी के दौरान विमान के शौचालय के कूड़ेदान से धूसर (ग्रे) रंग के टेप में लपेटे गए तीन पैकेट बरामद किए गए।

दो मिनट में बिक जा रही आपकी आजादी

टीवी पर विज्ञापन हो, बैंक का फॉर्म या नए फोन की वारंटी, हर जगह एक छोटा सा स्टार (*) बना होता है, जिसके नीचे लिखा होता है 'शर्तें लागू'। यह छोटा सा स्टार असल में वह 'सुरंग' है जिसमें ग्राहकों के अधिकार खो जाते हैं। यही नहीं, एक होम लोन के एग्रीमेंट में औसतन 3,000 से 4,000 शब्द होते हैं। बैंक मैनेजर आपको दस्तखत करने के लिए मुश्किल से 2 मिनट देता है। यानी आपको प्रति सेकंड लगभग 30 शब्द पढ़ने होंगे जो किसी भी इंसान के लिए नामुमकिन है। यही वह समय है जब आपकी मेहनत की कमाई पर शर्तों का ताला लग जाता है। आइए, अलग-अलग क्षेत्रों में छिपे इन 'नियमों' का सच डिकोड करते हैं।

ऐसे होता है खेल

● शून्य ब्याज का सच : अक्सर विज्ञापन 0% ईएमआई का दावा करते हैं, लेकिन शर्तों में प्रोसेसिंग फीस और फाइल चार्ज के नाम पर अच्छी-खासी रकम वसूल ली जाती है। ● न्यूनतम शेष : खाते खोलते समय बड़े अक्षरों में सुविधाएं बताई जाती हैं, पर छोटे अक्षरों में लिखा होता है कि बैलेंस कम होने पर भारी जुर्माना लगेगा।

● पहले से मौजूद बीमारी : बीमा पॉलिसी लेते समय कंपनियां सब कुछ कवर करने का वादा करती हैं, लेकिन शर्तों के पन्नों में ऐसी परिभाषा होती है कि क्लेम के समय कंपनी मुकर जाती है। ● कैपिंग : अस्पताल के कमरे का किराया या डॉक्टर की फीस पर कैपिंग लगा दी जाती है, जिसकी जानकारी बिल भुगतान के समय मिलती है।

● सेल का झांसा : अप टू 70% ऑफ के विज्ञापन में 70% छूट केवल एक या दो पुराने प्रोडक्ट्स पर होती है, बाकी पर केवल 10%। यह 'अप टू' शब्द कानूनी रूप से कंपनी को बचा लेता है। ● क्रीम के विज्ञापनों में 1 हफ्ते में गोरापन के नीचे बहुत छोटे अक्षरों में लिखा होता है, चुनिंदा लोगों पर किए गए परीक्षण के आधार पर परिणाम अलग हो सकते हैं।

● जब आप बैंक से लोन लेते हैं, तो मैनेजर आपके सामने 15 से 20 पन्नों का एक सेट रखता है और कहता है सर, बस यहां-यहां साइन कर दीजिए। हम बिना पढ़े दस्तखत कर देते हैं, लेकिन उन पन्नों में फ्लोटिंग रेट का फंदा, प्री-पेमेंट पेनल्टी, हिडन प्रोसेसिंग और इंस्पेक्शन चार्ज आदि छिपा होता है।

डिकोडर टिप

● स्टार (*) को गंभीरता से लें : जहां भी स्टार मार्क दिखे, समझिये कि वहां कोई 'पेच' है। ● हाइलाइट मांगें : बैंक या बीमा एजेंट से पूछें- वो शर्तें दिखाओ जो मेरे क्लेम को खारिज कर सकती हैं। ● डिजिटल रिकॉर्ड : किसी भी मौखिक वादे पर भरोसा न करें, शर्तों की कॉपी ईमेल पर या हार्ड कॉपी में जरूर मांगें। ● शर्तों को पढ़ें : कंपनियां चाहती हैं कि आप सिर्फ विज्ञापन देखें, शर्तें नहीं। लेकिन एक जागरूक नागरिक वह है जो 'साइन' करने से पहले उन कागजों को भी पढ़े जिन्हें कोई नहीं पढ़ता। ● कई बार बैंक 'बाद में भरने' की बात कहकर खाली फॉर्म पर साइन करा लेते हैं, यह सबसे बड़ा जोखिम है।

फैक्ट फाइल

● एक औसत इंस्ट्राग्राम यूजर की 'टर्म ऑफ सर्विस' में करीब 5,000 से ज्यादा शब्द होते हैं। इसे ध्यान से पढ़ने में एक सामान्य पाठक को 20 से 25 मिनट लग सकते हैं। ● अगर हम वाट्सअप, फेसबुक और गूगल जैसी सिर्फ 5 मुख्य सेवाओं की शर्तों को जोड़ लें, तो यह एक 60-70 पन्नों की किताब बन जाएगी। ● कार्नेगी मेलन यूनिवर्सिटी के शोध के अनुसार, अगर हम साल भर की सभी डिजिटल शर्तों को पढ़ें, तो हमें 76 कार्य-दिवस यानी करीब ढाई महीने की छुट्टी लेनी पड़ेगी। कंपनियां इसी समय की कमी और शब्दों के जाल का फायदा उठाकर आपकी सहमति हासिल कर लेती हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

ईरान ने जापानी को जमानत पर रिहा किया

तोक्यो। जापान सरकार के एक शीर्ष प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि जनवरी में ईरान में हिरासत में लिए गए एक जापानी नागरिक को जमानत पर रिहा कर दिया गया है। मुख्य कैबिनेट सचिव मिनोरू किहारा ने तोक्यो में पत्रकारों को बताया कि इस नागरिक की रिहाई की पुष्टि सोमवार को हुई और जापान ईरानी प्राधिकारियों से पूर्ण रिहाई की मांग कर रहा है। उन्होंने बताया कि ईरान में जापान के राजदूत तमाकी सुकादा ने रिहा किए गए व्यक्ति से मुलाकात की।

तस्करी के आरोप में दो भारतीय गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल के लुम्बिनी प्रांत में मंगलवार को मादक पदार्थ तस्करी के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए तीन व्यक्तियों में दो भारतीय नागरिक शामिल हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तारियां भारत की सीमा से सटे रूपन्देही जिले में की गईं। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान उत्तर प्रदेश के महराजगंज निवासी अरुण कुमार और बिनय पांडे के रूप में की गई है। इसके अलावा, नेपाली नागरिक बिशाल यादव को भी गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से फेनरगन, डायजेपाम और ब्रूफेन जैसी दवाओं की 3,300 शीशियां बरामद की गईं।

सऊदी को बहरीन से जोड़ने वाला पुल खुला

दुबई। सऊदी अरब को बहरीन द्वीप से जोड़ने वाला प्रमुख पुल किंग फहद कॉजवे ईरान से हमलों की आशंका के कारण कुछ घंटों तक बंद रहने के बाद मंगलवार सुबह फिर से खोल दिया गया। किंग फहद कॉजवे प्राधिकरण ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी और कहा कि बहरीन और अरब प्रायद्वीप के बीच सड़क से जुड़ने वाला यह एकमात्र मार्ग अब फिर से चालू हो गया है। ईरानी हमलों के कारण बहरीन का हवाई अड्डा कई हफ्तों से बंद है। इस पुल को कुछ ही घंटे के लिए उस समय बंद किया गया जब ईरान की ओर से दागी गई एक बैलिस्टिक मिसाइल ने सऊदी अरब को निशाना बनाया और उससे वहां के ऊर्जा ढांचे को नुकसान पहुंचने की आशंका है। हालांकि, इस हमले से हुए नुकसान के बारे में सऊदी अरब ने अभी तक विस्तृत जानकारी नहीं दी है।

इस्तांबुल में इजराइली दूतावास पर गोलीबारी

इस्तांबुल। तुर्किये के इस्तांबुल में मंगलवार को इज़राइली वाणिज्य दूतावास की इमारत पर बंदूकधारियों ने गोलीबारी की और इस दौरान हुई मुठभेड़ में दो हमलावर मारे गए तथा एक पुलिस अधिकारी घायल हो गया। प्रसारक हबर्तुर्क की खबर के अनुसार, हमलावरों के पास लंबी बैरल वाले हथियार थे। पुलिस के साथ हुई गोलीबारी में दो हमलावर मारे गए, तीसरे हमलावर को पकड़ लिया गया।

मणिपुर में सीआरपीएफ शिविर पर भीड़ का हमला, गोलीबारी में दो लोगों की मौत

संदिग्ध उग्रवादियों के हमले में दो बच्चों की मौत के बाद राज्य में भड़की हिंसा

इंफाल, एजेंसी

मणिपुर के गृह मंत्री गोविंदास कांथौजम ने मंगलवार को कहा कि बिष्णुपुर जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) शिविर पर भीड़ द्वारा धावा बोले जाने के बाद गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। कोंथौजम ने बताया कि मोइरांग ट्रोंग्लाओबी इलाके में संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा किए गए बम हमले में दो बच्चों की मौत के विरोध में बड़ी संख्या में युवाओं और महिलाओं ने प्रदर्शन किया।

उन्होंने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने बम हमले वाली जगह से कुछ ही सौ मीटर दूर गेलमोल के पास स्थित सीआरपीएफ शिविर पर धावा बोल दिया, वहां वाहनों को जलाया और संपत्तियों में तोड़फोड़ की। मंत्री ने कहा कि मैंने प्रदर्शनकारियों से सीआरपीएफ शिविर में प्रवेश नहीं करने और सुरक्षा बलों को बम हमले में शामिल लोगों को पकड़ने के अभियान पर ध्यान केंद्रित करने देने का आग्रह किया था। लेकिन प्रदर्शनकारियों ने मेरी अपील पर ध्यान नहीं दिया। राज्य के गृह मंत्री ने कहा कि उन्होंने सीआरपीएफ शिविर पर धावा बोल दिया, वाहनों को जला दिया और शिविर के कुछ हिस्सों में तोड़फोड़ की, जिसके कारण सुरक्षाकर्मियों को गोलीबारी करनी पड़ी। उन्होंने या तो आत्मरक्षा में या गुस्से में गोली चलाई। दुर्भाग्य से, गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गोली लगने से घायल हो गए। मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह ने इस हमले को बर्बर कृत्य करार दिया और लोगों को आश्वासन दिया कि इस अपराध के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करके उनके खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारी ने कहा कि जब घर में बम फटा, उस समय दोनों बच्चे और उनकी मां सो रह थे। घटना के विरोध में स्थानीय निवासियों ने आज सुबह प्रदर्शन किया और इलाके में एक पेट्रोल पंप के पास दो तेल टैंकरों और एक ट्रक में आग लगा दी।

बम हमले की जांच एनआईए को सौंपने का फैसला

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार ने बिष्णुपुर जिले में हुए बम हमले की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को सौंपने का फैसला किया है। हमले में दो बच्चों मौत हो गई। सिंह ने इस घटना की कड़ी निंदा की और कहा कि यह कृत्य उन व्यक्तियों या समूहों का काम लगता है, जिनके निजी स्वार्थ राज्य में शांति भंग करने में हैं। उन्होंने बताया कि राज्य के गृह मंत्री और अन्य विधायकों के साथ विस्तृत चर्चा के बाद मामले को एनआईए को सौंपने का निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि फिलहाल आरोपियों की पहचान नहीं हो पाई है। बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चल रहा है। पुलिस, असम राइफल्स और सीआरपीएफ को तैनात कर दिया गया है।

चार जिलों में कर्फ्यू इंटरनेट प्रतिबंधित

इंफाल। मणिपुर सरकार ने हिंसा के मद्देनजर मंगलवार को इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर और काकचिंग जिलों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया। इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, बिष्णुपुर और काकचिंग के जिलाधिकारियों ने अपने-अपने जिलों में कर्फ्यू लागू करने का आदेश जारी किया। आदेश में कहा गया है कि सात अप्रैल से अगले आदेश तक किसी भी व्यक्ति का अपने निवास स्थान से बाहर निकलना प्रतिबंधित है। राज्य सरकार ने इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर के पांच घाटी जिलों में ब्रॉडबैंड, वीसैट और वीपीएन सहित इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाओं को तीन दिनों के लिए निलंबित करने का भी आदेश दिया है।

नेपाल ने छह देशों से अपने राजदूत वापस बुलाए

काठमांडू। नेपाल ने भारत समेत छह देशों से अपने राजदूत वापस बुला लिए हैं, जिन्हें केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली पिछली सरकार के कार्यकाल में नियुक्त किया गया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लोक बहादुर छेत्री ने बताया कि सरकार ने एक मंत्रिमंडल फैसले के माध्यम से भारत, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, डेनमार्क, दक्षिण कोरिया और दक्षिण अफ्रीका में कार्यरत राजदूतों को वापस बुला लिया है।

छेत्री के मुताबिक, जिन राजदूतों को वापस बुलाया गया है, उनमें शंकर प्रसाद शर्मा (भारत), चित्रलेखा यादव (ऑस्ट्रेलिया), सुमनिमा तुलाधर (डेनमार्क), पूर्ण बहादुर नेपाली (श्रीलंका), शिवमाया तुम्बाहम्फे (दक्षिण कोरिया) और कपिलमान श्रेष्ठ (दक्षिण अफ्रीका) शामिल हैं। उन्होंने बताया कि छह देशों में तैनात राजदूतों को सोमवार को पत्र जारी कर एक महीने के भीतर लौटने का निर्देश दिया गया है।

ईरान युद्ध ने नाटो को लेकर मुझ पर गहरा असर छोड़ा है जिसे कभी नहीं भूलूंगा : ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी

● अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान से जंग में फिर नाटो पर की टिप्पणी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि ईरान युद्ध के दौरान इस सैन्य गठबंधन और दक्षिण कोरिया, जापान व ऑस्ट्रेलिया जैसे मित्र देशों ने अमेरिका की मदद नहीं की। व्हाइट हाउस में सोमवार को संवाददाता सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने यह टिप्पणी की।

उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब नाटो के महासचिव मार्क रूट जल्द ही वाशिंगटन दौरे पर आने वाले हैं। ट्रंप पहले भी नाटो को कागजी शेर बता चुके हैं। ट्रंप ने कहा कि ईरान युद्ध ने नाटो को लेकर ऐसा प्रभाव छोड़ा है, जो मेरे दिमाग से कभी नहीं जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि नाटो के साथ मतभेद तब शुरू हुए, जब ग्रीनलैंड को अपने नियंत्रण में लेने के उनके प्रस्ताव को ठुकरा दिया गया। ट्रंप ने कहा, नाटो एक कागजी शेर है, जिससे व्लादिमीर पुतिन भी नहीं डरते। ईरान युद्ध पर ट्रंप ने कहा कि नाटो सदस्य देशों ने जानबूझकर मदद नहीं की। उन्होंने कहा, देखिए, हम नाटो के पास गए। मैंने बहुत जोर नहीं दिया, बस इतना कहा- अगर आप मदद करना चाहें तो अच्छा होगा। ट्रंप के मुताबिक, उन्हें जवाब मिला, नहीं।

बांग्लादेश की पहली महिला संसद अध्यक्ष गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व अध्यक्ष शिरीन शरमीन चौधरी को मंगलवार को ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। समाचार पत्र प्रथम आलो की खबर के अनुसार, चौधरी को ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की खुफिया शाखा ने लालबाग थाने में दर्ज एक मामले के सिलसिले में गिरफ्तार किया। यह मामला जनआंदोलन के दौरान हुई हिंसा और तोड़फोड़ की घटनाओं से जुड़ा है। एक सूत्र ने बताया कि चौधरी विभिन्न स्थानों पर छिप कर रह रही थीं। अभी वह धनमंडी में एक रिश्तेदार के घर में रह रही थीं, जहां से उन्हें मंगलवार सुबह हिरासत में लिया गया। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के मीडिया प्रभाग के उपायुक्त एम एन नसीरुद्दीन ने बताया कि चौधरी से पूछताछ की जा रही है।

अमेरिका जाएंगे विदेश सचिव विक्रम मिसरी

नई दिल्ली। विदेश सचिव विक्रम मिसरी बुधवार से वाशिंगटन डीसी की तीन दिवसीय यात्रा पर जाएंगे, जहां वह द्विपक्षीय व्यापार और रक्षा संबंधों की समीक्षा करेंगे तथा पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट पर चर्चा करेंगे। मिसरी की आठ से 10 अप्रैल तक की यात्रा भारत-अमेरिका द्विपक्षीय सहयोग के व्यापक पहलुओं की समीक्षा करने और प्रमुख क्षेत्रों में जारी सहयोग को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करेगी। यात्रा ऐसे समय हो रही है जब दोनों पक्ष अनिश्चितता और तनाव के दौर के बाद संबंधों को स्थिर करने के लिए काम कर रहे हैं। अमेरिका द्वारा भारत पर दंडात्मक शुल्क लगाए जाने और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पिछले साल मई में भारत-पाकिस्तान सैन्य झड़पों को कम करने में अपनी भूमिका को लेकर विवादास्पद दावे किए जाने के बाद द्विपक्षीय संबंधों में बड़ी गिरावट आई थी।

जम्मू-कश्मीर में लश्कर के अंतर्राज्यीय आतंकी माड्यूल का खुलासा, 5 गिरफ्तार

श्रीनगर, एजेंसी

● हिरासत में लिए गए आतंकियों में ए प्लस श्रेणी के दो पाकिस्तानी आतंकवादी भी शामिल

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक अंतर्राज्यीय आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए पिछले 16 साल से फरार अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरैरा समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि अब्दुल्ला के अलावा एक अन्य पाकिस्तानी आतंकी उस्मान उर्फ खुबैब को भी अभियान में गिरफ्तार किया गया।

यह कार्रवाई जम्मू और कश्मीर पुलिस द्वारा फरीदाबाद के अल फलाह विश्वविद्यालय में स्थित एक सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने के छह महीने बाद हुई है, जिसके तार कश्मीर, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से जुड़े हुए थे। अधिकारियों ने बताया कि गत कुछ दिनों में, जांचकर्ताओं ने जम्मू और कश्मीर, राजस्थान और हरियाणा सहित 19 स्थानों पर छापेमारी की और चार एके असॉल्ट राइफलों सहित बड़ी मात्रा में हथियार और आपत्तिजनक सामग्री बरामद की। केंद्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय कर की गई जांच के दौरान लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों को साजो-सामान और वित्तीय सहायाता करने वाले एक विशाल नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ। अधिकारियों ने बताया कि पकड़े गए पांच लोगों में से तीन श्रीनगर के रहने वाले हैं। मोहम्मद नकीब भट, आदिल राशिद भट और गुलाम मोहम्मद मीर उर्फ मामा को आतंकवादियों को आश्रय और भोजन सहित सामरिक सहायता प्रदान करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि जम्मू और कश्मीर के पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात व्यक्तिगत रूप से इस कार्रवाई की निगरानी कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि हिरासत में लिए गए दो पाकिस्तानी आतंकवादियों को ए प्लस श्रेणी में रखा गया है। दोनों जम्मू-कश्मीर के साथ-साथ अन्य राज्यों में जाली दस्तावेजों और पहचान के आधार पर लश्कर-ए-तैयबा के नेटवर्क का विस्तार करने का कार्य कर रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि दोनों आतंकवादियों ने करीब 16 साल पहले भारत में घुसपैठ की थी

सुरक्षाबलों द्वारा गिरफ्तार लश्कर का आतंकवादी उस्मान उर्फ खुबैब।

श्रीलंका से रिहा हुए 30 भारतीय मछुआरे लौटे

कोलंबो। श्रीलंका से रिहा किए गए 30 भारतीय मछुआरों को मंगलवार को वापस भेज दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत के 30 मछुआरों को आज श्रीलंका से वापस भेजा गया। उन्होंने बताया कि ये मछुआरे स्वदेश लौट रहे हैं। श्रीलंका की नौसेना के अनुसार, उसने इस साल अब तक मछली पकड़ने वाली 15 नौकाएं जब्त की और 102 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है।

उसने कहा कि 2025 में श्रीलंका के जल क्षेत्र में 346 मछुआरों को गिरफ्तार किया गया था। नौसेना के प्रवक्ता कमांडर बुद्धिका संपत ने बताया कि वह नहीं बता सकते कि रिहा किए गए 30 मछुआरे किस समूह से थे। उन्होंने कहा यह पूरी तरह से अदालती प्रक्रिया पर निर्भर करता है।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज आपको सकारात्मक बने रहना चाहिए। सभी काम बनते हुए प्रतीत होंगे। अपरिचित लोगों से अधिक तालमेल न रखें।

तुला – आज दोपहर के बाद आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। किसी कार्य को औपचारिकता में न करें।

वृष – आज पुराने विवाद दोबारा उठ खड़े हो सकते हैं। अच्छी सलाह भी लोगों को समझ नहीं आएगी। बिना मांगे किसी को सलाह न दें।

वृश्चिक – आज कार्यक्षेत्र में विरोधी कमजोर पड़ते दिखाई देंगे। नए कार्यों की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं। अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे।

मिथुन – आज कार्यक्षेत्र में विशेषज्ञ लोगों से मार्गदर्शन प्राप्त होगा। प्रेम संबंध अत्यंत मधुर रहने वाले हैं। आपके सामाजिक संपर्क मधुर होंगे।

धनु – आज आर्थिक मामलों को लेकर भाग्यशाली रहेंगे। नए व्यापारिक अनुबंध कर सकते हैं। प्रेम संबंधों को विवाह का स्वरूप दे सकते हैं।

कर्क – आज आपका दिन अत्यधिक व्यस्त रहेगा। पैतृक संपत्ति के मामलों के उलझ सकते हैं। गुप्त शत्रु आपके विरुद्ध दुष्प्रचार कर सकते हैं।

मकर – आज कार्य की अधिकता रहेगी। एक ही काम को बार-बार करना पड़ सकता है। पेट में जलन जैसी समस्या हो सकती है।

सिंह – आज आप अपने घर में रहना पसंद करेंगे। प्रेमीजन को मूल्यवान उपहार दे सकते हैं। इससे आपके संबंध मधुर होंगे।

कुंभ – आज का दिन आर्थिक मामलों के लिए दिन बहुत अच्छा है। मनोनुकूल काम मिलने से काफी अच्छा महसूस करेंगे। खर्चों में कमी आएगी।

कन्या – आज आप जिस काम को आसान मान रहे थे, वो आपको काफी परेशान करेगा। रिश्तेदारों के कारण कुछ तनाव हो सकता है।

मीन – आज आपको कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। लोगों से आपकी दोस्ती बढ़ सकती है। राजनीति में आप विशेष रुचि ले सकते हैं।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय

आज की ग्रह स्थिति : 8 अप्रैल, बुधवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष-कृष्ण पक्ष, षष्ठी 19 .01 तक तत्पश्चात सप्तमी।

दिशाशूल-उत्तर, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- ज्येष्ठा 05 .54 तक तत्पश्चात मूल।

सुडोकू - 112 का हल

4	7	8	1	2	5	6	3	9
3	1	2	7	6	9	8	5	4
9	6	5	4	8	3	1	7	2
8	4	7	9	3	1	2	6	5
5	2	1	8	7	6	4	9	3
6	9	3	2	5	4	7	1	8
1	5	4	6	9	2	3	8	7
7	3	6	5	4	8	9	2	1
2	8	9	3	1	7	5	4	6

सुडोकू -113

			5	1		4		
		7			2			1
				4	9			
	6					8		
5		2						7
		8	4	7			6	
9				5				
			9		7	5		
		3		6	4			

खालसा दिवस पर 1763 श्रद्धालु जाएंगे पाकिस्तान

अमृतसर। खालसा स्थापना दिवस (बैसाखी) के अवसर पर पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारों के दर्शन के लिए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) द्वारा भेजे जाने वाले जत्थे के लिए 1763 श्रद्धालुओं को वीजा प्राप्त हुआ है। यह जत्था 10 अप्रैल को शिरोमणि कमेटी के कार्यालय से रवाना होगा। शिरोमणि कमेटी के सचिव बलविंदर सिंह काहलवां ने मंगलवावर को बताया कि शिरोमणि कमेटी द्वारा 1795 श्रद्धालुओं के पासपोर्ट दिल्ली स्थित पाकिस्तान दूतावास भेजे गए थे। इनमें से दूतावास ने 1763 श्रद्धालुओं को वीजा जारी किया है। सिंह ने बताया कि यह जत्था 10 अप्रैल को शिरोमणि कमेटी कार्यालय से जयकारों की गूंज के साथ रवाना होगा। श्रद्धालु पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारा श्री पंजा साहिब, हसन अब्दाल में खालसा साजना दिवस (बैसाखी) के मुख्य समारोह में शामिल होंगे। जत्था 19 अप्रैल को स्वदेश वापस लौटेगा।

गंभीर हालात | संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को पत्र लिखकर तत्काल कार्रवाई की मांग

परमाणु केंद्रों पर हमले पर ईरान ने जताया सख्त एतराज

तेहरान, एजेंसी

ईरान ने अपने सुरक्षित परमाणु केंद्रों पर हुए सिलसिलेवार सशस्त्र हमलों की कड़ी निंदा करते हुए सीधे तौर पर अमेरिका और इजराइल को जिम्मेदार ठहराया है और संयुक्त राष्ट्र संघ तथा अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) से तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है।

ईरान के विदेश मंत्री डॉ. अब्बास अराघची ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव, सुरक्षा परिषद के सदस्यों और आईएईए के महानिदेशक को लिखे एक पत्र में मुख्य परमाणु स्थलों पर हुए हमलों को गंभीर तनाव पैदा करने वाला बताया है, जो क्षेत्रीय सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय कानून दोनों के लिए खतरा है। पत्र में अंतर्राष्ट्रीय निकायों पर निष्क्रियता का आरोप लगाते हुए संभावित रेडियोधर्मी खतरों की भी चेतावनी दी गई है। इसके साथ ही आईएईए सुरक्षा मानकों के तहत ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया है। तीन अप्रैल की तारीख वाले इस पत्र में पिछले नौ महीनों के दौरान ईरान के परमाणु बुनियादी ढांचे पर हुए कथित हमलों का विवरण दिया गया है। इसमें नतांज केंद्र, खोंदाब-अराकल स्थित हैवी वॉटर उत्पादन संयंत्र और बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हुए हमले शामिल हैं। अराघची ने चेतावनी दी कि इस तरह के हमलों के गंभीर मानवीय और पर्यावरणीय परिणाम हो सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र और आईएईए की चुप्पी से बढ़ा मनोबल

अराघची ने कहा कि ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु केंद्रों पर हमले और बमबारी की गई। बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, आईएईए के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स और महानिदेशक इन हमलों की निंदा करने तक में विफल रहे हैं। पत्र में बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास कई हमलों और यूरेनियम प्रसंस्करण स्थलों पर हमलों का जिक्र है। मंत्री ने हमलों की भारी वृद्धि पर चिंता जताते हुए इन्हें अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून का घोर उल्लंघन बताया है। अराघची ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और आईएईए पर हमलों की निंदा न करने का आरोप लगाते हुए तर्क दिया कि उनकी चुप्पी ने हमलावरों का मनोबल बढ़ाया है।

''हमने दो मैच जीत लिए हैं इसलिए उनकी कमी अभी महसूस नहीं हुई है। वह दुनिया के बेहतरीन गेंदबाजों में से एक हैं। आईपीएल में स्टार्क से बड़ा कोई गेंदबाज नहीं है। मुझे सिर्फ बुमराह का ही नाम याद आता है।''
–मुनाफ पटेल, पूर्व तेज गेंदबाज

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

लखनऊ, बुधवार, 8 अप्रैल 2026

IPL 2026

आज का मुकाबला

दिल्ली कैपिटल्स

बनाम

गुजरात टाइटन्स

समय - शाम 7:30 बजे

हाईलाइट

रवि शास्त्री स्टैंड का अनावरण गुरुवार को

मुंबई, एजेंसी। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) गुरुवार (9 अप्रैल) को वानखेड़े स्टेडियम में रवि शास्त्री स्टैंड का अनावरण करेगा और स्टेडियम के गेट दिलीप सरदेसाई, एकनाथ सोलकर और डायना एडुल्जी को समर्पित करेगा। इस मौके पर मुंबई और भारत की चार सबसे प्रतिष्ठित क्रिकेट हस्तियों को सम्मानित किया जाएगा। इस अनावरण समारोह में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस बढ़ाएंगे। एमसीए के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक भी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे।

मीनाक्षी, जैसमीन और विश्वनाथ फाइनल में

उलानबटोर, एजेंसी। मौजूदा विश्व चैम्पियन जैसमीन लंबोरिया और मीनाक्षी हुड्डा एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंच गई हैं। अब स्वर्ण पदक के लिए खेलने वाले भारतीय मुक्केबाजों की संख्या बढकर आठ हो गई है। विश्वनाथ सुरेश (50 किलो) और सचिन सिवाच (60 किलो) ने भी फाइनल में जगह बनाई। वहीं आकाश (75 किलो), लोकेश (85 किलो), नरेंदर बेरवाल (90 प्लस किलो) और हर्ष चौधरी (90 किलो) को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारत के आठ मुक्केबाज फाइनल खेलेंगे।

चीनी ताइपै के खिलाफ भारत के लिये 'करो या मरो' का मुकाबला

पाथुम थानी (थाईलैंड), एजेंसी। भारतीय टीम एएफसी महिला अंडर 20 एशियाई कप के ग्रुप सी के आखिरी मैच में मंगलवार को चीनी ताइपै से खेलेगी और उसे क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बनाये रखने के लिये हर हालत में जीत दर्ज करनी होगी। जापान और आस्ट्रेलिया से पहले दो मैचों में मिली हार के बाद भारत और चीनी ताइपै समान स्थिति में हैं और दोनों के लिये यह मुकाबला निर्णायक रहेगा। भारत का गोल अंतर माइनस 11 है जबकि चीनी ताइपै का माइनस सात है।

डेविड वॉर्नर शराब पीकर गाड़ी चलाने पर गिरफ्तार

सिडनी, एजेंसी।

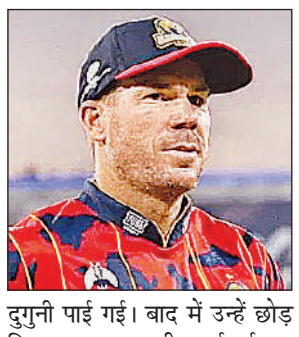

आस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को मंगलवार को शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। बताया गया कि मारूबा में श्वास की औचक जांच के बाद उनके शरीर में अल्कोहल की मात्रा तय सीमा से अधिक पाई गई।

वॉर्नर अगले महीने कोर्ट के समक्ष पेश होंगे। पाकिस्तान क्रिकेट लीग में कराची किंग्स के साथ करार करने वाले वॉर्नर को स्थानीय थाने ले जाया गया जहां फिर उनके शरीर में अल्कोहल की मात्रा तय सीमा से दुगुनी पाई गई। बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। कानूनी कार्रवाई का असर वॉर्नर के पीएसएल में खेलने पर नहीं पड़ेगा। उनकी टीम का अगला मैच नौ अप्रैल को है और वह सात दिन के ब्रेक में निजी दौरे पर यहां आये हैं।

हमें खेल के सभी विभागों में अच्छा प्रदर्शन करना होगा: क्लासेन

नई दिल्ली, एजेंसी।

दक्षिण अफ्रीका के आक्रामक बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने उम्मीद जताई कि सनराइजर्स हैदराबाद अईपीएल के वर्तमान सत्र में अच्छी शुरुआत नहीं करने के बावजूद आगे अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रहेगा। सनराइजर्स को अपने पहले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन इसके बाद उसने कोलकाता नाइट राइडर्स को 65 रन से हराया।

पिछले मैच में हालांकि उसे लखनऊ सुपर जायंट्स ने पांच विकेट से करारी शिकस्त दी। क्लासेन ने जिओ हॉटस्टार से कहा, ''हमारी बल्लेबाजी अब तक ठीकठाक रही है, लेकिन हमने तीन मैचों में लगभग 40 रन कम बनाए। हमें बल्लेबाजी में और सुधार करने की जरूरत है। जिन दो मैचों में हमें संघर्ष करना पड़ा, उनमें हमने बल्ले से अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। हमारे गेंदबाजों विशेषकर तेज गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। हमें 220-230 रन बनाने होंगे ताकि हमारे गेंदबाजों को लक्ष्य का बचाव करने का मौका मिल सके।'' उन्होंने कहा, ''हमारी फील्डिंग अच्छी नहीं रही है और इससे हमारा प्रदर्शन प्रभावित हुआ है। मैं अभी तक हमें 10 में से छह अंक दूंगा। हमने कुछ चरणों में शानदार क्रिकेट खेली लेकिन खेल के महत्वपूर्ण मौकों पर चूक गए।'' क्लासेन ने कहा, ''हमारे गेंदबाजों ने

रणनीति के अनुसार गेंदबाजी की है लेकिन हमारी फील्डिंग में सुधार की जरूरत है। हमें कैच लेने होंगे। हमें खेल के तीनों विभाग में सुधार करके अपनी लय बनानी होगी।'' क्लासेन ने पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था और अब केवल फ्रेंचाइजी लीग में ही खेल रहे हैं। उन्होंने पिछले दो मैचों में अर्धशतक बनाए और वह अपनी फॉर्म से खुश हैं। उन्होंने कहा, ''दुर्भाग्यवश हम दो मैच हार गए, लेकिन व्यक्तिगत तौर पर मेरे लिए यह अच्छी शुरुआत रही है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि मैं इन दिनों ज्यादा क्रिकेट नहीं खेल रहा हूं। मैं अपनी इस फॉर्म को बरकरार रखना चाहूंगा।'' वह बल्लेबाजी क्रम में चौथे नंबर पर अपनी भूमिका और जिम्मेदारियों का भी आनंद ले रहे हैं। उन्होंने कहा, ''यह (नंबर चार पर बल्लेबाजी करना) की भूमिका मैंने अपने पूरे करियर में निभाई है। इसमें आपको परिस्थितियों के अनुसार ढलना पड़ता है। टीम में मेरी भूमिका यह है कि अगर (ईशान) किशन, अभिषेक (शर्मा) और ट्रैविस हेड अच्छा प्रदर्शन कर रहे हो तब भी मैं अपना स्वाभाविक खेल खेलता रहूं। प्रत्येक मैच में अलग परिस्थितियां होंगी और मुझे बस उनके अनुसार ढलना होगा।'' सनराइजर्स अपना अगला मैच शनिवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ न्यू चंडीगढ़ में खेलेगा। क्लासेन ने स्वीकार किया कि सनराइजर्स को पैट कमिंस की कमी खल रही है, जो अपनी पीठ की चोट का स्कैन कराने के लिए स्वदेश लौट गए हैं। उन्होंने कहा ''पैट की कमी बहुत खल रही है। उनके पास बहुत अनुभव है लेकिन ईशान कप्तानी की भूमिका अच्छी तरह से निभा रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि यह कोई चिंता का विषय है। हमारी टीम अच्छी स्थिति में है।

दिल्ली कैपिटल्स की नजर जीत की हैट्रिक पर

आज मुक़ाबले में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) का सामना गुजरात टाइटंस (जीटी) से दिल्ली में

नई दिल्ली, एजेंसी।

आईपीएल 2026 के बुधवार के मुक़ाबले में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) का सामना गुजरात टाइटंस (जीटी) से दिल्ली में होगा। जहां डीसी को अपने शुरुआती दो मैचों में जीत मिली है, वहीं जीटी को अभी भी अपनी पहली जीत का इंतज़ार है। दोनों टीमों के बीच अब तक हुए सात मैचों में जीटी 4-3 से आगे है। पिछले आईपीएल के दो मैचों में जीटी को दोनों में जीत मिली है, वहीं दिल्ली में भी दोनों टीमों के बीच खेले गए तीन मैचों में जीटी 2-1 से आगे है।

केएल राहुल के लिए आईपीएल 2026 की शुरुआत कुछ ख़ास नहीं रही है और दो मैचों में उनका स्कोर 0 और 1 का है। राहुल का यह ख़राब फ़ॉर्म जीटी के ख़िलाफ़ मैच में भी जारी रह सकता है। क्योंकि जीटी के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और कगिसो रबाडा उन्हें परेशान करते हैं। प्रसिद्ध अपने राज्य के साथी को सात पारियों में तीन जबकि रबाडा भी उन्हें 12 पारियों में तीन बार आउट कर चुके हैं। राशिद ख़ान ने भी राहुल को तीन बार आउट किया है, जिसका मतलब है कि अगर राहुल टिक भी जाते हैं तो भी पावरप्ले के बाद उन्हें परेशान करने वाला कोई है। एनगिडी कर सकते हैं जीटी के शीर्ष क्रम को परेशान भारत में हुए टी20 विश्व कप से ही लुंगी एनगिडी शानदार फ़ॉर्म में हैं और अपनी स्लोअर गेंदों से बल्लेबाज़ों को परेशान करने की कला को उन्होंने आईपीएल 2026 में भी जारी रखा है। एनगिडी जीटी के ख़िलाफ़ भी अपनी स्लोअर गेंदों का जादू दिखा सकते हैं।

जीटी के कप्तान और सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को उन्होंने चार पारियों में दो बार आउट किया है, जबकि गिल उन पर सिर्फ़ 88 के स्ट्राइक रेट से सात रन ही बना पाए हैं। बटलर को भी एनगिडी ने तीन बार आउट किया है, हालांकि बटलर उन पर 161 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। बटलर को अक्षर पटेल और कुलदीप यादव की अनुभवी स्पिन जोड़ी भी परेशान करती है और दोनों उन्हें दो-दो बार आउट कर चुके हैं। बटलर दोनों स्पिनरों पर सिर्फ़ 132 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाते हैं। मिलर का तोड़ राशिद के पास है डेविड मिलर को डीसी ने इस बार फ़िनिशर के तौर पर अपनी टीम में शामिल किया है, लेकिन राशिद उनको अंतिम ओवरों में परेशान करने की कुव्वत रखते हैं। जीटी के अपने पूर्व साथी को राशिद ने चार बार आईपीएल में आउट किया है, जबकि मिलर, राशिद पर सिर्फ़ 119 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाते हैं।

सिराज और रबाडा ने भी मिलर को दो-दो बार आउट किया है और इन दोनों के ख़िलाफ़ भी मिलर का स्ट्राइक रेट सिर्फ़ 100 और 119 का है। फ़िलिप्स कैसे करेंगे डीसी के स्पिनरों का सामना मिलर की तरह ग्लेन फ़िलिप्स को जीटी ने अपनी टीम में फ़िनिशर के तौर पर शामिल किया है, लेकिन उन्हें स्पिन खेलने की कला सीखना होगा। कुलदीप और अक्षर दोनों, फ़िलिप्स को पांच पारियों में चार-चार बार आउट कर चुके हैं, जो कि लगभग एक परफ़ेक्ट रिकॉर्ड है।

दिल्ली कैपिटल्स की टीम :

■ अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी शॉ, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विप्रज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, औकिब डार, नीतीश राणा, मिशेल स्टार्क, टी. नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, लुंगिसानी एनगिडी, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव।

गुजरात टाइटंस की टीम :

■ साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कगिसो रबाडा, अशोक शर्मा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, जेसन होल्डर, जयंत यादव, मानव सुथार, कुमार कुशाग्र, रविश्रीनिवासन साई किशोर, इशांत शर्मा, ल्यूक वुड, टॉम बैंटन, कुलवंत खेजरोलिया, अनुज रावत, अरशद खान, गुरनूर बराड़, निशांत सिंधु।

फिट हुए शुभमन गिल

■ नई दिल्ली, एजेंसी। गुजरात टाइटन्स के कप्तान शुभमन गिल मांसपेशियों में जकड़न से उबर गए हैं और बुधवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे। पिछले मैच से बाहर रहे गिल के सलामी जोड़ीदार साई सुदर्शन ने इस बात की पुष्टि की कि वह खेलने के लिए पूरी तरह फिट हैं।

वर्षा से बाधित मैच के शुरू होने पर टास करते एमआई व डीसी के कप्तान।

मुंबई इंडियंस ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी

गुवाहाटी, एजेंसी।

गुवाहाटी में बारिश थमने के बाद मुंबई इंडियंस ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में मंगलवार को टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। वर्षा बाधित इस मुकाबले में कुल मिलाकर 11-11 ओवरों का मैच खेला जाएगा और पावरप्ले 3.2 ओवर का होगा।

मुंबई के कप्तान हार्दिक पंड्या ने टॉस जीतने के बाद कहा कि हम पहले गेंदबाजी करने जा रहे हैं। बारिश से बाधित मैच में आप दूसरी पारी में बैटिंग करते हैं। हमारे दो मैच काफी अलग तरह के हुए थे लेकिन मुझे काफी खुशी है कि खिलाड़ियों ने जिस तरह से प्रेशर को हैंडल किया। मेरी टीम में दो बदलाव हुए हैं। मैं आया हूं और ट्रेंट बोल्ट की भी वापसी हुई है। राजस्थान के कप्तान रियान पराग ने कहा कि हम भी टॉस जीतते तो पहले गेंदबाजी ही करते। बारिश काफी ज्यादा हुई है। हमारी टीम में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

टीमें

राजस्थान रायल्स

■ वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल (कीपर), रियान पराग (कप्तान), शिमरोन हेटमायर, डोनावन फरेरा, रवींद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे और संदीप शर्मा। इम्पैक्ट सब : रवि बिश्नोई, रवि सिंह, लुआन डी प्रिटोरियस, ब्रजेश शर्मा और सौरभ दुबे।

मुंबई इंडियंस

■ रोहित शर्मा, रयान रिकल्टन (कीपर), तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या (कप्तान), सूर्यकुमार यादव, नमन धीर, शार्दुल ठाकुर, दीपक चाहर, अल्लाह ग़ज़नफ़र, ट्रेंट बोल्ट और जसप्रीत बुमराह। इम्पैक्ट सब : अश्विनी कुमार, शेरफ़ेन रदरफोर्ड, कॉर्बिन बॉश, रॉबिन मिन्ज और राज बावा।

आईपीएल का सपना पूरा करने को छोड़ दी थी कांस्टेबल की परीक्षा

नजफगढ़ का 'राजकुमार' यानी प्रिंस यादव

नई दिल्ली, एजेंसी।

कुछ साल पहले तक नजफगढ़ में रहने वाले रेलवे सुरक्षा बल के सहायक सब इंस्पेक्टर (एएसआई) राम निवास यादव अपने सबसे छोटे बेटे प्रिंस के भविष्य को लेकर बेहद चिंतित थे, जिसकी दिलचस्पी केवल टेनिस बॉल टूर्नामेंट में यॉर्कर गेंदबाजी करने में थी। लेकिन इस युवा क्रिकेटर को खुद पर भरोसा था और उसने अपने पिता से सीधे शब्दों में कह दिया, ''आप मेरी चिंता करना छोड़ दो। मैं अपने से कुछ कर लूंगा।'' अब बात करते हैं 2026 की।

वह बेपरवाह दिखने वाला लड़का अपने वादे पर खरा उतर चुका है। लखनऊ सुपर जायंट्स के इस स्विंग गेंदबाज का नाम है प्रिंस यादव, जो इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अक्षर पटेल और ईशान किशन जैसे अनुभवी भारतीय बल्लेबाजों के डिफेंस को भेदने में सफल रहा। प्रिंस के पिता रामनिवास ने कहा, ''कोई भी पिता अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित होगा और मैं भी था। 18 साल की उम्र तक उसने चमड़े की गेंद से एक बार भी गेंदबाजी नहीं की थी। मैंने उसे दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल की परीक्षा में बैठने के लिए मजबूर किया। वह शारीरिक रूप से फिट था, लेकिन लिखित परीक्षा के लिए अच्छी तरह से तैयार नहीं था क्योंकि उसका ध्यान कहीं और था।'' रामनिवास ने आखिर अपने बेटे की जिद मान ली क्योंकि उनके पास अपने बेटे का साथ देने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था। उन्होंने कहा, ''बेटे की ज़िद है और हमें पूरा करना था। एक एएसआई के वेतन में कितना ही गुज़ारा हो पाता है।

प्रिंस के पहले और अब तक के एकमात्र कोच अमित वशिष्ठ

■ राम निवास के अनुसार प्रिंस के पहले और अब तक के एकमात्र कोच अमित वशिष्ठ और भारत के अंडर-19 विश्व कप विजेता तेज गेंदबाज प्रदीप सांगवान ने उनके खेल में निखार लाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, ''मैं अमित सर का जितना भी शुक्रिया अदा करूं, कम है। उन्होंने प्रिंस को टेनिस टूर्नामेंट खेलते हुए देखा और उसे नजफगढ़ स्थित अपनी अकादमी से जुड़ने के लिए कहा। प्रदीप जी (सांगवान) भी अमित सर के शिष्य थे और उन्होंने प्रिंस को फिटनेस में मदद की।'' एक समय ऐसा भी था जब प्रिंस अपनी पीठ पर रेत की बोरी बांधकर धान के खेतों में दौड़ते थे ताकि उनके शरीर का ऊपरी हिस्सा मजबूत बन जाए। रामनिवास ने कहा, ''प्रदीप ने उसका बहुत मार्गदर्शन किया और अमित सर ने उसके खेल में सुधार किया। मैं डीपीएल (दिल्ली प्रीमियर लीग) और नयी दिल्ली टीम को कैसे भूल सकता हूं। अगर डीपीएल नहीं होता, तो मुझे नहीं लगता कि मेरे बेटे की प्रगति इतनी तेज़ होती। इसलिए मैं डीडीसीए और विजय दहिया सर का भी आभारी हूं।

ललित को रजत और सुनील को मिला कांस्य पदक

बिश्केक (किर्गिस्तान), एजेंसी

ललित ने मंगलवार को यहाँ 2026 सीनियर एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में भारत का पहला पदक जीता। उन्होंने 55 किलोग्राम ग्रीको-रोमन वर्ग में रजत पदक हासिल किया, जबकि नितेश 97 किलोग्राम ग्रीको-रोमन वर्ग के फाइनल में पहुँच गए। पूर्व चैंपियन सुनील कुमार ने अपने पदकों की सूची में एक और कांस्य पदक जोड़कर भारतीय दल के लिए इस दिन को बेहद सफल बना दिया।

ललित, जिन्होंने सेमीफाइनल में चीन के हुओयिंग शी को हराया था, फाइनल में उज्बेकिस्तान के इख्तियार बोतिरोव के खिलाफ कड़ा मुकाबला किया, लेकिन 0-9 से हारने से खुद को नहीं बचा सके। 87 किलोग्राम वर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में, सुनील कुमार ने पहले राउंड में चार अंक गंवाने के बाद शानदार वापसी की और उज्बेकिस्तान के मुखम्मदकोदिर रसुलव को 5-4 से हराकर एशियाई चैंपियनशिप में अपना लगातार दूसरा कांस्य पदक जीता। इससे पहले, नितेश ने 97 किलोग्राम ग्रीको-रोमन वर्ग के फाइनल में जगह बनाकर यह सुनिश्चित कर लिया कि वे 2025 की एशियाई चैंपियनशिप में अपने प्रदर्शन में सुधार करेंगे। 23 वर्षीय नितेश, जिन्होंने पिछले साल कांस्य पदक जीता था।

तमीम इकबाल होंगे बीसीबी के नए अध्यक्ष

ढाका, एजेंसी।

बांग्लादेश सरकार ने मंगलवार को अमीनुल इस्लाम की अगुआई वाले बीसीबी बोर्ड ऑफ़ डायरेक्टर्स को भंग करने के बाद तमीम इक़बाल को नया बीसीबी (बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड) अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह फैसला उस पांच सदस्यीय जांच समिति की सिफारिशों के बाद लिया गया, जिसने पिछले साल अक्टूबर में हुए बीसीबी चुनाव से जुड़े विभिन्न आरोपों की जांच की थी।

37 साल के पूर्व बांग्लादेश कप्तान तमीम अब 11 सदस्यीय एड हॉक कमेटी की अगुआई करेंगे। इस कमेटी में पूर्व बांग्लादेश कप्तान मिन्हाजुल आबेदीन और पूर्व क्रिकेटर एवं टीवी कमेंटेटर अतहर अली ख़ान भी

तमीम इक़बाल

शामिल हैं। कमेटी के अन्य सदस्य राशना इमाम, मिर्ज़ा येसिर अब्बास, सैयद इब्राहिम अहमद, इसराफिल ख़सरू, तंजिल चौधरी, सलमान इस्पहानी, रफ़ीकुल इस्लाम और फहीम सिन्हा हैं। सरकार की जांच समिति ने खेल मंत्रालय में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान अपनी सिफारिशें पेश कीं, जहां उन्होंने बीसीबी चुनाव से जुड़े अपने निष्कर्षों को विस्तार से साझा किया। सरकार की जांच समिति ने अपनी सिफारिशें खेल मंत्रालय में आयोजित एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान पेश कीं, जहां उन्होंने बीसीबी चुनावों को लेकर अपनी जांच के निष्कर्ष विस्तार से साझा किए।

एनएससी के स्पोर्ट्स डायरेक्टर मोहम्मद अमीनुल अहेसान ने कहा, "नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल की ज़िम्मेदारी के तहत हमने आईसीसी को सूचित किया है कि यह बोर्ड ऑफ़ डायरेक्टर्स सही तरीके से गठित नहीं हुआ है और अपने काम को भी सही ढंग से पूरा करने में सक्षम नहीं है। हमने आईसीसी को इस बोर्ड को भंग करने के अपने फैसले के बारे में भी जानकारी दे दी है। बंगलादेश क्रिकेट या किसी भी खेल में एनएससी की अहम भूमिका होती है।

कश्मकश | **स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा**

आत्मघाती गोल से गिरोना ने विलारियाल को हराया

गिरोना (स्पेन), एजेंसी।

विलारियाल को आत्मघाती गोल के कारण गिरोना से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा जिससे स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में तीसरे नंबर पर अपनी स्थिति मजबूत करने की उसकी उम्मीदों को करारा झटका लगा। विलारियाल अगर इस मैच में जीत जाता तो वह चौथे स्थान पर काबिज एटलेटिको मैड्रिड से चार अंक आगे हो जाता। एटलेटिको मैड्रिड को बार्सिलोना से अपने घरेलू मैदान पर हार का सामना करना पड़ा था। पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में अर्नाउ के क्रॉस का शॉट पाउ नवारो पर लगा और गेंद उनके ही गोलकीपर को चकमा देते हुए गोल में चली गई। विलारियल 30 मैच में 58 अंक लेकर तीसरे स्थान पर बना हुआ है। वह दूसरे नंबर पर काबिज रियाल मैड्रिड (69) से नौ अंक और शीर्ष पर स्थित बार्सिलोना (76) से 18 अंक पीछे है। गिरोना 37 अंक के साथ दो पायदान ऊपर चढ़कर 12वें स्थान पर पहुंच गया है। वह ओसासुना, एस्पेनयोल और एथलेटिक बिलबाओ से एक अंक पीछे है।

गोलकीपर को छकाने में गिर पड़े दोनों टीम के फुटबालर।

नेपोली ने खिताब की उम्मीदें रखी जीवंत

■ तूरिन (इटली), एजेंसी। स्थानापन्न खिलाड़ी मैटियो पोलिटानो के 79वें मिनट में किए गए गोल की मदद से नेपोली ने एसी मिलान को 1-0 से हराकर इटालियन फुटबॉल लीग सीरी ए में खिताब जीतने की अपनी उम्मीदों को बरकरार रखा। नेपोली इस मैच से पहले एसी मिलान से एक अंक और शीर्ष पर काबिज इंटर मिलान से 10 अंक पीछे तीसरे स्थानर पर था। इन दोनों क्लब के लिए खिताब की उम्मीदों को जीवंत रखने के लिए इस मैच में जीत जरूरी थी। मैच में हालांकि गोल करने की बहुत कम मौके बने और ऐसे में पांच मिनट पहले स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरने वाले पोलिटानो का गोल निर्णायक साबित हुआ। इस जीत से नेपोली के 31 मैच में 65 अंक हो गए हैं जबकि एसी मिलान के इतने ही मैच में 63 अंक हैं। इंटर मिलान 31 मैच में 72 अंक लेकर अब भी खिताब की दौड़ में सबसे आगे बना हुआ है। एक अन्य मैच में युवेंटस ने जेनोआ को 2-0 से हराया। इस जीत से युवेंटस ने चौथे स्थान पर काबिज कोमो से अंतर को घटाकर एक अंक कर दिया। कोमो को उडिनीस ने गोलरहित से ड्रॉ पर रोका।